राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक

डॉ. पद्मधर पाठक

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क–१५३

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची
भाग ११
(जोधपुर-संग्रह)

सम्पादक

डॉ० (सुश्री) शशि शर्मा

प्रकाशक

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

1991 ई.

प्रथमावृत्ति 500 मूल्य रु. 51.00

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक

डॉ. पद्मधर पाठक

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क–१५३

राजस्थानी-हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची
भाग ११

(जोधपुर–संग्रह)

सम्पादक

डॉ० (सुश्री) शशि शर्मा

प्रकाशक

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

1991 ई.

प्रथमावृत्ति 500 मूल्य रु. 51.00

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान-राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान प्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी-राजस्थानी आदि भाषा-निबद्ध
विविध वाङ्मय-प्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली

प्रधान-सम्पादक

डॉ. पद्मधर पाठक

ग्रन्थाङ्क-१५३

सम्पादक

डॉ० (सुश्री) शशि शर्मा

प्रकाशक

राजस्थान-राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

मुद्रक

पंकज प्रिण्टर्स, जोधपुर

वि सं. २०४८ ई. सन् १९९१

अनुक्रम

प्रधान सम्पादकीय

प्रस्तुत सूची-पत्र प्रतिष्ठान के मुख्यालय में सुरक्षित हिन्दी-राजस्थानी ग्रन्थों का ग्यारहवाँ खण्ड हैं। इसमें ग्रन्थाङ्क 22001 से ग्र० 24500 पर्यन्त विविध विषयक 2281 ग्रन्थों का परिचय उपलब्ध है। शोधार्थी अपनी-दृष्टि से महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी ग्रन्थों को खोज कर ही लेंगे तो भी, दो-चार ग्रन्थ पृथक् से उल्लिखित किए जा सकते हैं यथा नरराय विरचित 'बिहारी सतसई' की टीका (क्र. 157); कवि नन्दन रचित 'व्यवहारसार' (क्र. 263); भवभूति विरचित "मालतीमाधव" का उर्दू अनुवाद (क्र. 2276); "अनूप रसाल" (क्र. 105) आदि। प्राचीनता की दृष्टि से सोलहवीं शताब्दी में लिपिकृत कुछ दुर्लभ ग्रन्थ भी इस खण्ड में आए हैं जिनमें वि. स. 1582 की मौनी एकादशी-चउपई (क्र. 1739) वि. सं. 1599 सर्वथा गणनीय है।

डॉ. कु. शशि शर्मा, कनिष्ठ शोध सहायक ने ग्रन्थों के अध्ययन में पर्याप्त सावधानी बरती है। प्रूफ-शोधन में श्री ओम प्रकाश टाक, परिरक्षण सहायक का सहयोग प्रशंसनीय है।

पद्मधर पाठक
निदेशक

विषय-तालिका

संकेत – तालिका

ऋ०	=	ऋषि
गो०	=	गोस्वामी
पं०	=	पंडित
भा०	=	भाषा
म०	=	महत्त्वपूर्ण, महाराजा
मु०	=	मुनि
मू०	=	मूल
र० स्था०	=	रचना स्थान
लि० क०	=	लिपि कर्त्ता
लि० स्था०	=	लिपि स्थान
वा०	=	वाचक
वि० स०	=	विक्रम संवत्
वि० संवत्	=	विक्रम संवत्
श०	=	शताब्दी

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची

भाग II

(जोधपुर-संग्रह)

राजस्थान प्रचयविद्या प्रतिष्ठान
जोधपुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
1 दर्शन			
1	22139	आत्मप्रकाश-भाषा	
2	22074 (48)	निमित्तोपादान का दोहरा	बनारसीदास
3	22074 (46)	निमित्तोपादान कारण निर्णय	
4	22074 (45)	परमार्थ-वचनिका	
5	22453 (20)	प्रश्नोत्तरी-माला	
6	22453 (19)	ब्रह्मजिज्ञासा-भाषा	शंकराचार्य
7	22036	बल्लभाख्यान	गोपालदास
2. ध.शा.			
8	24173 (37)	गायत्रीचक्रपूजा-विधि	
9	22074 (35)	चार वर्णों का विवरण	
10	22570 (16)	दशदान-दोहा	
11	22074 (24)	नवदुर्गा-विधान	
12	22074 (25)	नामनिर्णय-विधान	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
32×16 14;34	175	अपूर्ण	1901	जीर्ण; पत्रांक 165 वां तथा अंतिम अंश अप्राप्त; त्रुटित पत्र; पत्र 35 की पुनरावृत्ति; लि.क. चैनसुख मिश्र; लि.स्था गुरावड़ा।
25×11 15;45	60वां	पूर्ण	1690	
25×11 15;45	58वां	"	1690	
25×11 15;45	55–58	"	1690	
24×16.5 27;16	122–136	"	19 वीं श.	
24×16.5 27;16	120–122	"	19 वीं श.	
24.5×11 9;34	12	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1,2; लि.क. कृष्ण ब्राह्मण
12×6.2 7;23	68–93	पूर्ण	18 वीं श.	अंत में 'सर्वसंतुष्टदेवता अष्टक-स्तोत्र'; लि.क. शिवजी नागौरी; लि.स्था मेड़ता
25×11 15;45	49वां	"	1690	
20.2×12 25;15	10वां	"	19 वीं. श.	जीर्ण
25×11 15;45	43–44	"	1690	
25×11 15;45	44वां	"	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
2. ध.शा.			
13	22403 (2)	पाशाविधानमंत्रपूजा-विधि	
14	22456 (10)	विवाहमंडप आदि विधि	
3. पुराण			
15	22435	अक्षयगीता	
16	24471 (3)	अर्जुन गीता की चौपाई	
17	23606	अवतारचरित्र-भाषा	नहरिदास
18	22137 (30)	अवतारां रा नाम	
19	22570 (25)	आदित्यवार की कथा (लघु)	
20	22502 (5)	इतिहाससार-समुच्चय	
21	22557 (1)	उग्रगीता	
22	24450 (6)	एकश्लोकी भागवत-भाषा	
23	24450 (5)	एकश्लोकी रामायण-भाषा	
24	22465 (12)	एकादशी की कथा	
25	22091	एकादशीव्रतकथा-संग्रह	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11 18;50	3–6	पूर्ण	1861	लि.क. कीर्त्तमल लि स्था. पाली
25.5×13 5 21;18	62-64	अपूर्ण	1792	जीर्ण; परस्पर पत्र चिपके हुए।
32×15 15;33	2–19	,,	19 वीं श	जीर्ण; अप्राप्त पत्र 1 व 16वां; लि.क. वैष्णव निरंजनी मुकुन्द-दास; पत्र त्रुटित।
10.5×7.5 5;10	12–22	पूर्ण	19 वीं श.	
22×15 5 34;20	1–95	,,	1837	जीर्ण; भ गवतपुराण-दशम स्कधगत'; लि.क. चिरंजीव; लि.स्था. परबतसर
24×17 24;21	163वां	,,	19 वीं श.	
20.5×12 25;15	18–19	,,	19 वीं श.	
15.5×10 10;20	538–540	,,	19 वीं श.	अष्टम अध्याय मात्र
12×21:5 21;17	1–100	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; 'कबीरदास एवं धर्मदास संवाद'। अप्राप्त पत्र 42 47-51 व 55
12.5×8 7;15	01–105	पूर्ण	1997	
12 5×8 7;15	85-10	,,	1997	
12.5×15.5 11;16	112 128	,,	19 वीं श.	जीर्ण;
23×11 9,26	1–74	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र व अतिम अंश अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3. पुराण			
26	22137 (34)	कपिलदेवजी को प्रसंग	
27	22488 (7)	कर्मविपाक-गीता	
28	24464 (2)	,,	
29	24450 (4)	गीता-माहात्म्य (18वाँ अध्याय)	
30	22137 (14)	गीता-भाषा (प्रथम अध्याय)	
31	24450 (3)	,, (18वाँ अध्याय)	
32	22500 (1)	,, चौपाई	ब्रह्मदास वैष्णव
33	22729	गीता-भाषा (दोहा बंध)	हरिवल्लभ
34	22593 (1)	गीता-भाष्य-सचित्र	
35	22106 (15)	गीता-माहात्म्य	भगवानदास निरंजनी
36	22104	चौबीस एकादशी-कथा	
37	22550	,, ,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×17 24; 21	317–32	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
10×6 7; 11	263–272	,,	1896	जीर्ण; लि क. रघुवरदास; लि.स्था. लाडोली नगर
24×15 19; 16	158–162	,,	19 वीं श.	157वां पत्र रिक्त
12.5×8 7; 15	78–85	,,	1997	
24×17 24; 21	81–82	,,	19 वीं श	जीर्ण; स्वतंत्र पत्रांकन।
12.5×8 7; 15	70–78	,,	1997	पद्मपुराणगत गीता माहात्म्य से लिया गया।
12.5×8 10; 19	1–113	,,	1997	र.का. 1885 वि० र.स्था. भुसावर; लि.क. मिश्र गयाबक्ष; मूल टीका की चौपाई।
21×11 9; 22	1–65	,,	19 वीं श.	जीर्ण; कीट भक्षित;
23.5×15 17; 16	1–52	,,	1879	जीर्ण-शीर्ण
22×15 21; 18	299–330	,,	1832	जीर्ण; पद्मपुराणगत
21.5×11 9; 25	1–46	अपूर्ण	1889	लि.क रिद्धकरण; लि.स्था. नागोर; अप्राप्त पत्र 23,24,27
13.5×10.5 11; 13	23–57	पूर्ण	1802	जीर्ण; पत्र त्रुटित एवं जलासिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3. पुराण			
38	22137 (10)	द्विज-कन्या-सवाद	
39	22529 (1)	धर्म-प्रशसा	
40	24159 (6)	नवरात्रि की कथा	
41	24426 (2)	नारद-गीता	
42	24427 (2)	नासकेत पुराण	
43	22137 (29)	नासकेत पुराण-भाषा	
44	22478 (1)	नासकेतजी री कथा	
45	23074	नासकेत-भाषा	चरणदास
46	24459 (1)	नासकेतु-भाषा	
47	23534	पाखण्डमतखण्डन	कालूराम
48	24154 (1)	पाराशर स्मृति-भाषा	
49	24161 (13)	पुरुषोतम मास की कथा,एकादशी की कथा	
50	22332	भगवद्गीता-भाषा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×17 24;21	66–77	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
16×9.5 7;15	1–27	,,	1923	द्वितीय रचना संस्कृत में है।
18×13.5 14;20	33–41	,,	1861	लि.क. अखैचंद; लि.स्था. बावड़ी
20.2×12 7;24	121–125	,,	18 वीं श.	
15.5×12 12;25	194–224	,,	19 वीं श.	पत्रांक 192-93 व 202 रिक्त है।
24×17 24;21	128–163	,,	19 वीं श.	जीर्ण
21.5×15.5 16;25	1–13	,,	1857	जीर्ण; लि.क. ब्राह्मण गुमान; लि.स्था. राजलपुर नगर
29.5×13.5 12;43	1–45	,,	1845	जीर्ण; लि.क. रामजीदास; लि.स्था. अहिपुर पत्र त्रुटित व जलसिक्त
24.5×12.3 11;27	1–99	,,	1933	लि.क. रुखेभदास; लि.स्था. जोधपुर
29.7×19 33;25	1–25	,,	1935	लि.क. केदारवल्लभ गौड व खेतजी गौड
28×19 25;22	1–43	अपूर्ण	18 वीं श.	र.का.1709 वि०; पत्रांक 15,16 अप्राप्त; दोहे तथा गद्य टीका सहित।
15×16 17;14	121–130	पूर्ण	19 वीं श.	
23×14 14;30	1–86	अपूर्ण	17 वीं श.	जीर्ण-शीर्ण व त्रुटित अन्तिमांश तथा पत्रांक 1-3,4-7 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3 पुराण 51	23097 (3)	भगवद्गीता-भाषा	
52	24158 (1)	भगवद्गीता (राजस्थानी-टीका)	
53	22106 (2)	भागवत(एकादश स्कन्ध) भाषा	
54	22134 (15)	,, ,,	चतुरदास
55	22137 (31)	,, ,,	,,
56	22504 (5)	,, ,,	,,
57	22863 (17)	,, ,,	संतदास
58	22861	,, ,,	चतुरदास शिष्य संतदास
59	24427 (1)	,, ,,	चतुरदास
60	22462 (2)	,, ,,	,,
म. 61	22137 (32)	भागवत कथा (द्वादश स्कंधगत	राघोदास
62	22507	भागवत-निर्णय	रामसुन्दर
63	22508	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×17 20; 15	210-320	पूर्ण	1910	लि.क. जयरामदास; लि.स्था. नसीराबाद छावनी
18×14.5 12; 20	1–21	अपूर्ण	19 वीं. श.	
20×1 21; 18	1–148	पूर्ण	1830	जीर्ण; लि.क.सहजराम; लि स्था. बिसाहू नगर; स्वतंत्र पत्रांकन
16.5×19.5 29; 20	301–426	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र जलसिक्त व परस्पर चिपके हुए; लि क. नरसीदास; लि स्था. रणसिंग गांव
24×17 24; 21	164–288	,,	1824	जीर्ण; लि.क नवलराम; लि.स्था. पचाण नगरी
17.5×8.5 18; 26	450-749	,,	1885	पत्रांक450 की पुनरावृत्ति व 552-555 तक सुन्दर बोर्डर अंकित।
14×9 10; 23	535-536	,,	19 वीं. श.	जीर्ण
26×11 14; 38	1–106	,,	1884	पत्र त्रुटित; र.का. 1692 वि०
15.5×12 12; 25	1–191	,,	1907	र.का 1692 वि०; लि.क.रघुनाथ; लि.स्था. रावता रे वास
13×14.5 14; 19	7-216	,,	1754	र.का. 1692; संतदास की आज्ञा से चतुरदास द्वारा रचित।
24×17 24; 21	289–310	,,	19 वीं श.	जीर्ण;
16×20 12; 17	1–15	,,	20 वीं श.	बंग भाषा में प्रकाशित पुस्तक का हस्तलिखित अनुवाद; लि.क. हरशरणदास
16×21 11; 20	1–7	,,	20 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3 पुराण			
64	22453 (23)	भागवत-भाषा-टीका (एकादश स्कंध)	
65	22130	भागवत (दशम स्कंध) भाषा	दादा केशवरायजी पंचोली
66	22107 (1)	भागवत-भाषा	
67	22107 (5)	,,	
68	22494 (1)	भागवत-भाषा (एकादश स्कंध)	सन्तदास
69	22533 (4)	,, ,,	चतुरदास
70	22693	,, ,,	
71	24458	,, ,,	
72	22143	भागवत-भाषा (दशम स्कंध)	ज्ञानानन्द निर्वाणी शिष्य त्यागीराम
73	23075	,, श्रीकृष्णचंद्रिका	
74	23954	भागवत-भाषा (दशम स्कंध)	नरहरिदास बारहट
75	24464 (5)	महाभारत-भाषा (गद्य)	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×16.5 27; 16	126–319	पूर्ण	1872	जीर्ण; पत्र कीटभक्षित। लि. क. भजनदास; लि. स्था. नगर बिसाऊ
14×13 11; 15	1–181	पूर्ण	1903	जीर्ण; पत्र त्रुटित व जलसिक्त; र. का. 1841; र. स्था. जोधपुर; लि. क. गणेशदास, सांईदास; लि. स्था. जोधपुर
13.5×13 16; 17	1–62	अपूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण; प्रारम्भिक अंश अप्राप्त
13.5×13 16; 17	228–328	,,	18 वीं श.	जीर्ण
15×17 18; 21	1–122	पूर्ण	1851	जीर्ण; पत्र जलासिक्त तथा त्रुटित; लि. का. साधु सहजराम; लि. स्था. कोलीय ग्राम
16×10.5 10; 19	2–162	अपूर्ण	19 वीं श.	स्वतंत्र पत्रांकन; प्रथम पत्र व अन्तिम अंश अप्राप्त।
30×15 13; 36	122	पूर्ण	1908	पत्र त्रुटित: चौपाइ शैली में निबंद्ध; लि. क. धनराज जोशी; लि. स्था. नागिना
24×14 10; 34	155	,,	19 वीं श.	लि. क. माधोदास
21×15.5 17; 17	331	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
30×13.5 13; 38	23	पूर्ण	19 वीं. श.	
32×14 14; 42	144	,,	1847	पत्र कीटभक्षित; लि. क. पं. युक्तचन्द्र अभैराम; लि. स्था. आसोत्तरा
24×15 19, 16	166–177	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3. पुराण 76	23173	मार्गशीर्ष माहात्म्य-भाषा	भा. हरिदास
77	23615	वासुदेवजी की स्तुति	
78	23696	विज्ञान-गीता	राजावीरसिंह
79	22264 (3)	शनिश्चर-कथा	जोरावरमल माथुर कायस्थ
80	24427 (3)	शनिश्चर-कथा-भाषा	
81	23758	शनिश्चरजी की कथा	
82	24159 (9)	"	
83	24065 (1)	" (चौपाईबद्ध)	
84	23066 (13)	शनिश्चर देवता की कथा	
85	22240 (1)	"	
86	24464 (4)	"	
87	24159 (13)	शिवरात्रि की कथा	
म. 88	22318	श्रीमद्‌भगवद्‌गीता भाषा-टीका	टी. महाराजा जसवंतसिंह

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
29×13.2 9; 26	27	पूर्ण	1856	स्कन्दपुराणगत; लि. क. सरूपचन्द; लि. स्था. मेड़ता नगर
30.5×15.5 15; 46	3	"	19 वीं श.	भागवत दशमस्कंधगत; पत्र त्रुटित
25.3×13 10; 34	61	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण, प्रथम पत्र अप्राप्त; पत्र कीट-भक्षित
16×10 12; 16	57–72	"	1957	प्रारम्भिक अंश अप्राप्त
15.5×12 12; 25	226–244	"	1901	लि. क. रघुनाथ
26×12.5 11; 23	1–7	पूर्ण	1878	
18×13.5 14; 20	47–53	"	19 वीं श.	जीर्ण
22.5×10.5 13; 30	1–9	"	1881	लि. स्था. खानपुर
15.5×10 6; 19	241 वां	अपूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण
16×15 13; 18	3–14	"	19 वीं श.	पत्र 2 रा अप्राप्त
24×15 19; 10	165–166	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
18×13.5 14; 20	74–95	"	1759	जीर्ण; पत्र त्रुटित एवं जलपिक्त लि. क. अखैचन्द लि. स्था. बावड़ी
20.5×11 13; 22	1–52	"	1905	लि. क. कस्तूरा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
3 पुराण			
89	23081	संत-संजीवनी (भागवत दशमस्कंध-भाषा-टीका)	जन किशोर
90	24450 (2)	सप्त श्लोकी गीता-भाषा	
91	23389	सिंह-गौ-कथा	
4. इतिहास			
92	23677	अमरसिंहजी री वात	
93	22137 (1)	इतिहाससार समुच्चय-भाषा	
94	22214 (3)	क्षत्रियां रा वखाण	
95	24325	गोरा-बादल री वार्ता	जटमल
96	22554 (15)	चहुवाणां री, गेहलोतां री, परमारां री तथा सोलंकियां री साख	
97	23066 (8)	दिल्ली पातस्याही को ब्योरो	
98	22554 (13)	पडिहारां री साख व ख्यात	
99	22214 (4)	मुगलां रा बखांण	
100	22214 (7)	राजा अजीतसिंह को चारण का पत्र	
101	22554 (14)	राणां री पट्टावली	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×14 22;19	1–179	अपूर्ण	18 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
12.5×8 5;15	51–70	पूर्ण	1997	
13.2×8 5;15	1–185	,,	19 वीं श.	हंसपुराणगत; शोभनलिपि में स्वर्ण बोर्डर युक्त ।
25.5×98 17;54	1–4	,,	18 वीं श.	
24×17 24;21	2–41	,,	1933	प्रथम पत्र अप्राप्त; महाभारतगत
23.5×13.5 11;24	12–13	,,	1844	जलसिक्त व कीटविद्ध
25.5×17 11;29	1–16	,,	1839	र. का. 1695; लि. क. रघुनाथ। लि. स्था. भीलड़ी
15 5×10 13;33	44 वां	,,	18 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण
15.5×10 6;19	206–218	,,	18 वीं श.	7 वीं कृति संस्कृत में है ।
15.5×10 6;19	42–43	,,	18 वीं श.	
23.5×13.5 11;24	13–15	,,	1844	पत्र जलसिक्त व कीटभक्षित
23.5×13.5 11;24	21 वां	,,	18 वीं श.	
15.5×10 13;33	43–44	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
4. इतिहास 102	22554 (11)	राठौड़ा री पट्टावली व ख्यात	
म. 103	22531	रामभज शर्मा का सवाई रामसिंह जयपुर के नाम पत्र	
104	23066 (15)	सूर्यवंशी राजाओं की वंशावली	
5(1). ऐ. का म. 105	23448	अनूपरसाल	महाराजा श्री अनूपसिंह
प. 106	22554 (10)	ऐतिहासिक गीत-संग्रह	
107	22495 (10)	,, कवित्त-संग्रह	
108	23451 (2)	ऐतिहासिक गीत	
109	24160 (6)	,,	
प. 110	22495 (1)	,, -संग्रह	
111	22495 (13)	कवित्त गुमानसिंघजी रा	
112	22495 (2)	कवित्त	
113	22495 (4)	,,	जेतदानजी (मथानिया के बारहट)
114	22732 (7)	कवित्त महाराजा जगतसिंहजी रा	पद्माकर, महेश

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×10 13; 33	37–41	पूर्ण	18 वीं. श.	
28.5×16 26; 27	प्रथम	,,	1915	पत्र कीटविद्ध; महत्वपूर्ण पत्र लेखक के हस्ताक्षर युक्त।
15.5×10 6; 19	276–302	,,	18 वीं श.	लि. क. जोधाराम; लि. स्था. सवाई जयपुर
25.5×10.5 10; 34	1–8	,,	19 वीं श.	र. का. 1628 र. स्था. बीकापुर नगर
15.5×10 13; 33	30–37	,,	18 वीं. श.	
19×29 22; 19	90–95	,,	19 वीं श.	
25×10 14; 47	3 रा	अपूर्ण	19 वीं श.	
19.5×14.5 16; 23	48 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
19×29 22; 19	3–78	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1,2 अप्राप्त; उत्तर रचना पत्र तीन से प्रारंभ है।
19×29 22; 19	97 वां	,,	1905	
19×29 22; 19	78–83	पूर्ण	19 वीं. श.	
19×29 22; 19	84 वां	,,	19 वीं श.	
26×16.5 26; 24	52–54	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(1). ऐ काव्य 115	22495 (7)	कवित्त महाराजा जसवंतसिंहजी रा	
116	22214 (9)	गीत राज श्री सूजाजी रो	
117	22214 (8)	गीत श्री राघवदेवजी रो	
118	22495 (9)	गीत महाराजा गजसिंघ रो	चतुरदान मोतीसर
119	24160 (2)	गीत राव प्रतापसिंहजी रो	
120	24160 (5)	गीत रावत फतहसिंहजी रो	
प्र. 121	22837 (1)	गोरा-बादल री वार्त्ता	जटमल
122	22451 (1)	चहुवाण गोगाजी रा रसावला	मेहकवि
123	22732 (4)	जसकवित्त कच्छवाह का	
124	22044	निसाणी-विवेकवार	
125	22554 (1)	पृथ्वीराज चहुवाँण पर स्फुट छन्दादि	चन्द वरदाई
126	22320	पृथ्वीराज-रासो	"
127	23381	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×29 22; 19	88–89	पूर्ण	19 वीं श	
23.5×13.5 11; 24	22–23	,,	1844	पत्र जलासिक्त; कीट भक्षित; लि. क. अमर सागर भाट; लि. स्था. देलवाड़ा नगर
23.5×13.5 11; 24	21–22	,,	19 वीं श.	पत्र जलासिक्त व कीटविद्ध
19×29 22; 19	90 वां	,,	19 वीं श.	
19.5×14.5 16; 23	6–7	,,	19 वीं श.	
19.5×14.5 16; 23	48 वां	,,	19 वीं श.	पत्र जीर्ण व जलासिक्त
27×17.5 26; 23	1–10	,,	1938	कुंजलाल द्वारा परिवर्धित
25×10 14; 47	1–3	,,	19 वीं श.	
26×16.5 26; 24	32–37	,,	19 वीं श.	
24.5×11.5 14; 34	1–8	,,	1825	लि. स्था. सिवाणा गढ़
15.5×10 13; 33	1–2	,,	18 वीं. श.	
19×12 16; 22	1–112	,,	18 वीं श.	
25.2×9 14; 47	1–81	,,	18 वीं श.	पत्र कीटविद्ध व जलासिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(1). ऐ. काव्य प. 128	24419	फुटकर ऐतिहासिक गीत-संग्रह	
129	22495 (11)	महाराजा प्रताप की बिरद-छिहत्तरी	दुरसा आढ़ा कविराजा
130	22732 (5)	माधोसिंहजी का कवित्त	माधोसिंह व कवि पद्माकर
131	22477 (1)	लावणी	त्रिलोकचन्द कविराय
132	22495 (12)	सिंघवीजी रो दुहो	
133	22495 (3)	सिंघवीजीसा रा कवित्त व दूहा	
5(2). काव्य 134	22495 (14)	कवित्त-संग्रह (ऐतिहासिक)	
135	22732 (6)	कवित्त-संग्रह	भूषण आदि
136	24457	कवित्तबंध राम-चरित्र	गोस्वामी तुलसीदास
137	24160 (1)	किशनजी रो ब्याहलो (विवाहलो)	
138	24489 (7)	कृष्ण-राधिकाजी रो बारह मासो	
139	22543 (1)	कृष्ण-रुक्मिणीजी री वेली-सटीक	पृथ्वीराज राठोड पुत्र कल्याणमल
140	22107 (3)	गुणराम-रासो	माधोदास धधवाड़िया

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×19.5 20; 23	1–131	पूर्ण	19 वीं श.	
19×29 22; 19	95–96	,,	19 वीं श	
26×16.5 26; 24	37–48	,,	19 वीं श.	
16.5×12.5 14; 18	1–2	,,	19 वीं श.	र. स्था. 1914 वि.
19×29 22; 19	97 वां	,,	19 वीं श.	
19×29 22; 19	83–84	,,	19 वीं श.	
19×29 22; 19	98–102	,,	19 वीं श.	र. का. 1955 वि.
26×16.5 26; 24	48–52	,,	19 वीं श.	
26×14 12; 28	56	,,	1936	लि. क. चन्दलाल लि. स्था. सुभट नगर
19.8×14.5 16; 23	6 ठा	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 15; 40	108–111	,,	1854	
14.5×9.5 9; 19	1–143	,,	1795	र. का. 1638 वि.; पत्र कीट-भक्षित व जलासिक्त
13.5×13 16; 17	67–207	,,	19 वीं श.	पत्र 99–103 व 199–202 रिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(2). काव्य 141	22467 (4)	जानकी-मंगल	
142	24168 (1)	जानकी-स्वयम्बर	
143	22547 (8)	नन्द-पच्चीसी	नन्दराम
144	22732 (10)	,,	नन्दराम खण्डेलवाल
145	22478 (2)	नागदमण	
146	22550 (1)	,,	
147	24157 (3)	,,	सांयाजी झूला
148	24161 (9)	,,	,
149	22157	पदमुक्तवली	नागरीदास
150	22133 (2)	बिहारी-सतसई	बिहारी कवि
151	23061 (1)	,,	,,
152	23974 (1)	,,	,,
153	24155	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12 17;19	7–12	पूर्ण	1943	
12.5×9 6;19	1–7	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
14.5×11 9;18	33–40	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित; र. का. 1748 लि. क. नन्दराम-खण्डेलवाल; लि. स्था. अम्बावती
26×16.5 26;24	63–65	,,	19 वीं श.	र. स्था. आमावती
21.5×15.5 16;25	14–22	,,	1857	पत्र जलसिक्त व किंचित त्रुटित। लि. क. ब्राह्मणगुमान; लि. स्था. राजपुर नगर
13.5×10.5 11;13	1–19	,,	1802	पत्र जलसिक्त व त्रुटित लि. क. दुलोचन्द
22×15 10;19	17–29	,,	1874	पत्र कीटविद्ध व जलसिक्त; लि. क. किसनचन्द
15×16 17;14	52–64	,,	1876	लि क. पण्डित रामचन्द्र
24.5×13.5 10;38	91	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 5 8, 9, 22, 22, 54, 81 83 85 व अंतिमांश पत्रांक 32 व 33 सम्मिलित; पत्र 39 की पुनरावृत्ति
19.5×22 21;29	26–43	पूर्ण	1803	लि. क. भैरूदास; लि. क. नागौर
13.5×14.5 17;24	12–41	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्र 1–11 अप्राप्त
23×11 10;24	70	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र 29; 53, 61, 62 वें अप्राप्त
22×24 32;41	33–44	,,	1827	ग्रंथ जीर्ण-शीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(2). काव्य 154	24164	बिहारी-सतसई	बिहारीलाल
155	24309	,,	,,
म 156	23546	बिहारी-सतसई-टीका अमरचन्द्रिका	टी० सूरतिराम
157	23936	,, सटीक	मू० बिहारी टी० नरराय
158	22037	अमर-बतीसी	
159	22561	रामचद्रिका	केशवदास
160	22584	,,	,,
161	22852	रामचरित मानस	गोस्वामी तुलसीदास
162	24462	रामचरित (राजस्थानी गद्य में)	
163	24463	रामचरित ,, (प्रथम भाग)	
164	24464 (1)	रामचरित ,, (द्वितीय भाग)	
165	22448	रामचरित मानस (राजस्थानी टीका) (अयोध्या काण्ड)	
166	22075	रामचरित्र	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×4 9;13	1-69	पूर्ण	1831	
25×11.2 15;35	20	,,	19 वीं. श.	
28.5×16.7 25;27	79	,,	1794	लि. क. भक्ति सागर
25.5 11 15;37	85	,,	1794	लि. क. सुभाणचंद गणि लि. क. आसाढ़
22×10.5 13;32	2	,,	1747	लि. स्था. जैतारण
31 19.5 13;10	334	,,	20 वीं श.	
23.7×17.5 18;16	179	,,	19 वीं. श	पत्र संख्या 167 के पश्चात् 4 पत्र रिक्त। लि. क. खूबराम; लि. स्था. अजबगढ़पुर
28.5×15 14;43	255	,,	1842	लि. का. नरसिंहदास; लि. स्था. मेदिनीपुर
28.5×20 20;21	7-198	अपूर्ण	1922	लि. क. कृष्णदत्त कल्ला; लि. स्था. जोधपुर; प्रारंभांश व 1-6 तक पत्र अप्राप्त
22.5×14.5 17;12	137	पूर्ण	19 वीं श.	
24×15 19;16	1-156	,,	19 वीं श.	
22×15 23;38	15	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 14;38	77	अपूर्ण	17 वीं श.	पत्र संख्या 72 दो बार; अप्राप्त पत्र संख्या 65, 75

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(2). काव्य 167	22078	रामयश-चरित्र	
168	22456 (2)	रामरासौ	माधोदास धधवाड़िया
169	22544 (11)	,,	,,
170	22769	,,	,,
171	23061 (2)	,,	माधोदास
172	24157 (4)	,,	,,
173	24417 (2)	,,	,,
174	22475 (1)	रामवनवास	तुलसीदास
175	22460 (14)	रामशकुनावली	,,
176	22504 (24)	रामायण (बालकाण्ड)	,,
177	23612	रुक्मिणीजी रो ब्यावलो	
178	22137	रुकमणी-मंगल	पद्म
179	22470	,,	विष्णुदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 16;36	31	अपूर्ण	18 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
25.5×13.5 21;18	68	पूर्ण	1792	स्वतंत्र पत्रांकन; लि.स्था. अहमदाबाद
20.5×15.5 19;21	1–62	"	1844	लि.क. अमरचन्द मुनि; लि.स्था. सारूंडा ग्राम
25.5×11 13;40	37	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त व त्रुटित; अंतिमांश अप्राप्त
13.5×14.5 17;24	1–35	"	18 वीं श.	पत्र त्रुटित व अंतिमाश अप्राप्त
22×15 10;19	29–142	पूर्ण	1874	पत्र कीट विद्ध व जलसिक्त; लि.क. किसनचन्द
26×21 25;29	1–35	"	1825	लि.का. रामचन्द्र; लि.स्था. जगततारण
14×11.5 15;18	1–2	"	19 वीं श.	
19×15 22;25	250–251	"	1876	
17.5×8.5 10;26	1037– 1050	"	1886	
31×13 14;36	16	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र व अंतिमांश अप्राप्त
24×17 24;21	421–460	"	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
15×10.5 8;16	29	पूर्ण	1912	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(2). काव्य 180	23596	रुक्मिणी-मंगल	पदमैया
181	22221	रुक्मिणी-स्वयम्बर	
182	22542 (19)	रुक्मिणी-हरण	दयाराम
183	23634	,,	
184	22454 (2)	विनय-पत्रिका	गोस्वामी तुलसीदास
185	22732 (11)	विरहमञ्जरी	नन्ददास
186	24324 (2)	वृन्दसतसई	
187	23095	श्रीरामाह्निक-चरित्र	
188	24335	शृंगार-संज्ञा	वृन्दकवि
189	23304	सवैया-बावनी (केशव बावनी)	केशवदास
190	22465 (1)	सीता-स्वयम्बर	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28.8 14 5 11; 45	78 वां	पूर्ण	1947	पत्र त्रुटित; लि.क. चतुर्भुज शर्मा
19×12 9; 20	6	,,	19 वी. श.	मराठी में।
12 5×11 5 7; 12	1–31	,,	19 वीं श	पत्र जीर्ण-शीर्ण व कीटभक्षित
25×11 14; 30	1–15	,,	1835	पत्र त्रटित व जलसिक्त; लि.क. दीपचन्द; लि.स्था. पोसालिया ग्राम
28×18 17; 15	1–15	,,	1909	लि.क. रामदीन तैली; लि.स्था. पुरानी बाजार
26×16.5 26; 24	65–71	,,	19 वीं श.	
25×11.5 14; 46	18	,,	1952	र.का. 1761; र.स्था. ढाका; लि.क. केसरीचन्द; लि.स्था. सूर्यपुर
31×15 14; 46	13	,,	1890	लि. क. वैष्णव ललितादास; लि.स्था. वृन्दावन; केशनिधान स्थल
22 5×11 16; 22	8	,,	1837	लि.क. प० दौलतराम; लि.स्था. मरोठकोट
22.5×10 14; 35	6	,,	19 वीं. श.	पत्र कीटभक्षित व जलसिक्त; लि.का. आत्माराम; लि.स्था. दहीपड़ा
12 5×15.5 11; 16	4	अपूर्ण	1783	पत्र कीटभक्षित; प्रारंभांश अप्राप्त; पत्रांकन विहीन; लि.क. नरसिंहदास;

क्रमांक एव विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(2). काव्य 191	22454 (3)	सूरविनय-पत्रिका	सूरदास
5(3) स्फु. का. 192	22532 (2)	अमल रा रंग	
193	22548 (20)	आषाढ़ से कार्तिक मास तक के स्फुट पद्य	
194	22732 (18)	कवित्त	
195	23063 (3)	"	पद्माकर
196	24454 (18)	कवित्त तथा कुण्डलिया	गिरधर कवि, नाथ तुरसी, रामचरण, जगन्नाथ, गंगकवि
197	22543 (2)	कवित्त-संग्रह कुण्डलिया आदि	
198	22554 (8)	"	उदैराज, जलाल, कील्ह, केशव रुघनाथ, सारंग आदि
199	22558 (22)	"	प्रोहित हरलाल
200	22570 (13)	"	
201	23066	"	
202	24159 (11)	"	
203	22214 (5)	कुण्डलियां	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28×18 17; 15	(?)	पूर्ण	1909	लि.क रामदीन तैली; लि.स्था. पुराना बाजार
15.5×9.5 11; 20	38–48	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र जलसिक्त; त्रुटित
10×12.5 13; 11	78–80	,,	1844	
26×16.5 26; 24	100–101	,,	19 वीं श.	जीर्ण;
17×11.5 17; 10	30–35	,,	19 वीं श.	
21.5×15.5 19; 17	(?)	,,	19 वीं श.	
14.5×9.5 9; 19	145–157	,,	18 वीं श.	
15.5×10 13; 33	17–27	,,	18 वीं श.	
25.5×17.5 19; 19	1	,,	1943	
20.2×12 25; 15	8 वां	,,	19 वीं श.	12 वीं रचना संस्कृत में है।
15.5×10 6; 19	120–121	,,	18 वीं श.	पत्र त्रुटित जीर्ण-शीर्ण; 9 वीं रचना संस्कृत में है।
18×13.5 14; 20	68 वां	,,	19 वीं श.	
25×13 11; 27	17 वां	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(3). स्फु. काव्य 204	22548 (2)	गीत (राग सोरठ)	
205	22386	गीत सपंखरो	
206	22558 (23)	गुरा विजै ब्याह	मुरारीदास बारहट
207	22467 (2)	गूढां (प्रहेलिका-संग्रह)	कविगद, मायाराम, तुलसी, राजीया, किसनिया
208	22558 (24)	घोड़ा भवर रा मरसिया	प्रोहित हरलाल व करणीदानजी
209	22548 (25)	चौथमाता रा कवित्त	
210	22554 (2)	छन्द-संग्रह	गोकुल कवि (गोकल कवि)
211	22554 (12)	,,	
212	22554 (6)	छन्द व गीत आदि संग्रह	उदैराज आदि
213	22460 (17)	जखड़ी	
214	22554 (4)	जसराज पर गीत	
215	22137 (3)	झगड़ा को प्रसंग	राघोदास
216	22558 (26)	दूहा संजोग श्रंगार रा देसज भाषा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×12.5 13;11	81 वां	पूर्ण	1844	
22×9 17;47	1	,,	19 वीं श.	
25.5×17.5 19;19	2 रा	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×12 17;19	4 था	पूर्ण	1943	
25.5×17.5 19;19	2 रा	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	2 रा	,,	19 वीं श.	
15.5×10 13;33	3 रा	,,	18 वीं श.	पत्र त्रुटित व जलसिक्त
15.5×10 13;33	41 वां	,,	18 वीं श.	
15.5×10 13;33	7 वां	,,	18 वीं श.	
19×15 22;25	257-259	,,	1876	
15.5×10 13;33	5 वां	,,	18 वीं. श.	
24×17 24;21	381-385	,,	19 वीं श.	जीर्ण
25.5×17.5 19;19	15-19	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(3)स्फुट. काव्य 217	24467 (1)	दोहा	किसनिया, नाथिया
218	22548 (45)	दोहा-संग्रह	हुकमीचन्द
219	22558 (25)	दोहा-संग्रह (प्रेम-पत्रीय)	
220	24159 (14)	दोहा-संग्रह (स्फुट)	
221	22547 (10)	दोहे व सातवार के दूहे	
222	24350 (4)	द्वादश मास-वर्णन	महाकविराज
223	22074 (26)	नवरत्न कवित्त	
224	22570 (15)	,,	
225	23525 (3)	निसांणी	
226	23525 (4)	पद-संग्रह	
227	22541 (1)	,,	
228	22570 (26)	,,	
229	22570 (28)	,,	

माप से मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12 17; 19	1–2	अपूर्ण	1943	माधोदास; लि.क. पूरणदास शिष्य माधोदास; लि.स्था. ग्राम थोब
10×12.5 13; 11	(?)	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
25.5 17.5 19; 19	3-14	,,	19 वीं श.	
18×13.5 14; 20	95 वां	,,	18 वीं श.	
14.5×11 9; 18	36–39	,,	1811	पत्र त्रुटित
24.8×11.8 13; 45	6–8	,,	19 वीं श	पत्र जलसिक्त तथा कीटविद्ध
25×11 15; 45	44–45	,,	1690	
20.2×12 25; 15	9-10	,,	19 वीं श.	
19.5×23 20; 29	38–40	,,	17 वीं श.	लि.क. हरदास; लि स्था. सखवाली सुयनेक
19.5×23 20; 29	41–42	,,	18 वीं श.	
15.5×9 6; 21	9	,,	20 वीं श.	जीर्ण; स्फुट पत्र एवं त्रुटित
20.2×12 25; 15	19–20	,,	19 वीं श.	
20.2×12 25; 15	21 वां	,,	19 वीं श	27 वीं कृति संस्कृत भाषा में है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
5(3).स्फु. काव्य 230	24160 (3)	पद-संग्रह	
231	22541 (6)	पहेलिका	
232	22570 (23)	फुटकर श्लोक	
233	22361	फूहड़रासो	
234	22474 (23)	बारहमासो	सुन्दरदास
235	23679	बींझा सोरठ रा दूहा	
236	22732 (13)	रसे कवित्त	
237	22132 (5)	रसखान के दोहे	रसखान
238	22102	रागपद-संग्रह	
239	22570 (21)	वैद्य, ज्योतिषी, वैष्णव, मुसलमान लछन की चौपाई	
240	22732	षटऋतु-वर्णन	
241	23691	सवैया	
242	23064 (1)	सवैया-छत्तीसा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19.5×14.5 16; 23	7 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
19.5×9 6; 21	192–196	,,	20 वी. श.	
20.2×12 25; 15	14 वां	,,	19 वीं श.	22 वीं कृति संस्कृत में है।
23×10,5 10; 19	9	,,	19 वीं. श.	
15×12.5 14; 18	133–135	,,	19 वीं श.	
25×10.5 14; 33	2	,,	18 वीं श.	
26×16.5 26; 24	73–82	,,	19 वीं श.	
14×13 12; 17	62–63	,,	1780	
20×12.5 11; 22	34	अपूर्ण	18 वीं श.	त्रुटित व कीटविद्ध; पत्र संख्या 1–3 व अंतिमांश अप्राप्त
20.2×12 25; 15	13 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
26×16.5 20; 24	71–72	,,	19 वीं. श.	जीर्ण
27×12.5 23; 61	3–17	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र संख्या 1–2
16×12.5 18; 28	1	अपूर्ण	18 वीं श.	स्फुटपत्र 1; पत्र त्रुटित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
5(3) स्फु. काव्य 243	22570 (1)	सवैया-संग्रह	
244	22570 (20)	,,	
245	24159 (5)	,,	पृथ्वीराज
246	23799 (2)	सात सहेली रा दूहा	
247	24350 (1)	हीर-रांझा री बत्तीसी	
248	24161 (7)	होली-वर्णन	
6. नी.शा. 249	24155 (1)	उपदेश के दोहे	जिनहर्ष
250	22836	चाणक्यनीति-भाषा	उम्मेदराम बारहट
251	22541 (5)	तमाखू की नसीहतें	कबीर, किशनदास पीपा, नानक
252	22133 (6)	नसीहत-नामा	
253	24322	,,	
254	22495 (5)	प्रश्नोत्तरी दोहे	
255	23627	प्रास्ताविक दूहा-संग्रह	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.2×12 25;15	5 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व जलसिक्त पत्र संख्या 1–4 अप्राप्त
20.2×12 25;15	12–13	पूर्ण	19 वीं श.	
18×13.5 14;20	32 वां	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 12;31	5 वां	,,	18 वीं श.	
24.8×11.8 13;45	1–4	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त व कीटविद्ध
15×16 17;14	34–36	,,	19 वीं श.	लि.क. भींवचन्द; लि.स्था. बावड़ी
22×24 32;41	1–2	अपूर्ण	19 वीं श.	
20.5×17 17;22	2–15	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त लि.क. गुलाब; लि.स्था. अजमेर
15.5×9 6;21	187–192	पूर्ण	20 वीं श.	
19.5×22 21;29	105–108	,,	1803	
24.7×11 15;34	3	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
19×29 22;19	85–87	,,	19 वीं श.	
25.2×10.5 17;44	6	,,	18 वीं श.	पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
6. नी.शा. म. 256	22793	भर्तृहरिशतकत्रय-भाषा	सवाई प्रतापसिंह
257	22131 (1)	भोजचरित्र	
258	22495	मरसिया	भावनादासजी
259	22133 (5)	राजनीति रा कवित्त	देवीदास
260	22214 (10)	लघुचाणक्य-भाषा	
261	24162 (3)	"	
262	24156 (42)	वृन्दकृत प्रास्ताविक	
263	23425	व्यवहारसार	कविनन्दन
264	22484 (2)	सज्जन भाव दूहा	
265	24162 (1)	सवा सौ सीख	
266	23771	सूक्तावली	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.5×15 22; 19	4–29	अपूर्ण	1890	र.का. 1852, र.स्था. जयपुर। लि.क. लक्ष्मण ब्राह्मण। लि.स्था. तिजा छावनी; पत्र संख्या 1–3 अप्राप्त
15.5×10.5 9; 22	14–20	पूर्ण	1912	पत्र जलसिक्त व कीट-भक्षित
19×29 22; 19	88	,,	19 वीं श.	
19.5×22 21; 29	91–105	,,	1803	
23.5×13.5 11; 24	24	,,	1844	पत्र जलसिक्त व कीटविद्ध; लि.क. पं. अमरसागर भाट; लि.स्था. देलवाड़ा नगर
15.2×12.2 14; 24	1–30	,,	9 वीं श.	
21×14 13; 24	21–25	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11 15; 45	16	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण, कीट-भक्षित
21×13 21; 19	52–53	,,	1956	लि.क. गुरां सागरचंद; लि.स्था. पीपलोदा
15.2×12.2 14; 24	1–4	,,	1904	
25.5×13.5 15; 26	12	,,	1931	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
6. नी.शा.			
267	24350 (2)	सूक्तियां	
7. भ.सा.			
268	22453 (10)	अंगदजी की परची	
269	22463 (7)	"	अनंतदास
270	22504 (23)	"	"
271	22140	अंतर्जामी प्रकाश स्वरूप	
272	22472 (5)	अकलि कौ अंग	जन सेवादास
273	22452 (9)	अगाधबोध	कबीरदास
274	22457 (2)	अजपाप्रकास	देवीदास
275	22137 (17)	अट्ठाईस दोष	जगन्नाथ
276	22106 (19)	अतीत फकीर-प्रसंग	
277	22474 (7)	अद्भुत-उपदेश	सुन्दरदास
278	22074 (17)	अध्यात्म-फाग	
279	22134 (5)	अनंतदासजी की वाणी	अनंतदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.8×11.8 13; 45	4-6	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त व कीटविद्ध
24×16.5 27; 16	69–73	,,	19 वीं श.	
15×12 12; 19	223–234	,,	1895	
17.5×8.5 10; 26	1030–1037	,,	1886	
32.5×16.5 12; 33	165	अपूर्ण	1901	59 वां पत्र अप्राप्त
14×11 18; 14	12–13	पूर्ण	1846	पत्र त्रुटित
26×13 35; 26	215 वां	,,	1844	पत्र त्रुटित; लि.स्था. पोकरण
16.5×16 10; 9	59–163	,,	19 वीं श.	
24×17 24; 21	90 वां	,,	19 वीं श.	
22×15 21; 18	373 वां	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	56–62	,,	19 वीं श.	
25×11 15; 45	39 वां	,,	1690	
16.5×19.5 29; 20	206	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
280	24429 (8)	अभयसार	
281	22134 (23)	अमरबोध	रामदास
282	24417 (12)	अर्जुनदासजी महाराज की वाणी	अर्जुन
283	24429 (6)	अव्वलि-कलमा	
284	22459 (9)	अवलि श्लोक	गोरखनाथ
285	24447 (8)	अष्टक	रामदास
286	22843 (5)	अष्टक-संग्रह	सुन्दरदास
287	24429 (22)	अष्टचक्र	गोरखनाथ
288	22074 (51)	अष्टपदी	
289	22458 (4)	आगम-व्यवहार	धर्मदास शिष्य कबीरदास
290	22493 (7)	आत्म-बोध	सुखराम
291	22474 (24)	आयुर्वल-भेदात्म-विचार	सुन्दरदास
292	22557 (5)	आरती	कबीर

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×16 35; 32	(?)	पूर्ण	18 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	525–527	,,	19 वीं श.	
15.5×8.5 8; 19	163–171	,,	1952	
27×16 35; 32	122–124	,,	18 वीं श.	जीर्ण
16.5×10.5 20; 19	201–202	,,	19 वीं श.	जीर्ण
15.5×8.5 8; 19	119–121	,,	1952	
14×9 10; 23	477–535	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	135 वां	,,	18 वीं श.	
25×11 15; 45	65 वां	,,	1690	
20.5×15 17; 17	112–128	,,	1854	जीर्ण; कबीर व धर्मदास के मध्य संवाद ।
13×18 21; 16	15–18	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	135–137	,,	19 वीं श.	
12.5×21 21; 17	220–222	,,	1870	जीर्ण, लि.क. ब्राह्मण सनावड़(?); लि.स्था. मारवाड़

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 293	22476 (7)	आरती-संग्रह	कबीरदास, गरीबदास, गोरखनाथ, जन सेवादास, नामदेव, जन हरिदास, नूर, कल्याणदास, सुखदेव, जन तुरसी
प. 294	22541 (9)	"	
295	22458 (5)	आरतीसार	
296	22558 (15)	इश्क-चमन	नागरीदास
297	22474 (6)	उक्तिअनूप	सुन्दरदास
298	22474 (10)	उत्पत्ति निशानी	"
299	22474 (35)	उपदेश चिन्तावनी कौ अंग	रज्जब
300	22474 (14)	उपदेश-ज्ञानाष्टक	सुन्दरदास
301	24429 (21)	कंथड़-बोध	गोरखनाथ
302	22540 (7)	ककाबत्तीसी	फकीरदास
303	22479 (3)	कड़खा	जनहरिदास
304	22132 (3)	कपिलदेव री लीला	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×9.5 10; 16	96–110	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×9 6; 21	257–263	,,	20 वीं श.	
20.5×15 17; 17	129–152	,,	1854	जीर्ण; पत्र त्रुटित व परस्पर चिपके हुए; लि.क. पीताम्बरदास; लि.स्था. पीपलिया ग्राम
25.5×17.5 19; 19	15–17	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	54–56	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	71–73	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	186–187	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
15×12.5 14; 18	89–92	पूर्ण	19 वीं श.	
27×16 35; 32	134–135	,,	18 वीं श	जीर्ण
17×10.5 10; 27	315–317	,,	19 वीं श.	पत्र कीट-भक्षित व त्रुटित
14.5×20.5 23; 19	131–135	,,	1888	
14×13 12; 17	57–61	,,	1780	कपिलदेव एवं माता देवहूती का संवाद; लि.क. अजबा बागड़ी; लि.स्था. बीकानेर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 305	22474 (5)	कबीर और रैदास का संवाद	
306	22476 (3)	कबीर का रेखता	कबीरदास
307	22461 (5)	कबीर की जन्म-पत्रिका	
308	22106 (11)	कबीरजी की परची	
309	22134 (7)	,,	अनंतदास
310	22453 (3)	,,	
311	22459 (31)	,,	
312	22460 (10)	,,	
313	22463 (14)	,,	अनंतदास
314	22472 (13)	,,	,,
315	22504 (20)	,,	,,
316	22464 (18)	,,	,,
317	24172 (8)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12 18; 14	81–87	अपूर्ण	1841	पत्र संख्या 84 वां अप्राप्त
12.5×9.5 10; 16	59–63	पूर्ण	19 वीं श.	
19×10 22; 14	155–169	"	1832	लि.क. भगवतीदास; लि.स्था. ग्राम सतलाणा
22×15 21; 18	274–286	"	19 वीं. श.	
16.5×19.5 29; 20	212–224	"	19 वीं श.	
24×16.5 27; 16	36–44	"	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	456–467	"	19 वीं श.	
19×15 22; 25	214–228	"	1876	पत्र कीट-भक्षित
15×12 12; 19	275–297	"	1895	
14×11 18; 14	51–68	"	1841	
17.5×8.5 10; 26	960–978	"	1886	
16×11 20; 18	424–436	"	1825	
10×6.5 6; 17	335–398	"	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा			
318	22460 (1)	कबीरजी की फुटकर वाणी	
319	22165 (1)	कबीरजी की बत्तीसी	
320	24165 (11)	कबीरजी की महिमा	
321	22459 (32)	कबीरजी की रमैणी	कबीरदास
322	24429 (29)	,,	,,
323	22134 (2)	कबीरजी की वाणी	,,
324	22452 (7)	,,	,,
325	22459 (1)	,,	
326	22461 (1)	,,	
327	22464 (14)	,,	,,
328	22464 (16)	कबीर की वाणी	,,
329	22468 (2)	,,	,,
330	22481 (1)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×15 22; 25	1–55	पूर्ण	1876	
14.5×9 10; 16	1–5	,,	19 वीं श.	
14.5×9 10; 16	23-24	,,	20 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	467–468	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; अंतिमांश अप्राप्त
27×16 35; 32	264–271	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण
16.5×19.5 29; 20	101–169	,,	19 वीं श.	
26×13 35; 26	173–280	,,	1844	
16.5×10.5 20; 19	1–102	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र जीर्ण-शीर्ण; पत्र संख्या 2–27 अप्राप्त
19×10 22; 14	1–101	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित लि.क. भगवतीदास; लि. स्था. ग्राम सतलाना
16×11 20; 18	271–352	,,	1825	जीर्ण; पत्र त्रुटित
16×11 20; 18	357–422	,,	1825	जीर्ण; पत्र त्रुटित
17×13 11; 17	35-67	,,	19 वीं श.	
15.5×10 9; 16	1–175	,,	19 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.अ.सा. 331	22493 (17)	कबीरजी की वाणी	कबीरदास
332	22843 (18)	"	"
333	23919 (12)	"	"
334	24166 (2)	"	"
335	24170 (3)	"	"
336	24428 (3)	"	"
337	22105 (8)	कबीरजी की साखी	"
338	22106 (3)	"	"
339	22449 (3)	"	
340	22463 (32)	"	
341	22504 (22)	"	"
342	24429 (30)	"	"
343	24470 (8)	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×18 21; 16	91–104	पूर्ण	19 वीं श.	
14×9 10; 23	536–602	"	19 वीं श.	जीर्ण
11×7.5 4; 11	433–441	"	19 वीं श.	जीर्ण
12×10 11; 18	119–121	"	19 वीं श.	जीर्ण
13×9 10; 14	45–61	"	19 वीं श.	
21×13 11; 20	53–56	"	19 वीं श.	पत्र संख्या–52 वां रिक्त
11×8.5 7; 16	83–250	"	19 वीं श.	जीर्ण
20×15 21; 18	146–210	"	1831	जीर्ण; लि.क. किशनदास
14.5×9.5 11; 21	4–38	"	19 वीं श.	
15×12 12; 19	496–518	"	1896	
17.5×8.5 10; 26	982–1030	"	1886	
27×16 35; 32	190–223	"	18 वीं श.	अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण
12×7.5 7; 14	37–42	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 344	22134 (34)	कबीरजी के दोहे	कबीरदास
345	22496 (3)	कबीरजी के पद	,,
346	22843 (19)	,,	,,
347	24429 (31)	,,	,,
348	24429 (35)	,,	,,
349	24429 (32)	कबीरजी के फुटकर पद	,,
350	24447 (15)	कबीरजी को अकल को अंग तथा उपदेश को अंग	,,
351	23062 (1)	करुणा-बत्तीसी	माधोराम
352	24447 (6)	करुणा-सागर	द्यालबाल
353	24454 (11)	,,	,,
354	24465 (3)	,,	,,
355	22460 (21)	कर्मविपाक	
356	24454 (17)	कर्मविपाक-गीता	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29;20	551 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×8.5 8;20	90–98	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिम पद अपूर्ण
14×9 10;23	602-697	,,	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण; अन्तिमांश अप्राप्त
27×16 35;32	223–258	पूर्ण	1779	ग्रन्थ दुर्दशा में; लि.क.ऋषभदास
27×16 35;32	271–273	,,	18 वीं. श.	जीर्ण
27×16 35;32	258–262	,,	18 वीं श.	
15.5×8.5 8;19	196–199	,,	1952	
15×11 10;21	15–20	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र कीट-भक्षित; पत्र संख्या 1–14 अप्राप्त
15.5×8.5 8;19	97–115	पूर्ण	1952	
21.5×15.5 19;17	103–112	,,	19 वीं श.	
17×12 12;25	30–39	,,	19 वीं श.	
19×15 22;25	266–268	,,	1876	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
21.5×15.5 19;17	152–155	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
357	24429 (1)	कल्याणदासजी की वाणी	कल्याणदास
358	22459 (20)	कवित्त	जन हरिदास, मूरारिदास, आनन्ददास, जगन्नाथ
359	22472 (35)	,,	कबीर
360	22479 (5)	,,	जन हरिदास
361	22481 (2)	,,	,,
362	22490 (2)	,,	,,
363	22502 (7)	,,	जगन्नाथ
364	22732 (16)	,,	केशोदास
365	24447 (9)	,, (पद)	जन रामदास
366	24454 (6)	,,	मीरां
367	24454 (10)	,,	रामदास
368	22452 (23)	कवित्त-संग्रह	कबीर, जन हरिदास, आनन्ददास
369	22732 (15)	,,	तुलसीदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×16 35;32	1–96	पूर्ण	1779	लि.स्था. सांगानेर
16.5×10.5 20;19	242–243	"	19 वीं श.	
14×11 18;14	144 वां	"	1846	लि.स्था. मेड़ता
14.5×20.5 19;23	136–139	"	1888	
15.5×10 9;16	175–181	"	19 वीं श.	
10.5×7.5 6;10	286–288	"	19 वीं श.	
15.5×10 10;20	546 वां	"	19 वीं श.	
26×16.5 26;24	97 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	12 वीं रचना संस्कृत भाषा में है।
15.5×8.5 8;19	121–141	पूर्ण	1952	
21.5×15.5 19;17	87 वां	"	19 वीं श.	
21.5×15.5 19;17	101–103	"	19 वीं श.	
26×13 35;26	365 वां	"	1844	लि.क. बैष्णव संतोषदास निरंजनी। लि.स्था. पोकरण
26×16.5 26;24	91–97	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 370	22732 (22)	कवित्त-सवैया	
371	24429 (5)	काफिर-बोध	
372	24446 (5)	कायानगर कौ कागद	
373	24454 (16)	,,	वल्लभदास निरंजनी
374	22472 (32)	कायाबेली	दादूदास
375	24161 (6)	किशन-बत्तीसी	
376	24165 (8)	किशोरजी को दण्डक	सूरदास
377	23695	किमियाशादत-ग्रन्थ	
378	22137 (42)	कुण्डलियां	राघोदास, जन रामचरणदास
379	22467 (15)	,,	संग्रामदास, कबीरदास, दीन
380	22481 (3)	,,	जन हरिदास
381	22501 (5)	,,	रामचरणदास
382	22498 (3)	कुण्डलियां एवं पद	मयाराम

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×16.5 26;24	103–105	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
27×16 35;32	121–122	,,	18 वीं श.	
12.5×81 8;20	177–188	,,	19 वीं श.	र. का. 1931 वि०
21.5×15.5 19;17	148–152	,,	19 वीं श.	र. का. 1949 वि०
14×11 18;14	135–139	,,	1846	पत्र कीटविद्ध
15×16 17;14	26–34	,,	19 वीं श.	
14 5×9 10;16	5–7	,,	19 वीं श.	
30.5×15.7 14;40	1–9	,,	18 वीं श.	जीर्ण
24×17 24;21	399-400	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व लेख अस्पष्ट
15×12 17;19	38–39	,,	1943	
15.5×10 9;16	181–221	,,	19 वीं श.	
16.5×8 8;24	809–857	,,	19 वीं श.	
12 5×10.5 14;22	393–398	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा 383	22557 (4)	कूरमावली	कबीर
म. 384	22592	कृष्णलीला	रानी बांकावती पुत्री राजा राजसिंह
385	22460 (20)	खेमजी की चिन्तावणी	खेमदास
386	22463 (21)	,,	,,
387	22137 (26)	गग्गर (घग्गर) निसांणी	हरिरामदास
388	24467 (2)	ग्रन्थ-चिन्तावणी	रामचरणदास
389	22474 (12)	ग्रन्थ-बावनी	सुन्दरदास
390	22134 (21)	गर्भ-चिन्तावणी	रामदास
391	22137 (16)	,,	,,
392	22493 (28)	,,	रामचरणदास
393	22501 (7)	,,	,,
394	24172 (4)	,,	रामदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×10.5 21; 17	194–199	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या–200–219 अप्राप्त
25.5×18.5 19; 21	1–110	अपूर्ण	19 वीं श.	ग्रन्थ अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण दशा में; अन्तिमांश अप्राप्त; महत्वपूर्ण ग्रंथ; र. का. 1849 विक्रमी; र.स्था. रूपनगर (कृष्णगढ़)
		,,		
19×15 22; 25	264–266	पूर्ण	1876	पत्र कीटविद्ध
15×12 12; 19	394–398	,,	1885	
24×17 24; 21	104–106	,,	19 वीं श.	
13.5×11 10; 17	16–40	,,	19 वीं श.	
15.5×12.5 14; 18	75–82	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	512–521	,,	19 वीं श.	
24×17 29; 20	86–90	,,	19 वीं श.	जीर्ण-शीर्ण
13×18 21; 16	112–119	,,	19 वीं श.	
16.5×8 8; 24	866-880	,,	19 वीं श.	
10×6.5 6; 17	227–256	,,	19 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 395	24443 (8)	गर्भ-चिन्तावणी	रामदास
396	24465 (11)	"	रामचरणदास
397	22558 (9)	ग्रीष्म-विहार	नागरीदास
398	22474 (34)	गुणगम्भीरयोग-ग्रन्थ	वाजीन्द
399	22535 (4)	गुणगजनामो	जगन्नाथ
400	22107 (4)	गुणहरिरस	ईसरदास बारहट
401	22214 (6)	"	"
402	22456 (1)	"	"
403	22465 (8)	"	"
404	22550 (10)	"	"
405	24140	"	"
406	24157 (2)	"	"
407	24159 (10)	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×8.3 6;11	193-224	पूर्ण	19 वीं श.	
17×12 12;25	64-77	,,	19 वीं श.	
25. ×17.5 19;19	7-8	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14;18	184-186	,,	19 वीं. श.	
20.5×14 23;17	220-432	अपूर्ण	19 वीं श.	
13.5×3 16;17	208-227	पूर्ण	18 वीं श.	
23.5×13.5 11;24	18-20	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×13.5 21;18	2-11	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त; पत्र जलसिक्त व त्रुठित
12.5×15.5 11;16	88-99	पूर्ण	1780	लि.क. पं० नानगदास; लि.स्था. आणन्दपुर
13.5×10.5 11;13	1-23	,,	1802	अन्य रचनाएं संस्कृत भाषा में हैं
22.5×10.5 13;32	1-12	,,	1852	लि.क. पं० जीतविजय
22×15 10;19	1-16	,,	1874	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध व जलसिक्त। लि.क. कृष्णचन्द्र। लि.स्था. भांडवला
18×13.5 14;20	53-68	,,	1859	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 408	24161 (8)	गुणहरिरस	ईसरदास बारहट
409	22452 (20)	गुणादिबोध जोग-ग्रन्थ	"
410	22472 (34)	गुणादिबोध ग्रन्थ	ध्यानदास
411	22443 (16)	गुप्तरामजी महाराज की वाणी	गुप्तराम
412	22463 (3)	गुरु उपदेश महिमा जोग-ग्रन्थ	पोकरदास
413	22474 (13)	गुरुदयाषट्पदी	सुन्दरदास
414	22843 (4)	"	चेतनदास
415	22472 (1)	गुरुदेव को अंग	कबीरदास
416	22493 (1)	"	संतदास
417	22453 (21)	गुरुमन्त्र जोग-ग्रन्थ	
418	22472 (43)	"	जन सेवादास
419	22463 (22)	"	"
420	22134 (31)	गुरुमहिमा	जगन्नाथ

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×16 17; 14	37–52	पूर्ण	1876	
26×13 35; 26	363–364	"	1844	लि.क. वैष्णव संतोषदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
14×11 18; 14	142–144	"	1846	पत्र कीटविद्ध
13×8.3 6; 11	335–355	"	19 वीं श.	
15×12 12; 19	185–191	"	1895	
15×12.5 14; 18	82–89	"	19 वीं श.	
14×9 10; 13	476–477	"	19 वीं श.	
14×11 18; 14	1–2	अपूर्ण	1846	जीर्ण; पत्र त्रुटित
13×18 21; 26	1–4	पूर्ण	19 वीं श.	पत्रों के चारों ओर सुन्दर विभिन्न रंगों में बॉडर।
24×16.5 27; 16	123–124	"	19 वीं श.	
14×11 18; 14	5–8	"	1846	पत्रांक-विहीन
15×12 12; 19	398–402	"	1895	
16.5×19.5 29; 20	538–540	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा.			
421	22137 (12)	गुरुमहिमा	संत त्यागीराम
422	22137 (15)	"	रामदास
423	22263 (3)	"	रामचरणदास
424	22465 (11)	"	"
425	22475 (21)	"	"
426	22486 (3)	"	जगन्नाथ
427	22492 (1)	"	रामचरणदास
428	22493 (31)	"	सुखदेव
429	22493 (18)	"	प्रेमदास
430	22493 (19)	"	रामचरणदास
431	22493 (20)	"	जगन्नाथ
432	22545 (3)	"	रामचरणदास
433	23311 (2)	"	जगन्नाथ, शिष्य तुलसीदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षरप्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×17 24;21	79 वां	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण
24×17 24;17	82–85	,,	19 वीं श.	
13.5×9.5 12;23	28–30	,,	19 वीं श.	
12.5×15.5 11;16	111–112	,,	1780	पत्र त्रुटित
14×11.5 15;18	68–70	,,	1947	
11.5×8.5 7;13	20–36	,,	19 वीं श.	
8×6 6;13	2–9	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र रिक्त
13×18 21;16	121 वां	,,	19 वीं श.	
13×18 21;16	104–106	,,	19 वीं श.	
13×18 21;16	106 वां	,,	19 वीं श.	
13×18 21;16	108–109	,,	19 वीं श.	
16×9 10;27	12–14	,,	19 वीं श.	
20.5×10.5 10;23	1–6	,,	18 वीं श.	प्रथम रचना संस्कृत में है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
9. भ. सा.			
434	24465 (10)	गुरुमहिमा	रामचरणदास
435	22481 (6)	गुरुमंत्र जोग-ग्रंथ	जनसेवादास
436	24449 (1)	गुरु-गीता	
437	22134 (27)	गुरु-शिष्य-संवाद	
438	23919 (1)	गुरु-संप्रदाय	सुन्दरदास
439	22493 (2)	गुरु-समर्थाई,कौ ग्रंग	संतदास
440	23919 (1)	गुरु-स्तुति	
441	24452 (8)	गुप्तरामजी महाराज की वाणी	
442	22134 (270)	गृह कूप कौ प्रसंग	
443	22474 (16)	गृहवैराग्य-बोध	सुन्दरदास
444	24454 (15)	गोपीचन्द की कथा	
445	24446 (6)	,,	महिपत
446	22460 (19)	गोपीचन्द की सबदी	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×12 12;25	60-64	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×10 9;16	277-283	,,	19 वीं श.	
14.5×9.5 9;15	1-4	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	698-699	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14;18	65-71	,,	19 वीं. श.	
13×18 21;16	4 था	,,	19 वीं श.	
11×7.5 4;11	1-2	,,	19 वीं श.	
12×6.5 5;16	81-91	,,	1941	
16.5×19.5 29;20	697-698	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14;18	109-111	,,	19 वीं श.	
21.5×15.5 19;17	136-148	,,	19 वीं श.	
12.5×8 8;20	188-207	,,	19 वीं श.	
19×15 22;25	261-265	,,	1876	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 447	22541 (4)	गोपीचन्द के गीत	गोपीचन्द
448	22472 (25)	गोपीचन्द की महिमा के पद	
449	22558 (11)	गोपी वैन-विलास	
450	22137 (51)	गोरखनाथजी व कबीरजी को संवाद	जनगोरख
451	22459 (5)	गोरख-गणेश गोष्ठि	गोरखनाथ
452	24464 (5)	गोरख-गणेश-संवाद	,,
453	24429 (2)	,,	,,
454	22132 (12)	गोरख-बोध	
455	22459 (3)	,,	
456	22472 (16)	,,	गोरखनाथ
457	22074 (43)	गोरखनाथ-वचन	,,
458	22452 (33)	गोरखनाथजी का व्रत	,,
459	22464 (6)	गोरख-वाणी	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×9 6;21	171–187	पूर्ण	20 वीं श.	
14×11 18;14	123–125	,,	1846	पत्र कीटविद्ध
25.5×17.5 19;19	9–12	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	418–419	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
16.5×10.5 20;19	192–195	,,	19 वीं श.	
16×11 20;18	237–239	,,	1825	पत्र त्रुटित
27×16 35;32	96-117	,,	18 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण
14×13 12;17	124–128	,,	1780	पत्र कीट-भक्षित; पत्र संख्या 110–123 तक संस्कृत की कृतियां
16.5×10.5 20;19	178–187	,,	19 वीं श.	186 वां पत्र दो बार; गोरखनाथ व मत्स्येन्द्रनाथ के बीच संवाद
14×11 18;14	87–98	,,	1841	
25×11 15;14	53 वां	,,	1690	
26×13 35;26	558 वां	,,	1844	लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
16×11 20;18	239–242	,,	1825	पत्र त्रुटित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 460	24429 (40)	गोरखनाथजी का पद	गोरखनाथ
461	22494 (4)	गोरखनाथजो के पद	"
462	24429 (16)	गोरखनाथजी रा पद	"
463	22546 (19)	गोवर्द्धन रूप-वर्णन	
464	22558 (5)	गोर्द्धन-विलास	नागरीदास
465	24163 (1)	गोविन्द स्वामी के दो सौ बावन पदों की टीका	
466	22134 (274)	गोस्वामी तुलसीदासजी की छुटकर साखियां	गोस्वामी तुलसीदास
467	22137 (19)	चान्द्रायणा	राघोदास
468	22452 (4)	"	
469	22452 (18)	"	मू० दयालदास, सं० क० हरिदास
470	22481 (4)	"	जन हरिदास
471	22545 (9)	"	मयाराम
472	22542 (2)	चातुरी	दयाराम

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×16 35;32	296 वां	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण
15×17 18;21	181–191	,,	1852	लि.क. साधु सहजराम; लि.स्था. कोलीया ग्राम
27×16 35;32	128–133	,,	18 वीं श.	जीर्ण
15.5×16 14;22	155 वां	अपूर्ण	1871	आद्यन्त अप्राप्त
25.5×17.5 19;19	4 था	पूर्ण	19 वीं श.	
15.7×12.5 15;14	8–62	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र सं. 1–7 व 9–13 अप्राप्त
16.5×19.5 29;20	705–709	पूर्ण	19 वीं श.	
24×17 24;21	91–95	,,	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण
26×13 35;26	121–124	,,	1844	लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
26×13 35;26	352–355	,,	1844	पत्र त्रुटित लि.क. वैष्णव सन्तोषदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
15.5×10 9;16	221–237	,,	19 वीं श.	
16×9 10;27	44–48	,,	19 वीं श.	
12.5×11.5 7;12	32–39	,,	19 वीं. श.	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा 473	22134 (32)	चितावणी	रामचरण
474	22263 (5)	,,	
475	22452 (30)	,,	पीपाजी
476	22492 (4)	,,	रामचरणदास
477	22482 (5)	,,	सुन्दरदास
478	22545 (5)	,,	रामचरण
479	22545 (5)	चितावणी को अंग	चेतनदास
480	24467 (3)	,,	कबीरदास
481	22499 (1)	चिन्तामणि जोग-ग्रथ	रामचरणदास
482	22106 (16)	,,	
483	22463 (24)	,,	
484	22482 (8)	चिन्तावणी-बोध	सूरतराम
म. 485	22498 (1)	चेतनदासजी की वाणी	मयाराम

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29;20	540–546	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×9.5 12;23	39–51	"	19 वीं श.	
26×13 35;26	551–552	"	1844	लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
8×6 6;13	37–67	"	19 वीं श.	
15×10 7;14	187–191	"	19 वीं. श.	पत्र जलसिक्त
16×9 10;27	23–36	"	19 वीं श.	
16×9 10;27	39–41	"	19 वीं श.	
13.5×11 10;17	40–49	"	19 वीं श.	लि.क. साधु परतीतराम
15.5×11 12;25	1–10	"	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र जलसिक्त
22×15 21;18	330–335	"	19 वीं श.	
15×12 12;19	408–415	"	1895	
15×10 7;14	204–209	"	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त व परस्पर चिपके हुए ।
12.5×10.5 14;22	1–182	"	1834	रचनाकालीन प्रति; र.का. 1834; र.स्था. कोटा। लि.क. मयाराम। लि.स्था. बून्दी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
486	22540 (4)	चेतनदासजी की वाणी	
487	22137 (18)	चेतावणी	रामदास
488	22105 (2)	चौदह पदई योग-ग्रन्थ	
489	22475 (11)	चौबीस-नाम	अग्रदास
490	22459 (7)	चौबीस-सिद्धि	गोरखनाथ
491	24446 (4)	चौरासी-बोध	जगन्नाथ
492	22463 (34)	चौरासी-बोल	,,
493	24454 (12)	,,	,,
494	24468 (3)	,,	,,
495	24469 (4)	,,	,,
496	22492 (12)	चौरासी-शुभाशुभ	,,
497	22472 (28)	झाजूजी को पद	
498	22134 (278)	छुटकर कवित्त	परसराम

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×10.5 10;27	69–235	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1–68 अप्राप्त
24×17 24;21	91 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
11×8.5 7;16	9–20	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
14×11.5 15;18	44 वां	,,	19 वीं श.	
16.5×10.5 20;19	198–199	,,	19 वीं श.	
12.5×8 8;20	173–177	,,	19 वीं श.	
15×12 12;19	526–528	,,	19 वीं श.	
21.5×15.5 19;17	112–114	,,	19 वीं श.	
11.5×8.5 7;11	81–88	,,	1934	
12.5×8.8 6;11	46–57	,,	1955	
8×6 6;13	178–186	,,	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध
14×11 18;14	127 वां	,,	1846	
16.5×19.5 29;20	844–851	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त व परस्पर चिपके हुए।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 499	24454 (2)	छुटकर कवित्त	रामदास ग्वालबाल, जनराम
प. 500	24444	,, पद	
501	22134 (277)	,, शब्द	परसराम
502	24440 (4)	,, सवैया	तुरसीदास
503	24467 (1)	,, साखियां	जन हरिराम
504	22472 (19)	जखड़ी	छीतमजी
505	22452 (31)	जगजीवनदासजी की वाणी	
506	22459 (27)	,,	
507	22497 (3)	जगन्नाथ की चोरासी	
508	22453 (14)	जड़भरथ-चरित	
509	24463 (18)	,,	जन गोपाल
510	22504 (4)	,,	
511	22137 (4)	जननिर्मल के पद	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.5×15.5 19; 17	60–71	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×6.5 (?)	1–274	,,	1933	लि.क. परतीतराम। लि.स्था. मोती चौक, रामद्वारा, जोधपुर
16.5×19.5 29; 20	829–844	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त व परस्पर; चिपके हुए।
10.5×7 5; 13	41–43	,,	1930	
13.5×11 10; 17	1–16	,,	19 वीं श.	
14×11 18; 14	104–106	,,	1841	
26×13 35; 26	552–558	,,	1844	पत्र त्रुटित; लि.क. साधु शोभाराम। लि.स्था. पोकरण
16.5×10.5 20; 19	383–393	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
15.5×10.5 18; 12	235–238	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27; 16	91–95	,,	19 वीं श.	
15×12 12; 19	359–368	,,	1895	
17.5×8.5 10; 26	440–450	,,	19 वीं. श.	
24×17 24; 21	56–58	,,	19 वीं श.	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
512	24429 (42)	जन मनोहरदास के पद	
513	24429 (44)	,, स्फुट पद	जनमनोहरदास
514	24429 (41)	,, वाणी	
515	22473 (1)	जन हरिदास की वाणी व जोग-ग्रन्थ	जन हरिदास
516	22479 (6)	,,	,,
517	22504 (18)	,,	,,
518	22533 (1)	,,	,,
519	22172 (5)	जमफारगति	रामदास
520	23919 (4)	जैमलदासजी के पद	जैमलदास
521	24443 (4)	,,	,,
522	24447 (2)	,,	,,
523	24452 (2)	,, स्फुट पद	,,
524	24449 (2)	जैमलदासजी का स्फुट हरजप	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×16 35;32	317–318	पूर्ण	18 वीं श.	
27×16 35;32	326–332	,,	18 वीं श.	ग्रन्थ अत्यन्त दुर्दशा में; अन्त के पत्र त्रुटित
27×16 35;32	297–316	,,	18 वीं श.	
9×14.5 12;20	1–267	,,	1868	पत्र त्रुटित; लि.क.साधुरामप्रताप; लि.स्था. मूंडवा
14.5×20.5 23;19	139 वां	,,	1888	
17.5×8.5 10;26	887–894	,,	1886	
16×10.5 10;19	8–77	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1–7 व 14 व 16–22 अप्राप्त
10×6.5 6;17	282–302	पूर्ण	19 वीं श.	
11×7.5 4;11	22–50	,,	19 वीं श.	
13×8.5 6;11	19–28	,,	19 वीं श.	
15.5×8.5 8;19	5–9	,,	1952	
12×6.5 5;16	5–9	,,	1941	
14.5×9.5 11;21	1–3	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 525	24465 (1)	जैमलदासजी का छुटकर पद	
526	24465 (9)	जैमलदासजी की रामरक्षा	
527	24459 (3)	जागरण-महात्म्म	चरणदास
528	23077	जाजूराम की वाणी	जाजूराम
529	22556 (1)	जानराई-लीला	माधोदास
530	22492 (9)	जिन्द-पारख्या	रामचरणदास
531	22558 (3)	जुगलरस-माधुरी	नागरीदास
532	22452 (10)	जोग-ग्रन्थ	कबीरदास
533	22134 (28)	झूलणा	रामदास
534	22137 (39)	"	सेवकराम
535	22196 (1)	"	ब्रह्मानंद
536	22505 (5)	"	रामजन
537	24440 (10)	"	साईदीन

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×12 12;25	1–7	पूर्ण	19 वीं श.	
17×12 12;25	59–60	,,	19 वीं श.	
24.5 12.3 11;27	102–108	,,	19 वीं श.	
25×12 11;32	1–135	,,	19 वीं श.	
14.5×12 10;15	1–11	,,	1681	
8×6 6;13	135–149	,,	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध
25.5×17.5 19;19	2–3	,,	19 वीं श.	
26×13 35;26	215–216	,,	1844	
16.5×19.5 29;20	532 वां	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	394–396	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
16×10 16;12	1–3	,,	19 वीं श.	लि.क. साधू विष्णु जीवनदास
19×11.5 9;23	72–83	,,	19 वीं श.	
10.5×7 6;13	143–147	,,	1930	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
538	24447 (14)	झूलणा	सेवक राम
539	22459 (8)	ज्ञानतिलक	गोरखनाथ
540	24429 (15)	,,	,,
541	22493 (5)	ज्ञानदीपक	जन सुखदास
542	24156 (41)	ज्ञान-पचीसी	नरसी
543	22241	ज्ञान-प्रकाश	धर्मदास
544	22504 (16)	ज्ञान-बत्तीसी	
545	22545 (8)	,,	मयाराम
546	22493 (5)	ज्ञान-बोध	जनसुखदास
547	22860	ज्ञान-मंजरी	मनोहरदास निरंजनी
548	24165 (4)	ज्ञान-माला	शम्भुनाथ
549	24429 (20)	,,	गोरखनाथ
550	22137 (22)	ज्ञान-लीला	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×8.5 8; 19	187–196	पूर्ण	1952	
16.5×10.5 20; 19	195–198	,,	19 वीं श.	
27×16. 35; 32	127–128	,,	18 वीं श.	
13×18 21; 16	10–11	,,	19 वीं श.	
21×14 31; 24	20–21	,,	19 वीं श.	
18×14 13; 12	1–79	अपूर्ण	1914	पत्र संख्या 68–71 अप्राप्त; लि क. भगवानदास; लि.स्था. बड़ौदा
17.5×8.5 10; 26	875–877	पूर्ण	1886	
16×9 10; 27	41–44	,,	19 वीं श.	
13×18 21; 16	8–10	,,	19 वीं श.	
24×11 8; 33	1–39	,,	19 वीं श.	
14.5×9 10; 16	7–8	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	134 वां	,,	18 वीं श.	
24×17 24; 21	97–98	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व जीर्ण-शीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 551	22475 (20)	ज्ञान-लीला	रामानन्द
552	24443 (3)	"	"
553	24452 (1)	"	"
544	24468 (2)	"	"
555	24471 (2)	"	"
556	22493 (6)	ज्ञान-विचार	सुखराम
557	22535 (2)	ज्ञान-समुद्र	सुन्दरदास
558	22843 (3)	"	"
559	23188	"	"
560	24421 (1)	"	"
561	24448	"	"
562	22458 (1)	ज्ञान-सागर	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11.5 15; 18	66–68	पूर्ण	1947	
13×8.3 6; 11	14–19	"	19 वीं श.	
12×6.5 5; 16	1–5	"	1941	
11.5×8.5 7; 11	77–81	"	1934	
10.5×7.5 5; 10	6–12	"	19 वीं श.	
13×18 21; 16	11–15	"	19 वीं श.	
20.5×14 23; 17	191–218	"	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
14×9 10; 23	435–476	"	19 वीं श.	
30.2×14 13; 50	1–17	"	1879	लि.क. किशोरदास खालसा; लि.स्था. ईदोकली
23.5×15.5 15; 10	1–56	"	1814	
12.5×9 7; 14	1–94	"	19 वीं श.	र. का. 1710 वि०
20.5×15 17; 17	1–110	"	1854	पत्र जलसिक्त व त्रुटित; लि. क. साधु पीताम्बरदास; लि.स्था. ग्राम पीपलिया

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा			
563	22474 (20)	तर्क-चितावनी	सुन्दरदास
564	22493 (12)	,,	,,
565	22105 (3)	तीस पदई जोग ग्रन्थ	
566	24440 (12)	तुरसीदासजी की छुटकर वाणी	तुरसीदास
567	22452 (24)	,,	,,
568	22059	,,	
569	22460 (5)	,,	,,
570	22464 (22)	,,	,,
571	22463 (33)	,, -साखी	
572	22494 (5)	,,	,,
573	22732 (21)	तुलसी के दोहे	तुलसीदास
574	22134 (12)	त्रिलोकचन्दजी की पर्ची	अनंतदास
575	22453 (7)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12.5 14; 18	14–121	पूर्ण	19 वीं श.	
13×18 21; 16	30–33	,,	19 वीं श.	
11×8.5 7; 16	20–27	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
10.5×7 5; 13	148–181	,,	1930	
26×13 35; 26	366–457	,,	1844	
16.5×10.5 20; 19	393–414	,,	19 वीं श.	
9×15 22; 25	143–162	अपूर्ण	1876	पत्र संख्या 144–145 अप्राप्त; पत्र 146-147 पर सुन्दर बोर्डर।
16×11 20; 18	463–520	पूर्ण	1825	
15×12 12; 19	518–525	,,	1896	लि.क. जीवनराम; लि.स्था. नागौर
15×17 18; 21	191-402	,,	1852	पत्र जलसिक्त व त्रुटित
26×16.5 26; 24	103 वां	,,	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण त्रुटित
16.5×19.5 29; 20	289–290	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27; 16	60–61	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 576	24469 (3)	त्रिलोकचन्दजी की पर्ची	अनंतदास
577	22106 (12)	,,	,,
578	22463 (8)	,,	,,
579	22493 (16)	,,	,,
580	22 75 (7)	,,	,,
581	22474 (25)	त्रिविध अंत:करण-भेद	सुन्दरदास
582	24165 (6)	दण्डक	
583	22464 (4)	दत्त-गोष्ठी	गोरखनाथ
584	24426 (3)	दत्तात्रेय-लीला	
535	22459 (4)	दत्तात्रेय-गोरख-संवाद	,,
886	22459 (10)	दयाबोध	,,
587	22459 (11)	,,	,,
588	22472 (17)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×8.8 6; 11	35–46	पूर्ण	1955	
22×15 21; 18	236–288	,,	19 वीं श.	
15×12 12; 19	234–238	,,	1895	
13×18 21; 16	89-91	,,	19 वीं श.	
14×11.5 15; 18	28–33	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	137–138	,,	19 वीं श.	
14.5×9 10; 16	1–41	,,	19 वीं श.	स्वतन्त्र पत्रांकन
16×11 20; 18	233–237	,,	1825	
20.2×12 7; 24	125–129	,,	18 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	187–192	,,	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	202–204	,,	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	204 वां	,,	19 वीं श.	
14×11 18; 14	98–99	,,	1814	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
589	24429 (18)	दयाबोध	गोरखनाथ
590	24429 (27)	दयालजी हरिदासजी रा-कवित्त	
591	24429 (28)	दयालजी का पद	जन हरिदास
592	24429 (26)	दयालजी का पद व हरिदासजी रा रेखता	
593	22452 (17)	दयालदासजी री कुण्डलीयां	सं० हरिदास
594	22134 (35)	दयालदासजी की वाणी	दयालदास
595	22452 (14)	,,	सं० हरिदास
596	22453 (1)	,,	,,
597	22459 (2)	,,	जन हरिदास
598	22460 (2)	,,	हरिदास
599	23919 (7)	,,	
600	24428 (1)	,,	
601	24439	,,	दयालदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×16 35; 32	133–134	पूर्ण	18 वीं श.	
27×16 35; 32	198–199	,,	18 वीं श.	
27×16 35; 32	159–178	,,	18 वीं श.	ग्रन्थ अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण
27×16 35; 32	157–158	,,	18 वीं श.	
26×13 35; 26	345–352	,,	1844	लि क. वैष्णव सन्तोषदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
16 5×19.5 29; 20	552–661	,,	19 वीं श.	
26×13 35; 26	281–320	,,	1844	लि क. वैष्णव संतोषदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
24×16.5 27; 16	1–4	,,	19 वीं श.	
16.5×10,5 20; 19	102–178	,,	19 वीं श.	
19×15 22; 25	55–72	,,	1878	पत्र कीट-भक्षित
11×17.5 4; 11	189–321	,,	19 वीं श.	
21×13 11; 20	1–27	,,	19 वीं श.	
11×7 9; 16	1–192	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
9. भ. सा.			
602	24443 (13)	दयालदासजी महाराज की वाणी	
603	24452 (5)	"	द्यालबाल
604	22452 (19)	दयालदास की साखी	मू० दयालदास सं० जनहरिदास
605	22452 (16)	दयालदास के कवित्त	सं० हरिदास
606	22452 (15)	दयालदासजी के पद	"
607	22460 (3)	दयालदासजी के पद व कुण्डलियां	"
608	24429 (29)	द्यालदासजी कौ ग्रन्थ	जनहरिदास
609	22535 (3)	दयासागर	वाजीन्द
610	22452 (35)	दादूजी की वाणी	
611	22535 (1)	दादूदयालजी की वाणी	दादूदयाल
612	22843 (1)	"	"
613	24170 (2)	"	"
614	22240 (3)	दानलीला	चरणदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×8.3 6; 11	265–308	पूर्ण	19 वीं श.	
12×6.5 5; 16	47–57	,,	1941	
26×13 35; 26	355–363	,,	1844	पत्र त्रुटित; लि.क. वैष्णव संतोषदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
26×13 35; 26	344–345	,,	1844	पत्र त्रुटित
26×13 35; 26	320–344	,,	1844	लि.क. वैष्णव संतोषदास, निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
19×15 22; 25	72–116	,,	1876	पत्र त्रुटित व कीट-भक्षित
27×16 35; 32	178–189	,,	18 वीं श.	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण
20.5×14 23; 17	218–220	,,	19 वीं श.	
26×13 35; 26	558–561	,,	1844	लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
14×20.5 23; 17	1–191	,,	19 वीं श.	
14×9 10; 23	1–309	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व कीट-भक्षित
13×9 10; 14	31–45	,,	19 वीं. श.	
16×15 13; 18	32–36	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 615	22475 (18)	दानलीला	कृष्णदास
616	22546 (18)	,,	
617	23063 (4)	,,	रायशिवदास
618	24447 (5)	द्यालजी की वाणी	
619	24447 (11)	द्यालजी की जन्म-लीला	पूरणदास
620	24449 (6)	द्यालजी महाराज का रेखता	निरभैराम, रामप्रताप, रामचरणदास, हरिदास, परसराम, घमण्डीराम
621	22132 (4)	दूहा केसोराय सोती के	
622	22732 (2)	दोहा-छप्पय-सोरठा	नाथिया
623	24440 (9)	दौलतरामजी का सबद	दौलतराम
624	24443 (15)	दौलतरामजी की वाणी	
625	24452 (7)	,,	
626	22558 (6)	दौहनानन्द	नागरीदास
627	22134 (10)	धन्नाजी की परची	अनन्तदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11.5 15; 18	60–64	पूर्ण	1947	
15.5×16 14; 22	1–151	,,	1871	पत्र कीट-भक्षित व जलसिक्त; प्रारम्भांश व अन्तिमांश अप्राप्त
17×11.5 17; 10	35–38	,,	19 वीं श.	
15.5×8.5 8; 19	87–97	,,	1952	
15.5×8.5 8; 19	149–163	,,	1952	
14.5×9.5 11; 21	63–96	,,	19 वीं श.	र. का. 1889 वि॰; लि.क. दौलतराम; लि.स्था. धीरम
14×13 12; 17	61–62	,,	1780	
26×16.5 26; 24	5–6	,,	19 वीं श.	
10.5×7 5; 13	131–143	,,	1930	
13×8.3 6; 11	314–355	,,	19 वीं श.	
12×6.5 5; 16	64–81	,,	1941	
25.5×17.5 19; 19	4–5	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	281–285	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
628	22263 (1)	धन्नाजी की परची	अनन्तदास
629	22453 (5)	,,	,,
630	22460 (12)	,,	,,
631	22463 (6)	,,	,,
632	22475 (22)	,,	,,
633	22493 (15)	,,	,,
634	22501 (8)	,,	,,
635	24461 (2)	,,	,,
636	24172 (6)	,,	,,
637	24469 (1)	,,	,,
638	22464 (11)	(ध्यानदास का ग्रन्थ) गुणादि-बोध	ध्यानदास
639	22459 (22)	ध्यानदासजी को ग्रन्थ	
640	24169 (1)	ध्यान-मंजरी	अग्रदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×9.5 12; 23	1-8	पूर्ण	19 वीं श.	
24×16.5 27; 16	52-58	,,	19 वीं श.	
19×15 22; 25	239-246	,,	1876	पत्र त्रुटित व कीट-भक्षित
15×12 12; 19	209-223	,,	1895	
14×11.5 15; 18	71-75	,,	1948	
13×18 21; 16	84-89	अपूर्ण	1865	पत्र संख्या 83-84 रिक्त अत: लेख अपूर्ण ।
16.5×8 8; 24	881-886	पूर्ण	1905	लि.क. श्यामदास; लि.स्था. अकबरपुर
20×10 7; 21	36-44	,,	1950	
10×6.5 6; 17	302-321	,,	19 वीं श.	
12.5×8.8 6; 11	1-18	,,	1955	
16×11 20; 18	273-275	,,	1825	पत्र त्रुटित
16.5×10.5 20; 19	244-247	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित; कीटविद्ध व लेख अस्पष्ट ।
13×9.5 8; 13	1-16	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा 641	22106 (7)	ध्रुवचरित	जनगोपाल
642	22134 (26)	,,	,,
643	22137 (36)	,,	राघोदास
644	22453 (16)	,,	जनगोपाल
645	22460 (6)	,,	,,
646	22463 (16)	,,	,,
647	22465 (7)	,,	,,
648	22471 (2)	,,	,,
649	22472 (8)	,,	,,
650	22473 (3)	,,	,,
651	22475 (14)	,,	,,
652	22482 (2)	,,	,,
653	22487	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×15 21; 18	231–244	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	688–697	,,	19 वीं श.	
24×17 24; 21	349–380	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27; 16	103–111	,,	19 वीं श.	
19×15 22; 25	162–182	,,	1876	
15×12 12; 19	318–342	,,	1895	
12.5×15.5 11; 16	65–87	,,	1780	पत्र त्रुटित; लि.क. सहजराम
15×15 11; 14	31–60	,,	1811	लि.क. लालजी गुजराती; लि.स्था. बासखानपुर
14×11 18; 14	1–24	,,	1846	स्वतन्त्र पत्रांकन
9×14.9 12; 20	297–322	,,	1868	पत्र त्रुटित; लि.क. साधु रामप्रताप; लि.स्था. मूंडवा
14×11.5 15; 18	47–48	,,	19 वीं श.	
15×10 7; 14	126–169	,,	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध
11×9 8; 11	1–55	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. अ.सा.			
654	22504 (9)	ध्रुवचरित	जनगोपाल
655	22452 (32)	ध्यानदासजी का चान्द्रायण	
656	23921	ध्रुवचरित	"
657	23166	"	"
658	24161 (4)	"	"
659	24168	"	"
660	24170 (1)	"	"
661	24426 (4)	"	"
662	24441 (1)	"	"
663	24445 (3)	"	"
664	24429 (4)	नरवैबोध	
665	22475 (27)	नरसिंह अवतार को बारहमासो	नरहर (नरहरि)
666	22137 (7)	नरसीजी रो माहेरो	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×8.5 10;26	771–795	पूर्ण	1886	
26×13 35;26	558 वां	,,	1844	पत्र त्रुटित लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
30×14 17;43	1–7	,,	19 वीं श.	
32.2×16.2 20;64	1–6	,,	19 वीं श.	
15×16 17;14	24–25	अपूर्ण	19 वीं श.	
12.5×9 5;15	1–57	पूर्ण	1852	पत्र जलसिक्त; लि.क. वैष्णव अभयराम; लि.स्था. लखनऊ
13×9 10;14	1–31	,,	19 वीं श.	
20.2×12 7;24	130–147	,,	18 वीं श.	ग्रन्थ की शेष रचना जयदेव कृत 'गीत-गोविन्द' है।
9.5×7.5 8;11	1–55	,,	1874	
10.5×7.5 6;11	113–184	,,	1887	प्रथम व द्वितीय रचना 'विष्णुसहस्रनाम' व गीता है। लि.क. रूपदास निरंजनी; लि.स्था. डीडपुर
27×16 35;32	119–121	,,	18 वीं श.	
14×11.5 15;18	101–102	,,	1948	
24×17 24;21	61–63	,,	19 वीं श.	प्रति अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ.सा. 667	22463 (11)	नरसीजी री माहेरो	
668	24172 (11)	,,	
669	22132 (9)	नरसीजी री हुण्डी	
670	22264 (4)	नरसी मेहता की हुण्डी	
671	22475 (15)	,,	जेठमल
672	22464 (20)	नामदेवजी का पद	
673	22494 (3)	,,	नामदेव
674	24429 (38)	नामदेवजी का फुटकर पद	,,
675	22106 (14)	नामदेवजी को परची	
676	22453 (6)	,,	
677	22460 (9)	,,	
678	22463 (13)	,,	अनन्तदास
679	22464 (19)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12 12; 19	246–255	पूर्ण	1895	
10×6.5 6; 17	469–495	,,	19 वीं श.	
14×13 12; 17	91–108	अपूर्ण	1780	
16×10 12; 16	73–76	,,	20 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
14×11.5 15; 18	48–57	पूर्ण	1947	र.का. 1710 वि०; र.स्था. नागपुर लि.क. पूरणदास निरंजनी; लि.स्था. थोबा-ग्राम
16×11 20; 18	439 वां	,,	1825	
15×17 18; 21	176–181	,,	1852	पत्र जलसिक्त व त्रुटित; लि.क. साधु सहजराम; लि.स्था. कोलिया-ग्राम
27×16 35; 32	294 वां	,,	18 वीं श.	
22×15 21; 18	297–299	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27; 16	58–60	,,	19 वीं श.	
19×15 22; 25	210–214	,,	1876	पत्र कीटबिद्ध
15×12 12; 19	270–275	,,	1895	
16×11 20; 18	436–439	,,	1825	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
680	22472 (9)	नामदेवजी की परची	अनन्तदास
681	22504 (21)	,,	,,
682	22453 (13)	नामदेवजी की महिमा के पद	
683	22452 (28)	नामदेवजी की वाणी	
684	22459 (24)	,,	नामदेव
685	22429 (36)	,,	
686	22472 (22)	नामदेवजी की साखी	नामदेव
687	22463 (28)	नामदेवजी के फुटकर पद	,,
688	22493 (3)	नामनिर्णय कौ अंग	संतदास
689	22472 (41)	नामनिरूप जोग-ग्रन्थ	जनहरिदास
690	22493 (4)	नामनिसाणी	सुखराम
691	24429 (13)	नौ-नीरता-ग्रन्थ	
692	22263 (4)	नामप्रताप	रामचरण

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11 18; 14	24–27	पूर्ण	1846	पत्र त्रुटित
17.5×8.5 10; 26	978–982	,,	1886	
24×16.5 27; 16	90–91	,,	19 वीं श.	
26×13 35; 26	536–549	,,	1844	पत्र त्रुटित; लि.क.साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
16 5×10.5 20; 19	358–474	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
27×16 35; 32	274–289	,,	18 वीं श.	
14×11 18; 14	118 वां	,,	1846	
15×12 12; 19	435–440	,,	1895	
13×78 21; 16	4–5	,,	19 वीं श.	
14×11 18; 14	1–2	,,	1846	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध; अंक विहीन पत्र
13×18 21; 16	7-8	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	126–127	,,	18 वीं श.	जीर्ण
13.5×9.5 12; 23	30-35	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
693	22475 (24)	नामप्रताप	रामचरण
694	22492 (2)	,,	,,
695	22501 (6)	,,	,,
696	22545 (4)	,,	रामचरणदास
697	22482 (7)	नाम-बत्तीसी	जन सूरतराम
698	22463 (10)	नाम-महिमा	
699	22453 (22)	नाम-महिमा जोग-ग्रन्थ	
700	22463 (23)	,,	
701	22492 (13)	,,	दास
702	22533 (2)	,,	जन सेवादास
703	22134 (25)	नाम-माला	रामदास
704	24443 (9)	,,	,,
705	22134 (273)	नाममाहात्म्य की चौपाई	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11.5 15; 18	82–88	पूर्ण	1948	
8×6 6; 13	9–29	"	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध
16.5×8 8; 24	857–866	"	1905	
16×9 10; 27	14–23	"	19 वीं श.	
15.5×13 7; 14	194–204	"	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र जलसिक्त
15×12 12; 19	242–246	"	1895	
24×16.5 27; 16	124–126	"	19 वीं श.	
15×12 12; 19	402–408	"	1895	
8×6 6; 13	186–198	"	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध
16×10.5 10; 19	77–86	"	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	528–529	"	19 वीं श.	
13×8.3 6; 11	224–234	"	19 वीं श.	
16.5×19.5 20; 20	703–705	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 706	24469 (5)	नाम-माहात्म्य-चौपाई	
707	22465 (6)	नारायण-लीला	माधौदास
708	22556 (4)	"	"
709	22558 (19)	निकुञ्ज-विलास	नागरीदास
710	22546 (15)	नित्य-नेम के पद	
711	22137 (20)	निमंत्रण-पत्र	
712	22465 (4)	निरपखी-मूल	जनहरिदास
713	22558 (13)	नैना-रूपारस	नागरीदास
714	22472 (27)	नैनूदासजी का पद	
715	22472 (40)	टोडरमल जोग-ग्रन्थ	
716	22492 (8)	ठग-परीक्षा	रामचरणदास
717	22474 (8)	पंच-प्रभाव	सुन्दरदास
718	24429 (9)	पंच-मात्रा	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×8.8 6; 11	57–63	पूर्ण	1955	
12.5×15.5 11; 16	44–65	,,	1780	जीर्ण; पत्र त्रुटित; लि.क. भगवानदास
14.5×12 10; 15	72–79	अपूर्ण	1681	पत्र जलसिक्त व कीट-भक्षित; अन्तिमांश अप्राप्त
25.5×17.5 19; 19	32–41	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1794 वि०
15.5×16 14; 22	9–103	अपूर्ण	1871	जीर्ण; पत्र जलसिक्त व कीट-भक्षित; पत्र सख्या 1-8, 11–18, 20–25 अप्राप्त
24×17 24; 21	96 वां	पूर्ण	1883	जीर्ण; रामदास के शिष्य शम्भु का गुजरात से गुरू को बुलाने का पद्यमय पत्र।
12.5×15.5 11; 16	7–10	,,	18 वीं श.	
25.5×17.5 19; 19	13–14	,,	18 वीं श.	
14×11 18; 14	126–127	,,	1846	जीर्ण
14×11 18; 14	7 वां	अपूर्ण	1846	जीर्ण; अन्तिमांश अप्राप्त: पत्रों पर संख्या नहीं।
8×6 6; 13	130–135	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध
15×12.5 14; 18	62–65	,,	19 वीं. श.	
27×16 35; 32	125 वां	,,	18 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
719	24466	पंचवाणी के फुटकर पत्र	जैमलदास द्यालबाल, रामदास, हरिराम दास
720	24429 (10)	पंचाग्नि	
721	22474 (2)	पंचेन्द्रिय-चरित्र	सुन्दरदास
722	22137 (48)	पंडित-संवाद	रामचरणदास
723	224 2 (10)	पंडित-समाधि	"
724	22469 (1)	पद	भगवान, राम
725	22472 (26)	"	दास
726	22475 (5)	"	कबीरदास
727	22475 (7)	"	कबीर
728	22475 (9)	"	
729	22475 (17)	"	सूरदास
730	22475 (25)	पद भगतो रो	मीरां
731	22482 (6)	पद	कबीरदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×11 9; 13	1–112	पूर्ण	19 वीं श.	
27×16 35; 32	125 वां	,,	18 वीं श.	
15×12.5 14; 18	23–47	,,	19 वीं श.	
24×17 24; 21	412 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण
8×6 6; 13	139–148	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध
17.5×11.5 10; 26	प्रथम	,,	19 वीं श.	
14×11 18; 14	125–126	,,	1846	जीर्ण
14×11.5 15; 18	14 वां	,,	19 वीं श.	
14×11.5 15; 18	27–28	,,	19 वीं श.	
14×11.5 15; 18	34 वां	अपूर्ण	19 वीं. श.	
14×11.5 15; 18	59 वां	पूर्ण	1947	
14×11.5 15; 18	88–92	,,	1948	
15×10 7; 14	193–194	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
732	22496 (12)	पद	शाह हुसैन
733	24166 (3)	,,	जन सेवादास
734	23348	पद-प्रसंगमाला	
735	24471 (5)	पद-बतीसी	जन हरिराम
736	22196 (2)	पद-संग्रह	ब्रह्मानन्द
737	22196 (3)	,,	मंजुकेशानन्द
738	22196 (4)	,,	मुक्तानन्द
739	22196 (5)	,,	प्रेमानन्द
740	22196 (6)	,,	मुक्तानन्द
741	22452 (12)	,,	कबीरदास
742	22452 (25)	,,	तुरसीदास
743	22459 (14)	,,	गोरखनाथ
744	22459 (19)	,,	रामानन्द, गोपीचन्द गैबाजी

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×8.5 8;20	187 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
12×10 11;18	121–127	,,	19 वीं श.	जीर्ण
27.5×13 12;36	1–40	,,	19 वीं श.	लि.क. सदानन्द
10.5×7.5 8;15	29–38	,,	19 वीं श.	
16×10 16;12	3–4	,,	19 वीं श.	लि.क. साधु जिष्णुजीवनदास
16×10 16;12	4-6	,,	19 वीं श.	,, ,,
16×10 16;12	6–7	,,	19 वीं. श.	
16×10 16;12	7–10	,,	19 वीं श.	
16×10 16;12	9–14	,,	19 वीं श.	
26×13 35;26	126–280	,,	1844	जीर्ण; लि.क. वैष्णव संतोषदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
26×13 35;26	457–508	,,	1844	जीर्ण। पत्र त्रुटित लि.क. वैष्णव हरनाथदास निरंजनी; लि.स्था. पोकरण
16.5×10.5 20;19	205–229	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16.5×10.5 20;19	241–242	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व कीटविद्ध

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 745	22459 (29)	पदसंग्रह	तुरसीदास
746	22464 (21)	"	नामदेव
747	22464 (25)	"	जनदास
748	22467 (12)	"	दरवेश, जनराघोदास, जगन्नाथ, तुलसीदास तथा विभिषण
749	22469 (2)	"	गोस्वामी तुलसीदास
750	22472 (10)	"	सतवन्ती; जननरीदास दादू,
751	22475 (13)	"	तुलसीदास
752	22475 (16)	"	पूरणदास
753	22482 (17)	"	मीरांबाई
754	22486 (1)	"	तुलसीदास
755	22493 (30)	"	सुखराम
756	22494 (2)	"	कबीरदास
757	22497 (4)	"	परिहांदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×10.5 20; 19	414–430	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
16×11 20; 18	439–463	,,	1825	जीर्ण
16×11 20; 18	522 वां	,,	1825	जीर्ण
15×12 17; 19	34–36	,,	1943	
17.5×11.5 10; 26	1–186	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
14×11 18; 14	27 वां	,,	1846	जीर्ण; अन्तिमांश अप्राप्त
14×11.5 15; 18	45–47	पूर्ण	19 वीं श.	
14×11.5 15; 18	57–59	,,	1947	र.का. 1947; रचनाकालीन प्रति
15×10 7; 14	498–500	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
11.5×8.5 7; 13	1–18	,,	19 वीं श.	
13×18 21; 16	120–121	,,	19 वीं श.	
15×17 18; 21	122–176	,,	1852	जीर्ण; पत्र जलसिक्त व त्रुटित। लि.क. साधु सहजराम। लि.स्था. कोलीया-ग्राम
15.5×10.5 18; 12	238–242	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 758	22500 (2)	पद-संग्रह	चरणदास, चतुरदास, कबीर
759	22540 (8)	"	फकीरदास
760	22542 (3)	"	दयाराम
761	22554 (5)	"	सुन्दरदास
762	22556 (2)	"	सूरदास
763	22472 (21)	"	हणवन्त भर्तृहरि, ठीकरनाथ; रामचन्द्र
764	22472 (23)	"	नामदेव
765	22472 (30)	"	जन हरिदास; जन नरिदास, जन रूपदास; हरिराम
766	22479 (2)	"	जन हरिदास
व. 767	22541 (3)	"	
व. 768	22541 (8)	"	
769	23067 (2)	"	रूपदास
770	24165 (7)	"	जन हरिदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×10.5 10; 19	114-117	पूर्ण	19 वीं श.	
17×10.5 10; 27	317-319	,,	19 वीं श.	जीर्ण। पत्र कीट-भक्षित व त्रुटित
12.5×11.5 7; 12	59-69	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
15.5×10 13; 33	6 ठा	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण
14.5×12 10; 15	11-31	,,	1681	जीर्ण
14×11 18; 14	116-118	,,	1826	जीर्ण; पत्र त्रुटित
14×11 18; 14	118-120	,,	1826	जीर्ण
14×11 18; 14	129-131	,,	1826	जीर्ण
14.5×20.5 23; 19	80-131	,,	1888	
15.5×9 6; 21	4-171	,,	20 वीं श.	
15.5×9 6; 21	210-257	,,	20 वीं श.	जीर्ण
9.5×7 8; 12	122-160	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
14.5×9 10; 16	1-4	पूर्ण	19 वीं श.	स्वतंत्र पत्रांकन

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
?. भ. सा.			
771	24165 (9)	पद-संग्रह	जनहरिदास सूरदास, कबीर, सुन्दरदास
772	22459 (17)	पद-सिद्धां का	
773	22137 (9)	स्फुट-कवित्त	प्रेमदास, शिष्य रामदास
774	22539 (2)	"	
775	23063 (7)	"	
776	24440 (6)	"	गंगकवि, जसवन्त, रिछपाल
777	24443 (11)	"	रामदास
778	24446 (7)	"	तुलसीदास; जनरामदास, उद्धव
779	24470 (6)	"	जगन्नाथ
780	22476 (2)	स्फुट कवित्त-सवैया	माधौदास, रामकिशोर
781	22732 (3)	स्फुट कवित्त-संग्रह	
782	22550 (3)	स्फुट-छन्द	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14.5×9 10; 16	7–19	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	238–239	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
24 17 24; 21	65 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण; जीर्ण-शीर्ण
15×10 8; 15	228–238	,,	20 वीं श.	
17×11.5 17; 10	49–52	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; अंतिमांश अप्राप्त
10.5×7 5; 13	56–67	पूर्ण	1930	
13×8.3 6; 11	242–248	,,	19 वीं श.	
12.5×8 8; 20	207–212	,,	19 वीं श.	
12×7.5 7; 14	30–35	,,	19 वीं श.	
12.5×9.5 10; 16	56–59	,,	19 वीं श.	
26×16.5 26; 24	1–32	,,	19 वीं श.	जीर्ण; स्थान-स्थान पर गुजराती, मारवाड़ी; हाड़ौती, बूंदी की भाषा, बुन्देलखंडी, मराठी, नागर चाल की भाषा, पूरबी भाषा, पंजाबी भाषा, मुसलमानी भाषा के पद भी हैं।
13.5×10.5 11; 13	22 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण; द्वितीय रचना संस्कृत भाषा में है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 783	22732 (20)	स्फुट-दोहे	
784	22732 (9)	स्फुट-दोहे	
785	22106 (22)	स्फुट-पद	
786	22137 (24)	"	जँमलदास
787	22137 (38)	"	सूरदास सुन्दरदास बकनो ग्वालबाल विवयराम, पद्म, राघौदास, कबीर, तुलसीदास, कल्याणदास, चन्द्रसखी
788	22137 (41)	"	तुलछी, कनीराम, कबीर, नरसी
789	22137 (45)	"	किसनदास
790	22106 (17)	"	
791	22132 (13)	"	जन तुरसी
792	22137 (52)	"	कुशल
793	22452 (22)	"	रामानन्द
794	22458 (2)	"	धर्मदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×16.5 26; 24	162 वां	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
26×16.5 26; 24	61–53	"	19 वीं श.	जीर्ण
22×15 21; 18	375–394	"	19 वीं श.	जीर्ण
24×17 24; 21	100–102	"	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित
24×17 24; 21	385-393	"	19 वीं श.	जीर्ण
24×17 24; 21	398 वां	"	19 वीं. श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण व लेख; अस्पष्ट
24×17 24; 21	407 वां	"	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित
22×15 21; 18	335–339	"	19 वीं श.	जीर्ण
14×13 12; 17	133–135	"	1780	जीर्ण; पत्र संख्या 128–132 तक शिवमहिम्न-स्तोत्र की अपूर्ण कृति है।
24×17 24; 21	420 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित,
26×13 35; 26	365 वां	पूर्ण	1844	जीर्ण
20.5×15 17; 17	110–111	"	1854	जीर्ण; पत्र त्रुटित

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
795	22465 (2)	स्फुट-पद	छीतमदास
796	22472 (7)	,,	कबीर, सूरदास, तुलसीदास
797	22474 (22)	,,	सुन्दरदास
798	22495 (8)	,,	तुलसीदास
799	22545 (14)	,,	कबीर, नामदेव, मीरां प्रेम, सूरदास
800	22546 (21)	,,	सूरदास
801	22547 (11)	,,	कबीर
802	23062 (2)	,,	मीरांबाई
803	23062 (6)	,,	तुलसीदास
804	23066 (2)	,,	,,
805	23919 (14)	,,	कबीरदास, दीनदयाल, भगतराम, दादू, सुन्दर, जनहरिराम सावतराम, मीरां, जनहरिदास, नरसिंह, सूरदास
806	24165 (3)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×15.5 11; 16	4–5	पूर्ण	1783	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध
14×11 18; 14	1–3	अपूर्ण	1846	जीर्ण; पत्र अंकरहित
15×12.5 14; 18	125–133	पूर्ण	19 वीं श.	
19×29 22; 19	90 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16×9 10; 27	105–115	,,	19 वीं श.	
15 5×16 14; 22	1 (?)	अपूर्ण	1871	जीर्ण; आदि पत्र अप्राप्त; पत्र कीट-भक्षित व जलसिक्त लि.क. गंगाप्रसाद; लि.स्था.गोकुल
14.5×11 9; 18	36–38	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
15×11 10; 21	21–22	,,	19 वीं श.	जीर्ण
15×11 10; 21	23–33	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीट-भक्षित
15.5×10 6; 19	6 ठा	,,	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण; प्रथम रचना संस्कृत में; लि. क. शंकरराम पुरोहित; लि.स्था. जयपुर
11×7.5 4; 11	464–519	,,	18 वीं श.	
14.5×9 10; 16	6-7	,,	19 वीं श.	द्वितीय रचना संस्कृत में है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा 807	24165 (12)	स्फुट-पद	लालदास
808	22137 (2)	स्फुट पद-संग्रह	रामदास, रामचरण, रैदास, कबीर
809	22452 (42)	"	वाजीन्द
810	22453 (24)	"	कबीर, जन हरिदास
811	24460 (16)	"	नामदेव, जन हरिदास, कान्हड़दास, पीपा
व. 812	22467 (6)	"	
813	22472 (36)	"	जन हरिदास
814	22475 (3)	"	पोकर, रूपदास, कबीरदास गोपाललाल, जन सांवल, वेदव्यास
व. 815	22475 (26)	"	
816	22482 (1)	"	कबीर, जन हरिदास, अग्रदास
817	22486 (4)	"	जन तुलसी, जन हरिदास नामदेव, जन सेवादास, कबीर, तुलसी

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14.5×9 10; 16	24-25	अपूर्ण	20 वीं श.	15 वीं रचना 'रामरक्षा' स्तोत्र अंतिमांश अप्राप्त
24×17 24; 21	42-54	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
26×13 35; 29	364 वां	"	1844	जीर्ण; लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
24×16.5 27; 16	319-324	"	19 वीं श.	जीर्ण
19×15 22; 25	253-257	"	1876	जीर्ण; पत्र कीट-भक्षित
15×12 17; 19	16-26	"	1947	
14×11 18; 14	2	अपूर्ण	1846	पत्रांकन रहित; पत्र जीर्ण-शीर्ण एवं अन्तिमांश अप्राप्त
14×11.5 15; 18	4-13	पूर्ण	19 वीं श.	
14×11.5 15; 18	92-101	"	1948	
15×10 7; 14	114-125	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र जलसिंक्त व कीटविद्ध; पत्र संख्या 1-3 अप्राप्त
11.5×8.5 7; 13	36-159	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
818	22496 (4)	पद-संग्रह	राम जन मीरां कबीर, जन भागीरथ सूरदास, ब्रह्मदास, अग्रदास, तुलसीदास, जन सूरतदास
819	22502 (6)	"	नामदेव, जनतुरसी, मीरां, बाजिन्द
820	22504 (25)	"	
821	22505 (1)	"	रामचरणदास
822	22505 (3)	"	रामजन
823	22533 (3)	"	जन सेवादास
824	22541 (10)	"	चेतनदास
825	22570 3)	"	
826	23062 (5)	"	जन हरिदास, सुन्दरदास, रैदास, सूरदास, मीरां, तुलसीदास, मानदास, तुलछीदास, कबीरदास
827	23350	"	
९. 828	24165 (5)	"	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15 5×8.5 8; 20	99–146	पूर्ण	19 वीं श	
15.5×10 10; 20	540–545	,,	19 वीं श.	लि.क. रामनारायण
17.5×8.5 10; 26	1051–1053	,,	1886	लि क. रामस्नेही ब्रह्मदास
19×11.5 9; 23	1–2	,,	19 वीं. श.	
19×11.5 9; 23	50–59	पूर्ण	19 वीं श	
16×10.5 10; 19	86–92	अपूर्ण	19 वीं श	अन्तिमांश अप्राप्त
15.5×9 6; 21	1–2	,,	20 वीं श.	
20 2×11 25; 15	21–22	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
15×11 10; 21	23-29	,,	19 वीं श.	पत्र कीट-भक्षित; पत्र 29–32 पर रचना संस्कृत में है।
27×13 12; 36	3–10	अपूर्ण	19 वीं. श.	पत्र सख्या 1–2 अप्राप्त
14.5×9 10; 16	9-28	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 829	24172 (12)	स्फुट-संग्रह	ज्ञानदास कबीरदास, माधोदास, सुन्दरदास कृपासखी अग्रदास, कान्हड़, सूरदास हरिदास, मलूक मीरां, चिनजी, ग्वालबाल, नीरदास, दीनदरबेश, धन्नाजी
830	24350 (5)	”	
831	24429 (43)	”	नामदेव, जन मनोहरदास, कबीर, जन हरिदास, जन कल्याण
832	24440 (14)	”	कबीर सुखराम, सिणगारा मीरां नामदेव, परसराम, सूरदास
9. 833	24442 (7)	”	
834	24442 (10)	”	पूरणदास, मीरां, विष्णुदास
835	24442 (12)	”	चरणदास ग्वालबाल, व्रजप्रताप
836	24450 (1)	”	साईदास, जैमलदास, हरिदास रामदास
4. 837	24454 (14)	”	
838	24459 (2)	”	ग्वालबाल, भीखमदास
839	24465 (5)	”	परसराम

माप से मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×6.5 6; 17	496–559	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
24.8×11.8 13; 48	8–9	,,	19 वीं श.	जीर्ण
27×16 35; 32	318–326	,,	1786	जीर्ण
10.5×7 5; 13	183–210	,,	1930	
10.5×7.5 6; 0	271–279	,,	1884	लि. क. अजबराम; लि.स्था. भद्राजूण
10.5×7 5 6 10	291–293	,	19 वीं श.	
10 5×7.5 6; 10	295–300	,,	19 वीं श	
12.5×8 7; 15	1–50	,,	1997	
21.5×15.5 19; 17	15-136	,,	19 वीं श	
24.5×12 11; 27	99-102	,,	19 वीं श.	
17×12 12:25	41 वां	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
840	24471 (9)	स्फुटपद-संग्रह	पूरण, शाह हुसैन जोगीदास, लालदास कबीर बकनो जन हरिदास, रामचरणदास मीरां बाई तुलसीदास
841	24421 (2)	स्फुट-सवैया	सुन्दरदास
842	24440 (5)	,,	अखैराम
843	24440 (7)	,,	गुलाल हड़वन्त, अकबर, राघोदास
844	24468 (4)	,,	गंगकवि, दादू सुन्दरदास
845	24442 (4)	स्फुट सवैया-साखी	परिहां, रूपदास, सेवादास
846	22472 (31)	परचा को अंग	जन सेवादास
847	24447 (3)	,,	जन हरिदास
848	23919 (10)	परमहंस महाराज की वाणी	परमहंस
849	23917	परमानंद-सागर	परमानंददास
850	24422	,,	,,
851	22047 (50)	परमार्थ-हिन्डोलना	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10 5×7.5 8; 15	60-72	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×15.5 15; 10	1-56	„	1814	
10.5×7 5; 13	49 56	„	1930	
10.5×7 5; 13	67-95	„	1930	
10 5×8.5 7; 11	88-95	„	1934	
10.5×7.5 6; 10	170-172	„	19 वीं श.	
14×11 18; 14	131-135	„	1846	जीर्ण; पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
12 5×8 8; 20	167-173	„	19 वीं श.	
11×7.5 4; 11	397-429	„	19 वीं श.	
30×17.5 13; 42	1-148	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
25.5×17 5 14; 30	1-17	„	19 वीं श	जीर्ण
25×11 15; 45	64-65	पूर्ण	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 852	22134 (37)	परसराम की वाणी	परसराम
853	23919 (9)	,,	,,
854	22134 (275)	परसराम के कवित्त-चेतावनी आदि	,,
855	22558 (10)	पावस-पचीसी	नागरीदास
856	22134 (13)	पीसण-सिंगार	सेवादास
857	22462 (1)	,,	,,
858	22492 (11)	,,	,,
859	22493 (8)	,,	,,
860	22545 (13)	,,	,,
861	24470 (5)	,,	,,
862	22106 (18)	पीपाजी की परची	अनन्तदास
863	22134 (9)	,,	,,
864	22453 (2)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29; 20	665 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
11×7.5 4; 11	370-397	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	709-710	,,	19 वीं श.	
25.5×17.5 19; 19	8-9	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	290-295	,,	19 वीं श.	
13×14.5 14; 19	1-6	,,	1754	
8×6 6; 13	148-178	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीटविद्ध
13×18 21; 16	18-22	,,	19 वीं श.	
16×9 10; 27	94-105	,,	19 वीं श.	
12×7.5 7; 14	14-30	,,	19 वीं श.	
22×15 21; 18	339-373	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16.5×19.5 29; 20	238-281	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व परस्पर चिपके हुए।
24×16.5 27; 16	5-36	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा.			
865	22493 (14)	पीपाजी की परची	अनन्तदास
866	22504 (19)	,,	,,
867	22452 (29)	पीपाजी की वाणी	
868	22459 (25)	,,	
869	22476 (5)	पीपाजी की साखी	पीपाजी
870	24429 (39)	पीपाजी के पद	,,
871	23919 (8)	पूरणदासजी की फुटकर वाणी	पूरणदास
872	24447 (10)	पूरणदासजी महाराज का सबद	
873	24447 (13)	पूरणदासजी महाराज की जन्मलीला	
874	22474 (26)	पूर्वी भाषा बरवै	
875	24157 (1)	पोथी रा दूहा	
876	22204	प्रकाश-विनोद	
877	22732 (14)	प्रबोध-पंचाशिका	पद्माकर कवि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×18 21;16	34-82	पूर्ण	1865	लि.क. साधु गोवर्धनदास
17.5×8.5 10;26	894-960	,,	1886	
26×13 35;26	549-551	,,	1844	जीर्ण; पत्र त्रुटित; लि क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
16.5×10.5 20;19	374-378	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित
12.5 9.5 10;16	71-73		19 वीं श.	
27×16 35;32	295-296	,,	18 वीं श.	जीर्ण
11×7.5 4;11	321-369	,,	19 वीं. श.	
15.5×8.5 8;19	147-149	,,	1952	
15.5×8.5 8;19	171-187	,,	1952	
15×12.5 14;18	138-139	,,	19 वीं श.	
22×15 10;19	प्रथम	,,	19 वीं श.	जीर्ण; ग्रंथ कीटविद्ध
15.5×9 16;14	1-14	,,	1940	लि.क. नाथूराम
26×16.5 26;24	82-91	,,	19 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा			
878	22134 (272)	प्रभताछप्पय	
879	24446 (2)	प्रश्नोत्तर	जन हरिदास
880	22504 (6)	प्रश्नोत्तरी	
881	22476 (1)	प्रस्ताव-रत्नावली	जनतुरसी, कबीर, जगजीवनदास
882	22106 (8)	प्रह्लाद-चरित	
883	22137 (35)	,,	राघोदास
884	22137 (49)	,,	जसवंत
885	22453 (17)	,,	जन गोपाल
886	22460 (22)	,,	,,
887	22463 (17)	,,	,,
888	22471 (1)	,,	जन गोपालदास
889	22482 (13)	,,	,,
890	22502 (4)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29;20	699–703	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×8 8;20	166–167	,,	19 वीं श.	
17.5×8.5 10;26	749–751	,,	1886	
9.5×12.5 10;16	55–56	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1–4 अप्राप्त
22×15 21;18	244–256	पूर्ण	19 वीं. श	जीर्ण
24×17 24;21	323–349	,,	1930	जीर्ण; र स्था. निम्बाज; लि. क. नवलराम शिष्य अखैराम
24×17 24;21	413-414		19 वीं श	जीर्ण
24×16.5 27;14	11–19	,,	19 वीं श.	पत्र संख्या 12–13 सुन्दर बॉर्डर युक्त
19×15 22;25	268–280	,,	1876	जीर्ण
15×12 12;19	342-359	,,	1895	
15×15 11;14	13-30	अपूर्ण	1811	पत्र संख्या 1–12 अप्राप्त; लि.क मेहता लालजी; लि. स्था. बास ब्रानपुर
15×10 7;14	365-408	पूर्ण	19 वीं श	जीर्ण; पत्र त्रुटित व कीटविद्ध लि.क. आलमचन्द गौड़; लि स्था अजमेर
15.5×10 10;20	517–538	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 891	22504 (2)	प्रह्लाद-चरित	जन गोपालदास
892	22540 (10)	,,	,,
893	22545 (10)	,,	,,
894	23067 (7)	,,	,,
895	24169 (3)	प्रात:ध्यान	तुलसीदास
896	22558 (1)	प्रातः रसमंजरी	नागरीदास
897	24429 (14)	प्राण-सांकळी	
898	23349	प्रेमरत्नाकर	भैया रत्नपाल
899	22540 (6)	फकीरदासजी की वाणी	
900	22558 (8)	फागु-विलास	नागरीदास
901	22732 (1)	फुटकर-कवित्त	गिरधर कवि
902	22463 (25)	फुटकर-कुण्डलियां	
903	22463 (26)	फुटकर-चान्द्रायण	

आप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×8.5 10;26	377-407	पूर्ण	19 वीं श.	
17×10.5 10; 27	332-355	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16×9 10; 27	48-83	,,	19 वीं श.	
9.5×7 8; 12	59-122	अपूर्ण	19 वीं श.	
13×9.5 8; 13	36-39	पूर्ण	19 वी. श.	
25.5×17.5 19; 19	1-2	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	127 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण
27×13 12; 36	1-14	,,	19 वीं श.	लि.क. सदानन्द
17×10.5 10; 27	312-315	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र कीट-भक्षित व त्रुटित; प्रारम्भांश अप्राप्त
25.5×17.5 19; 19	5-7	पूर्ण	19 वीं श	
26×16.5 26; 24	1-5	,,	19 वीं श.	जीर्ण
15×12 12; 19	415-419	,,	1895	
15×12 12; 19	419-433	,,	1895	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 904	22476 (6)	फुटकर-पद	पीपा, रामसखी, बखतावर, मीरां, तुलसीदास कबीर, साहूसेन, सूरदास, पुरुषोत्तम, चन्द्रसखी, वसंत, जनहरिदास, नागरीदास, व्रजानन्द, जयदेव चरणदास गरीबदास, केशवदास, अखेमल, नरसी, मेहता ।
905	22464 (13)	फुटकर-पद तथा साखी	रैदास, रांका, तुरसी
906	24465 (7)	फुटकर-साखियां	
प. 907	24442 (2)	फुटकर-साखी	
908	22558 (4)	फूल-विलास	नागरीदास
909	22133 (7)	बखतसिंघजी रा सेवा रा पद	
910	22452 (37)	बखनैजी कौ पद	
911	22536	बड़ो-सिणगार	
912	24429 (23)	बत्तीस लक्षण	गोरखनाथ
913	22452 (13)	बत्तीसी	कबीरदास
9.4	22475 (8)	बडीनाथजी के पंचरत्न	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×9.5 10; 16	73-96	पूर्ण	19 वीं श.	
16×11 20; 18	276 वां	,,	1825	जीर्ण; पत्र त्रुटित
17×12 12; 25	56-57	,,	19 वीं श.	
10.5×7.5 6; 10	32-147	,,	19 वीं श.	
25.5×17.5 19; 19	3-4	,,	19 वीं श.	
19.5×22 21; 29	108-109	,,	1803	जीर्ण
26×13 35; 26	561 वां	,,	1844	जीर्ण; लि॰ क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
21.5×11.5 21; 15	1-219	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	135-136	,,	18 वीं श.	जीर्ण
26×13 35; 26	280 वां	,,	1844	लि.क. वैष्णव संतोषदास निरंजनी; लि.स्था, पोकरण
14×11.5 15; 18	33-34	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 915	22105 (7)	बाबा हरिदासजी की साखी	
916	22137 (46)	बारह-मासो	किसनदास
917	22241 (5)	,,	
918	22475 (4)	,,	सूरदास
919	22137 (50)	बालन-चरित्र	परसराम
920	22493 (10)	,,	,,
921	22134 (22)	बाल-बोध	रामदास
922	24172 (5)	,,	,,
923	22475 (19)	बाल-लीला	सूरदास
924	22556 (3)	,,	माधोदास
925	22496 (10)	बावनी	भीखनजी
926	24429 (33)	,,	
927	22472 (42)	बीरा रस वैराग्य जोग-ग्रन्थ	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×8.5 7;16	54–83	पूर्ण	19 वीं श.	
24×17 24;21	408 वां	,,	19 वीं श.	
16×15 13;18	38–40	,,	19 वीं श.	जीर्ण
14×11.5 15;18	13–14	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	415–417	,,	1932	लि. क. नवलराम
13×18 21;16	26–29	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	521–525	,,	19 वीं श.	
10×6.5 6;17	257–282	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
14×11.5 15;18	64–66	,,	1947	
14.5×12 10;15	32–29	,,	1681	जीर्ण
13.5×8.5 8;20	146–169	,,	19 वीं श.	
27×16 25;32	263 वां	,,	18 वीं श.	जीर्ण
14×11 18;14	2–5	,,	1846	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 928	22593 (2)	बैराग-बोध	
929	22472 (39)	ब्याहलो जोग-ग्रन्थ	जन हरिदास
930	22546 (17)	व्रज के मुख्य-स्थल	
931	22461 (7)	ब्रह्मजिज्ञासा	कबीर
932	22496 (11)	ब्रह्मदासजी की वाणी	स्वामी प्रभुदयाल
933	22493 (4)	ब्रह्मनिसाणी	सूरतराम
934	24429 (3)	ब्रह्मबोध-गोरख चौतीसो	
935	24465 (4)	भक्त-जोग	रामानन्द
936	22132 (1)	भक्तमाल	नारायणदास
937	24172 (3)	,,	रामदास
938	24443 (7)	,,	,,
939	22733	भक्तमाल-टीका 'भक्तदाम-गुणचित्रनी'	बालकदास
940	22083	भक्तमाल-टीका (भक्तरसबोध)	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×15 17; 16	52-59	अपूर्ण	1879	जीर्ण; अंतिमांश अप्राप्त
14×11 18; 14	5-7	पूर्ण	1846	जीर्ण; पत्रों पर संख्या नहीं
15.5×16 14; 22	1	अपूर्ण	1871	जीर्ण; ग्रन्थ का आदि अंत अप्राप्त
19×10 22; 14	181-183	,,	19 वीं श.	
13.5 ×8.5 8; 20	169-186	पूर्ण	19 वीं श.	
13×18 21; 16	5-7	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	117-118	,,	18 वीं. श.	
17×12 12; 25	39-40	,,	1967	
14×13 13; 20	14-48	अपूर्ण	1780	जीर्ण; पत्र संख्या 1-13, 16-21 अप्राप्त; लि क नथावत; लि.स्था. बीकानेर
10×6.5 6; 17	178-227	पूर्ण	19 वीं श.	
13×8.5 6; 11	142-192	,,	19 वीं श	जीर्ण; पत्र संख्या 1, 10, 11 तथा प्रारंभ व अंतिमांश अप्राप्त; विभिन्न हस्ताक्षरों से लिपिकृत ।
(?) 13; 36	2-365	अपूर्ण	19 वीं श.	
22.5×11 9; 27	1-210	,,	1857	पत्र संख्या 33 वां अप्राप्त; लि.क. बालकदास; लि. स्था. हरिमंदिर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 941	23300	भक्तमाल-टीका 'भक्ति रस बोधिनी'	मू. नाभादास टी. मथुरादास
942	22082	भक्तमाल-सटीक	नाभादास
943	23810	"	मू. नारायणदास टी. प्रियादास
944	24170 (4)	भक्त-विरुदावली	सरनदास
945	22504 (15)	भक्ति-जोग	रामानन्द
946	22465 (13)	भक्ति-भावन्ती	गैसानन्द
947	23066 (3)	"	लालदास
948	22504 (7)	भक्ति-विरुदावली	
949	22461 (4)	भगतमाल	भगतीदास
950	22465 (5)	"	
951	22137 (28)	भगतमाल का कवित्त	रामदास
952	22137 (40)	भगत-विरुदावली	श्रीदासजी
953	22106 (6)	भगतिजोग-ग्रन्थ	हरिचन्दसुत

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 10; 40	1–99	पूर्ण	19 वीं श.	
12×23 28; 16	1–127	,,	1829	जीर्ण; लि.क. अखैराम वैष्णव; लि स्था. अग्रावत नगर
25×13.5 12; 32	1–160	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र सं. 1–5, 7, 12–40 व अंतिमांश अप्राप्त
13×9 10; 14	61–65	पूर्ण	19 वीं श.	
17.5×8.5 10; 26	873-875	,,	1886	
12.5×15.5 11; 16	129–155	अपूर्ण	1780	जीर्ण; र.का. 1609 वि०; अंतिमांश अप्राप्त; र.स्था. मथुरापुरी
15.5×10 6; 19	7–59	,,	1782	जीर्ण; पत्र त्रुटित
17.5×8 5 10; 26	751–754	,,	1886	
19×10 22; 14	53–154	,,	19 वीं श.	लि.क भगवतीदास; लि.स्था. ग्राम सतलाना
12 5×15.5 11; 16	10-43	,,	1780	जीर्ण
24×17 24; 21	120–128	,,	19 वीं. श.	जीर्ण
24×17 24; 21	391 वां	अपूर्ण	19 वीं. श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व लेख अस्पष्ट
22 15 21; 18	212–231	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा			
954	22472 (18)	भयचिंतावणी	लालदास
955	22460 (13)	भरथरीजी की महिमा के पद	
956	22464 (8)	भरथरीजी कौ पद	
957	22472 (24)	भर्तृहरि की महिमा कौ पद	
958	22493 (29)	भर्तृहरि का श्लोक	
959	22458 (6)	भवतारण	
960	22474 (29)	भिक्षा-भेद	नारायण
961	22458 (10)	भेदसार	
962	22558 (29)	भोर की दम्पति-लीला	नागरीदास
963	22492 (7)	भ्रमतोड़	रामचरणदास
964	22105 (6)	भ्रमर-गीत	
965	24155 (5)	"	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11 18; 14	99-104	पूर्ण	1841	जीर्ण
19×14 22; 25	246-250	"	1876	जीर्ण
16×11 20; 18	243 वां	"	1825	जीर्ण; पत्र त्रुटित
14×11 18; 14	120-123	"	1846	जीर्ण
13×18 21; 16	119-120	"	19 वीं श.	
20.5×15 17; 17	152-167	"	1854	जीर्ण; कबीर व धर्मदास के बीच संवाद; लि.क पीताम्बरदास; लि.स्था. पीपलिया-ग्राम
15×12.5 14; 18	171-181	"	19 वीं श.	
20.5×15 17; 17	184-191	"	1854	जीर्ण; लि.क. पीताम्बरदास; लि.स्था. ग्राम-गोपलिया
25.5×17.5 19; 19	41-44	"	19 वीं श.	
8×6 6; 13	91-130	"	19 वीं श.	जीर्ण
11×8.5 7; 16	36-53	"	19 वीं श.	जीर्ण; ग्रन्थ के अंत में 'सनेहलीला' नाम अंकित है।
22×24 32; 41	44-46	"	19 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 966	22132 (6)	भ्रमर-गीता	जनमोहन
967	22461 (6)	मंगल	
968	22558 (16)	मजलिस-मंडन के स्फुट-दोहे	नागरीदास
969	22492 (5)	मनखण्डन	रामचरण
970	22545 (6)	„	„
971	22105 (4)	मनप्रसंग जोग-ग्रन्थ	
972	22472 (38)	„	जन हरिदास
973	22105 (5)	मनहठ जोग-ग्रन्थ	
974	22472 (37)	„	जन हरिदास
975	22497 (1)	मनोरथरामजी की वाणी	
976	24440 (13)	मनोहर-छन्द	कबीर
म. 977	22498 (2)	मयारामजी की वाणी	
978	22106 (20)	महादेव-प्रसंग	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×13 12; 17	70–80	पूर्ण	1780	जीर्ण; पत्र संख्या 63–69 रिक्त
19×10 22; 14	170–180	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
25.5×17.5 19; 19	17–24	पूर्ण	19 वीं श	
8×6 6; 13	67–75	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16×9 10; 27	36–39	,,	19 वीं श.	
11×8.5 7; 16	27–30	,,	19 वीं श.	जीर्ण
14×11 18; 14	4–5	,,	1846	जीर्ण; अनंकित पत्र
11×8.5 7; 16	30–36	,,	19 वीं श.	जीर्ण
14×11 18; 14	2–4	,,	1846	जीर्ण; पत्रों पर अंकन नहीं है।
15.5×10.5 18; 12	2–218	,,	19 वीं श.	पत्र संख्या 212–215 रिक्त।
10.5×7 5; 13	181–183	,,	1930	
12.5×10.5 14; 22	182–392	,,	1847	जीर्ण; र.का. 1845 वि० र.स्था. बून्दी
22×15 21; 18	373 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 979	22452 (43)	महापुरुषां रो सिमरण	सुन्दरदास, रसिक, कबीर, गोरख, कमाल, जनहरिदास, कान्हड़दास, मुरारिदास, नामदेव, जगजीवनदास
प. 980	22452 (44)	महापुरुषों के स्फुट-पद	
981	22472 (4)	मांसाहारी कौ अंग	कबीरदास
982	22240 (4)	माखनचोर-लीला	चरणदास
983	22492 (14)	माधोदासजी का कवित्त	
984	23063 (5)	मान-लीला	राय शिवदास
985	22134 (17)	मानसी-सेवा	रामानन्द
986	22137 (21)	"	"
987	23919 (3)	"	"
988	24443 (2)	"	"
989	24454 (8)	"	"
990	24471 (1)	"	"

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर ति पक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×13 35;26	565–566	पूर्ण	1844	जीर्ण; लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
26×13 35;26	566-572	,,	1844	,, ,,
14×11 18;14	10–11	,,	1846	जीर्ण; अन्तिमांश अप्राप्त
16×15 13;18	36-38	,,	19 वीं श.	
8×6 6;13	198–203	,,	19 वीं श.	जीर्ण
17×11.5 17;10	38–41	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16.5×19.5 29;20	428-429	,,	19 वीं श.	जीर्ण
24×17 24;21	97 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण
11×7.5 4;11	16-22	,,	19 वीं श.	
13×8 3 6;11	10 14	,,	19 वीं. श.	
21.5×15.5 19;17	89–90	,,	19 वीं. श.	
10.5×7.5 5;10	1–6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 991	22452 (41)	मुसनामो जोग-ग्रन्थ	वाजीन्द
992	24442 (5)	मुरलीरामजी महाराज की वाणी	
993	22134 (24)	मूल-पुराण	रामदास
994	22137 (8)	"	"
995	24443 (10)	"	"
996	22541 (7)	मोरध्वज की लावणी	सूरदास
997	22106 (10)	मोहमरदराजा की कथा	
998	22453 (12)	"	
999	22460 (8)	"	
1000	22463 (5)	"	जगन्नाथ
1001	24472 (14)	"	"
1002	22475 (6)	"	"
1003	22504 (3)	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×13 35;26	563–565	पूर्ण	1844	जीर्ण; लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
10 5×7.5 6;10	172–232	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	527–528	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	64–65	,,	19 वीं श.	जीर्ण
13×8.3 6;11	234–242	,,	19 वी. श.	
15.5×9 6;21	196–210	,,	20 वीं श.	जीर्ण
22×15 21;18	268–274	,,	19 वीं श.	जीर्ण
24×16.5 27;16	85–90	,,	19 वीं श.	
19×15 22;25	200–210	,,	1876	
15×12 12;19	198–209	,,	1895	
14×11 18;14	68–81	अपूर्ण	1841	जीर्ण; पत्र सं. 71–74 अप्राप्त
14×11.5 15;18	15–27	पूर्ण	1948	
17.5×8.5 10;26	407–440	,,	19 वीं श.	र.का. 1383 वि०

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
1004	22540 (11)	मोहमरदराजा की कथा	जगन्नाथ
1005	24161 (3)	,,	,,
1006	24461 (1)	,,	रामदास
1007	24440 (1)	रक्षा-बत्तीसी	रामदास रामसनेही
1008	24443 (14)	,,	,,
1009	24447 (7)	,,	,,
1010	24452 (6)	,,	,,
1011	22452 (38)	रज्जब की वाणी	
1012	24424 (1)	रथ रा पद	सूरदास, परमानन्द, कृष्णदास, कुम्भनदास, चतुर्भुज, छीतम स्वामी, जनगोविन्द रसिक
1013	22452 (8)	रमैणी	कबीरदास
1014	22452 (11)	,,	,,
1015	22464 (15)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×10.5 10;27	355–378	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; अंतिमांश अप्राप्त
15×16 17;14	11–24	"	1867	द्वितीय रचना संस्कृत में है।
20×10 7;21	1–35	"	19 वीं श.	र.का. वि॰ सं॰ 1841
10.5×7 5;13	1–12	"	1930	
13×8.3 6;11	308–314	"	19 वीं श.	
15.5×8.5 8;19	115–119	"	1952	
12×6.5 5;16	57–64	"	1941	
26×13 35;26	561–562	"	1844	जीर्ण; पत्र त्रुटित; लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
19.5×13.5 8;18	1–10	"	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध
26×13 35;26	207–215	"	1844	जीर्ण
26×13 35;26	216 वां	"	1844	जीर्ण; लि.स्था. पोकरण
16×11 20;18	352–357	"	1825	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1016	22504 (14)	रमैणी	कबीरदास
1017	24172 (9)	रविदासजी की परची	हरसागर
1018	24425 (1)	रसिकमाल	उत्तमदास रसिक
1019	22558 (21)	रसिक रस आनन्द	नागरीदास
1020	22459 (12)	रहरासि	गोरखनाथ
1021	22134 (6)	रांका बांकाजी की परची	अनन्तदास
1022	22453 (9)	,,	,,
1023	22463 (12)	,,	,,
1024	24425 (2)	राग पद-संग्रह	सूरदास
1025	24426 (1)	,,	तुलसीदास, अग्रदास
1026	22134 (1)	राघोदास की वाणी	राघोदास
1027	22137 (3)	,,	,,
1028	22137 (6)	राघोदास के पद	,,

नाप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×8.5 10;26	870–873	पूर्ण	1886	
10×6.5 6;17	394–455	,,	19 वीं श.	
21×14.5 15;12	1–16	,,	19 वीं श.	जीर्ण
25.5×17.5 19;19	44–48	,,	19 वीं श.	
16.5×10.5 20;19	204-205	,,	19 वीं श.	जीर्ण
16 5×19.5 29;20	206-212	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27;16	63–69	,,	19 वीं. श.	
15×12 12;19	255-270	,,	1895	
21×14.5 15;12	17–65	,,	19 वीं श.	सूरसागर में से संकलित'; पत्र जीर्ण-शीर्ण, जलसिक्त
20.2×12 13;18	1–120	,,	18 वीं श.	'राम-भक्ति सम्बन्धित पद'
16.5×19.5 29;20	4–100	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र त्रुटित व जलसिक्त। पत्र संख्या 1–3 अप्राप्त
24×17 24;21	55 वां	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
24×17 24;21	60 वां	,,	19 वीं श.	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा			
1029	22504 (12)	राजा-चोर वंक-चूल की कथा	प्रेमदास (प्रेम)
1030	22107 (2)	रामचन्द्रजी रा जनम री बधाई	
1031	22182	रामचरणजी की वाणी	
1032	22496 (2)	"	
1033	22501 (4)	"	
1034	22503 (1)	"	
1035	22506 (2	"	रामचरणदास
1036	22442 (1)	"	"
1037	22134 (33)	"	"
1038	22137 (47)	"	"
1039	22501 (2)	"	"
1040	22502 (2)	रामचरणदासजी की वाणी	
1041	22539 (1)	"	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×8.5 10;26	852-869	पूर्ण	1886	
13.5×13 16;17	63-65	,,	18 वीं श.	जीर्ण
15.5×10.5 12;22	1-22	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
13.5×8.5 8;20	27-90	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×8 8;24	744-809	,,	1905	
165×11.7 16;28	1-130	,,	19 वीं श.	
21×13.5 22;23	1-337	,,	20 वीं श.	स्वतन्त्र पत्रांकन
10.5×7.5 6;10	1-32	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	546-557	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	409-411	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
16.5×8 8;24	4-9	पूर्ण	1905	
15.5×10 10;20	65-428	,,	19 वीं श.	
15×10 8;15	1-228	अपूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 1042	22540 (3)	रामचरणदासजी की वाणी	
1043	22541 (2)	"	
1044	22545 (2)	"	
1045	24438	"	रामचरणदास
1046	24451 (1)	"	"
प. 1047	22506 (1)	रामजन की स्फुट-वाणी	
1048	24453	रामजन की वाणी	रामजन
1049	24442 (6)	रामजनजी महाराज का सबद	
1050	24172 (2)	रामदास महाराज की गिरा	
1051	24441 (2)	"	
1052	24447 (4)	रामदासजी महाराज की छुटकर वाणी	
1053	24449 (5)	रामदासजी महाराज का छुटकर सबद	रामदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×10.5 10,27	139-357	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र कीट-भक्षित व जीर्ण-शीर्ण; अंतिमांश अप्राप्त
15.5×9 6;21	1-4	पूर्ण	20 वीं श.	
16×5 10;27	11-12	„	19 वीं श.	
12×6.5 5;11	1-244	„	1921	लि.क. छीतमदास
12.5×8 8;15	1-84	„	19 वी. श.	
21×13.5 22;23	1-19	„	20 वीं श.	प्रारम्भ में लिपिकर्ता का विज्ञापन; शोभनलिपि; स्थान-स्थान पर रचनाकार ने उपनिषदों व पुराणों की उक्तियां उद्धृत की है।
15.5×10.5 16;25	20-217	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1-19 व अन्तिमांश अप्राप्त
10×7.5 6;10	232-271	पूर्ण	19 वीं श.	
10×6.5 6;17	136-177	„	19 वीं श.	
9.5×7.5 8;11	1-155	„	1874	लि क. भगवानदास; लि.स्था. समदड़ी
15.5×8.5 8;19	37-39	„	1952	
14.5×9.5 11;21	50-63	„	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1054	23097 (1)	रामदासजी महाराज की परची	परसराम
1055	22134 (4)	रामदासजी महाराज की वाणी	रामदास
1056	22134 (20)	"	"
1057	22137 (27)	"	"
1058	23919 (6)	"	"
1059	24440 (3)	"	"
1060	24443 (6)	"	"
1961	24452 (4)	"	"
1062	24454 (1)	"	जनरामदास
1063	22478 (3)	रामनाम भगत-माला	सुखसारणजी
1064	24451 (2)	रामप्रतापजी महाराज की वाणी	रामप्रताप
1065	22467 (5)	राम-बारखड़ी	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×17 20; 15	1–148	पूर्ण	1909	र. का. 1903 वि०; र.स्था. राम्हौला; (भरतखंड मरुधर मुल्क) लि.क. जैरामदास, शिष्य जाजूराम; लि.स्था. नसीराबाद
16.5×19.5 29; 20	181–199	,,	19 वीं श.	
16 5×19.5 29; 20	469–512	,,	19 वीं श.	
24×17 24; 21	106–120	,,	19 वीं श.	
11×7.5 4; 11	114–179	,,	19 वीं श.	
10.5×7 5; 13	18–41	,,	1930	
13×8.3 6; 11	93–142	,,	19 वीं श.	
12×6.5 5; 16	32–46	,,	1941	
21.5×15.5 19; 17	1–60	,,	19 वीं श.	पत्र संख्या 28 वां अप्राप्त
21.5×15.5 16; 25	1–21	,,	1911	लि.क. जालमचन्द; लि.स्था. नोखा
12.5×8 8; 15	84–94	,,	19 वीं. श.	
15×12 17; 19	12–16	,,	1943	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 1066	22132 (11)	रामभक्ति संबन्धित कवित्त-संग्रह	
1067	24470 (7)	राममन्त्र	कबीर
1068	23919 (11)	रामरक्षा-रेखता	दयालदास
1069	23097 (2)	रामरसायन	मानिकदास
1070	22106 (27)	राम-विभीषण-प्रसंग	चतुर्भुजदास
1071	22506 (17)	रामसत	
1072	22134 (30)	राम-सागर	कबीर
1073	22433	रामाज्ञा-सगुणप्रबन्ध	तुलसीदास
1074	22504 (13)	रामानन्दजी की चिन्तावणी	
1075	22467 (8)	रामावतार का धाम-क्षेत्र	
1076	22558 (12)	रास-रसलता	नागरीदास
1077	22137 (5)	रूपदास के पद	
1078	24428 (2)	रूपदासजी को कुत	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×13 12;17	110 वां	पूर्ण	1780	
12×7.5 7;14	35–37	,,	19 वीं. श.	
11×7.5 4;11	429–433	,,	19 वीं श.	
22×17 20;15	149–210	,,	1909	लि. क. जयरामदास; लि.स्था. नसीराबाद छावनी
22×15 21;18	373 वां	,,	19 वीं श.	
17.5×8.5 10;26	877–887	,,	1886	
16.5×19.5 29;20	534–538	,,	19 वीं श.	
29×14 15;36	1–12	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
17.5×8.5 10;26	869–870	पूर्ण	1886	
15×12 17;19	33–34	,,	1943	
25.5×17.5 19;19	12–13	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	58–60	,,	19 वीं श.	
21×13 11;20	28–51	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 1079	22134 (27)	रेखता	रामदास
1080	22137 (43)	,,	कालूरामजी महाराज
1081	22452 (5)	,,	सेवादास
1082	22461 (2)	,,	कबीर
1083	22479 (4)	,,	जन हरिदास
1084	22732 (17)	,,	
1085	24452 (11)	,,	दौलेश
1086	24452 (11)	,,	कबीर
1087	24452 (9)	रेखता-संग्रह	जन धीरम
1088	22106 (13)	रैदासजी की परची	अनन्तदास
1089	22134 (8)	,,	,,
1090	22453 (4)	,,	,,
1091	22460 (11)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29;20	531–532	पूर्ण	19 वीं श.	
24×17 24;21	400-401	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व लेख अस्पष्ट
26×13 35;26	124–126	,,	1844	लि.क. सेवादास; लि.स्था. पोकरण
19×10 22;14	102–117	,,	19 वीं श.	
14.5×20.5 23;19	135–136	,,	1888	
26×16.5 26;24	99 वां	,,	19 वीं श.	
12.5×6.5 5;16	95–100	,,	1941	
12.5×6.5 5;16	100-102	,,	1941	लि.क. साधु प्रतीतराम; लि.स्था. (रामद्वारा मोती चौक) जोधपुर
12.5×6.5 21;16	91-95	,,	1941	
22×15 21;18	288–297	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	224–237	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27;16	44–52	,,	19 वीं श.	
19×15 22;25	228–239	,,	1876	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 1092	22463 (15)	रैदासजी की परची	अनन्तदास
1093	22459 (26)	रैदासजी की वाणी	
1094	24429 (37)	रैदासजी की साखी व पद	रैदास
1095	22463 (30)	रैदासजी के फुटकर-पद	"
1096	22492 (6)	लक्ष्यालक्ष्य जोग-ग्रंथ	रामचरणदास
1097	22558 (7)	लगनाष्टक	नागरीदास
1098	22463 (4)	लालदासजी की भयचिंतावणी	लालदास
1099	22460 (23)	लालदासजी की वाणी	
1100	22467 (3)	लावणी मोरध्वज की	
1101	22505 (2)	लावणी	
1102	24465 (8)	"	जरणानाथ, रामदास
1103	23063 (6)	लीला-पचीसी	राय शिवदास
1104	22481 (7)	वन्दना	जन सेवादास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवद्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12 12; 19	297–318	पूर्ण	1855	
16.5×10.5 20; 19	378–383	,,	19 वीं श.	
27×16 35; 32	284–293	,,	18 वीं श.	
15×12 12; 19	440–493	,,	1895	
8×6 6; 13	75–91	,,	19 वी. श.	लि.क. रामदास
25.5×17.5 19; 19	5 वां	,,	19 वीं श.	
15×12 12; 19	191–198	,,	1895	
19×15 22; 25	280–288	,,	1876	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
15×12 17; 19	1–7	,,	1943	
19×11.5 9; 23	2–50	,,	19 वीं श.	
17×12 12; 25	57–58	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 17; 10	41–49	,,	1886	"रचना के अन्त में 'बाललीला' भी लिखा गया है।"
15.5×10 9; 16	283 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
1105	22486 (2)	वन्दना	दयालदास
1106	22488 (1)	वन्दना जोग-ग्रन्थ	जन सेवादास
1107	24424 (2)	वर्षा ऋतु के पद (मल्हार राग में)	सूरतदास, सूर, सूरजदास, परमानन्द, कृष्णदास, कुम्भनदास, चतुर्भुज
1108	22546 (20)	वल्लभरूप-वर्णन	
1109	22546 (14)	वलभाख्यान	
1110	22476 (4)	वाजीन्द की अरिल	वाजीन्द
1111	22482 (16)	"	"
1112	24442 (3)	"	"
1113	24454 (3)	वाजीन्द का चान्द्रायण	"
1114	22134 (36)	वाजीन्दजी की वाणी	"
1115	22452 (40)	"	"
1116	22474 (28)	"	"
1117	22464 (24)	वाजीन्दजी को पद	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×8.5 7; 13	19–20	पूर्ण	19 वीं श.	
10×6 7; 11	1–6	,,	1896	
19.5×13 5 8; 18	10–24	,,	19 वीं श.	
15.5×16 14; 22	156 वां	अपूर्ण	1871	पत्र कीट-भक्षित व जलसिक्त; ग्रन्थ का आद्यन्त अप्राप्त ।
15.5×16 14; 22	28 वां	,,	1871	अन्तिमांश अप्राप्त
12.5×9.5 10; 16	63–71	पूर्ण	19 वीं श.	
15×10 7; 14	481–498	,,	19 वीं श.	
10.5×7.5 6; 10	147–170	,,	19 वीं श.	
21.5×15.5 19; 17	71–77	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	661–665	,,	19 वीं श.	
26×13 35; 26	563 वां	,,	1844	पत्र त्रुटित; लि.क. साधु शोभाराम; लि.स्था. पोकरण
15×12.5 14; 18	160–171	,,	19 वीं श.	
16×11 20; 18	521–522	,,	1825	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा			
1118	22493 (5)	विचार-निसाणी	सुखराम
1119	22474 (24)	विचार-माल	जन अनाथ
1120	22479 (7)	"	जन हरिदास
1121	22458 (9)	विज्ञान-सार	
1122	22474 (32)	विरक्त को अंग	रज्जब
1123	22482 (15)	विरद-सत का दूहा	
1124	22546 (16)	विरह के पद	
1125	22474 (21)	विवेक-चितावनी	सुन्दरदास
1126	22475 (12)	विष्णु अट्ठाईस नाम	
1127	22558 (18)	विहार-चन्द्रिका	नागरीदास
1128	22105 (1)	वीररस वैराग्य जोग-ग्रन्थ	
1129	23098	वृन्दावन-माधुरी	रूपरसिक
1130	22133 (8)	वृन्दावन री भक्ति रा दूहा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×18 21;16	8 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
15×12.5 14;18	140–159	"	19 वीं श.	
14.5×20.5 23;19	174–184	"	1888	र.का 1726 वि०। लि.क. नृसिंहदास; लि.स्था. लक्ष्मणगढ
20.5×15 17;17	180–184	"	1854	लि.क. पीताम्बरदास; लि स्था. ग्राम-पीपलिया
15×12.5 14;18	182–183	"	19 वीं श.	
15×10 7;14	470–481	"	19 वीं श.	
15.5×16 14;22	1–20	अपूर्ण	1871	अन्तिमांश अप्राप्त
15×12.5 14;18	121–125	पूर्ण	19 वीं श.	
14×11.5 15;18	44–45	"	19 वीं श	
25.5×17.5 19;19	26–32	"	19 वीं श.	
11×8.5 7;16	1–9	"	19 वीं श.	
31×13.5 14;35	1–3	"	19 वीं श.	
19.5×22 21;29	109–125	अपूर्ण	1803	अन्तिमांश अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा.			
1131	22774 (5)	वेदविचार	सुन्दरदास
1132	22457 (1)	शक्ति भक्ति-प्रकाश	मुंशी मावौराम माथुर
1133	22549 (2)	"	"
1134	22493 (13)	शबरी कौ ग्रन्थ	खेमदास
1135	22492 (3)	शब्द-प्रकाश	रामचरण
1136	24446 (1)	शब्द-सुचनिका	संतदास, रामचरणदास; रामदास, परसराम
1137	25557 (2)	श्वांस-गुञ्जार	
1138	24429 (7)	शिक्षा-दर्शन	
1139	23918	शिक्षापत्र-टीका	मू० हरिराम; टी० गोपेश्वर
1140	22459 (8)	शिष्य-दर्शन	गोरखनाथ
1141	22453 (15)	शुक-संवाद	
1142	22460 (7)	"	
1143	22463 (19)	"	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12.5 14; 18	52–54	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×16 10; 9	17–59	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1–16 अप्राप्त
16×10.5 9; 20	1–36	पूर्ण	1931	"प्रथम कृति संस्कृत भाषा में" लि.क. थानूलाल कायस्थ, चोत्रा र.स्था. मेड़ता
13×18 21; 16	33–34	"	19 वीं श.	
8×6 6; 13	29–37	"	19 वीं श.	
12.5×8 8; 20	1–165	"	19 वीं श.	
12×21.5 21; 17	100–175	"	19 वीं श.	कबीर व धर्मदास संवाद
27×16 35; 32	124 वां	"	18 वीं श.	
31.5×20 26; 17	1–246	"	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	199-201	"	19 वीं श.	
25×16.5 27; 16	95–103	"	19 वीं. श.	
19×15 22; 25	182–200	"	1876	
15×12 12; 19	368–388	"	1895	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा. 1144	22472 (12)	शुक-संवाद	
1145	22132 (2)	श्री गोवरधन-लीला	
1146	22106 (1)	श्री दयालजी कौ कृत	
1147	22540 (5)	श्री रामरसजी की वाणी	
1148	22134 (26)	षट्-दर्शन	रामदास
1149	24429 (17)	षडाक्षर	
1150	22459 (13)	षडाक्षरी	गोरखनाथ
1151	22134 (3)	संतदासजी की फुटकर वाणी	संतदास
1152	22496 (1)	सन्तदासजी की वाणी	
1153	22501 (1)	"	
1154	22502 (1)	"	
1155	22504 (1)	"	
1156	22540 (1)	"	नवलराम

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12 18;14	31–51	पूर्ण	1841	
14×13 12;17	53–57	,,	1780	लि.क. अजबा बागड़ी; लि.स्था. बीकानेर
20×15 21;18	1–14	,,	1832	
17×10.5 10;27	236–308	अपूर्ण	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	529–531	पूर्ण	19 वीं श.	
27×16 35;32	133 वां	,,	18 वीं श.	
16.5×10.5 20;19	205 वां	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29,20	169-181	,,	19 वीं श.	
13×8.5 8;20	2–27	,,	19 वीं श.	पत्र संख्या 1 रिक्त
16.5 8 8;24	1–4	,,	1905	लि.क. श्यामदास; लि.स्था. अकबरपुर
15.5×10 10;20	1–65	,,	19 वीं श.	
17.5×8.5 10;26	4–377	,,	19 वीं श.	सुन्दर प्रति, शोभन लिपि। पत्र संख्या 1–3 रिक्त पत्र संख्या 4–5 पर सुन्दर बोर्डर
17×10.5 10;27	41–138	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1832 वि.; पत्र सं० 1–40 अप्राप्त; लि.स्था. शाहपुरा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1157	22545 (1)	संतदासजी की वाणी	सन्तदास
1158	22458 (7)	संतोष-बोध	
1159	22464 (12)	संतस्मरण	कमाल, कबीर, जनहरिदास, कान्हड़दास; आनन्ददास
1160	22475 (2)	सज्जनविरुदावली	पूरणदास
1161	22458 (8)	सतनाम का जंजीरा	
1162	22474 (11)	सद्‌गुरुमहिमा-निशानी	सुन्दरदास
1163	22100 (1)	सनेह-लीला	
1164	22100 (2)	"	
1165	24169 (2)	"	रसिकराय
1166	22467 (11)	सप्तपुरी	
1167	24429 (12)	सप्तवार नवग्रह-ग्रन्थ	
1168	22452 (26)	सबदी-संग्रह	
1169	22459 (15)	"	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×9 10;27	3-11	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1–2 रिक्त
20.5×15 17;17	167-178	"	1854	लि.क. पीताम्बरदास। लि.स्था. पीपलिया-ग्राम
16×11 20;18	275-276	"	1825	
14×11.5 15;18	3 रा	"	19 वी. श.	
20.5×15 17;17	178-180	"	1854	
15×12.5 14;18	73-75	"	19 वीं श.	
19×9.5 9;23	1-10	"	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
19×9.5 9;23	2-7	अपूर्ण	19 वीं श.	स्वतन्त्र पत्रांकन; प्रथम पत्र तथा अन्तिमांश अप्राप्त
13×9.5 8;13	17-36	पूर्ण	19 वीं श.	
15×12 17;19	34 वां	"	1943	
27×16 35;32	126 वां	"	18 वीं श.	
26×13 35;26	508-522	"	1844	
16.5×10.5 20;19	229-230	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 1170	22464 (9)	सबदी-संग्रह	
1171	22472 (20)	,,	
1172	22134 (11)	समन सेऊजी की परची	अनन्तदास
1173	22263 (2)	,,	,,
1174	22453 (8)	,,	,,
1175	22460 (15)	,,	,,
1176	22463 (9)	,,	,,
1177	22472 (33)	,,	,,
1178	22475 (23)	,,	रघुनाथ
1179	22493 (9)	,,	अनन्तदास
1180	22497 (2)	,,	,,
1181	22545 (11)	,,	,,
1182	24172 (7)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×11 20;18	243–272	पूर्ण	1825	
14×11 18;14	106–116	,,	1841	
16.5×19.5 29;20	285–288	,,	19 वीं श	
13.5×9.5 12;23	8–12	,,	19 वीं. श.	
24×16.5 27;16	61–63	,,	19 वीं श.	
19×15 22;25	251–253	,,	1876	
15×12 12;29	238–242	,,	1895	
14×11 18;14	139–142	,,	1946	
14×11.5 15;18	76–82	,,	1948	
13×18 21;16	22–26	,,	19 वीं श.	
15.5×10.5 18;12	230–235	,,	19 वीं श.	पत्र संख्या 219–229 अप्राप्त
16×9 10;27	83–89	,,	19 वीं श.	
10×6.5 6;17	321–334	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 1183	24442 (8)	समन सेऊजी की परची	अनन्तदास
1184	24468 (5)	,,	,,
1185	24469 (2)	,,	,,
1186	22134 (276)	सवंग संत-विचार	नवलराम
1187	22482 (12)	सर्वंगसार	रामचरण
1188	22499 (3)	,,	
1189	22501 (3)	,,	
1190	22502 (3)	,,	
1191	22503 (2)	,,	
1192	22504 (8)	,,	
1193	22540 (9)	,,	
1194	22474 (1)	सर्वांगयोग-प्रदीपिका	सुन्दरदास
1195	22488 (6)	सरोदो	चरणदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×7.5 6; 10	279–286	पूर्ण	19 वीं श.	
11.5×8.5 7; 11	95–107	,,	1934	
12 5×8.8 6; 11	18–33	,,	1955	
16.5×19.5 29; 20	711–829	,,	19 वीं श.	पत्र परस्पर चिपके हुए हैं।
15×10 7; 14	258–367	,,	19 वीं श.	लि.क. साधु रामस्वरूप लि.स्था. अजमेर
15 5×11 12; 15	13–183	,,	19 वीं श.	
16.5×8 8; 24	7–744	,,	1905	
15.5×10 10; 20	428–517	,,	19 वीं श	
16 5×11.7 16; 28	130–446	,,	19 वीं श.	
17.5×8.5 10; 26	754–770	,,	1886	
17×10 5 10; 27	320–332	,,	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	2–23	अपूर्ण	19 वीं श	प्रथम पत्र अप्राप्त
10×6 7; 17	161–248	पूर्ण	1896	लि.क. रघुवरदास लि.स्था. लाडोली नगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1196	22134 (279)	सवैया	
1197	22452 (3)	"	सेवादास
1198	24440 (11)	"	साईंदीन
1199	22474 (17)	सहजानन्द	सुन्दरदास
1200	22474 (30)	सांचाणक कौ अंग	रज्जबदास
1201	22473 (2)	साखी	जन हरिदास
1202	22474 (3)	"	वाजीन्द
1203	22474 (33)	"	तुरसी
1204	22481 (5)	"	जन हरिदास
1205	22482 (3)	"	कबीरदास
1206	22482 (9)	"	सन्तदास
1207	22482 (10)	"	भगवानदास
1208	22482 (11)	"	मुक्तराम

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29; 20	851–854	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×13 35; 26	118–121	पूर्ण	1844	लि.क. साधु शोभाराम लि.स्था. पोकरण
10.5×7 5; 13	147–148	"	1930	
15×12.5 14; 18	107–109	"	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	181–182	"	19 वीं श.	
9×14.5 12; 20	267–296	"	1868	लि.क. साधु रामप्रताप लि.स्था. मूंडवा
15×12.5 14; 18	18 वां	"	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	183–184	"	19 वीं श.	
15.5×10 9; 16	237–277	"	19 वीं श.	
15×10 7; 14	169–177	"	19 वीं श.	
15×10 7; 14	209–222	"	19 वीं श.	
15×10 7; 14	222–248	"	19 वीं श.	
15×10 7; 14	248–257	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1209	22490 (1)	साखी	जन सेवादास
1210	22732 (19)	,,	सुन्दरदास
1211	24440 (15)	,,	कबीरदास
1212	24471 (8)	,,	,,
1213	22465 (3)	साखी-संग्रह	समनसेऊ
1214	24454 (5)	,,	तुलसीदास
1215	22459 (21)	साध को ब्योरो	
1216	24440 (8)	साधु गुपतरामजी की वाणी	गुप्तराम
1217	22472 (3)	साधु महात्मा कौ अंग	कबीरदास
1218	22464 (23)	सिद्धवन्दना	प्रेमदास
1219	22459 (16)	,,	
1220	22137 (25)	सिमरण कौ अंग	हरिरामदास
1221	22451	सीताराम ध्यानमञ्जरी	स्वामी अग्रदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×7.5 6; 10	282–286	पूर्ण	19 वीं श.	ग्रन्थ में शेष संस्कृत की रचनाएं हैं।
26×16.5 26; 24	101–102	,,	18 वीं श.	
10.5×7 5; 13	210–211	,,	1930	
10.5×7.5 8; 15	58–60	,,	19 वीं श.	
12.5×15.5 11; 16	5-6	,,	18 वीं श.	
21.5×15.5 19; 17	84–86	,,	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	243–244	,,	19 वीं श.	
10.5×7 5; 13	95–137	,,	1930	
14×11 18; 14	9–10	,,	1846	
16×11 20; 18	520–521	,,	1825	
16.5×10.5 20; 19	236–238	,,	19 वीं. श	
24×17 24; 21	102–104	,,	19 वीं श.	
8×7 5; 8	1–38	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ.सा.			
1222	22493 (21)	सीता-संवाद	लालदास
1223	22558 (14)	सीतासार	नागरीदास
1224	24454 (4)	सुन्दरदासजी की चितावणी	सुन्दरदास
1225	22452 (39)	सुन्दरदासजी का पद	
1226	22465 (9)	सुन्दरदास की वाणी	सुन्दरदास
1227	22468 (1)	,,	,,
1228	24166 (1)	,,	,,
1229	22461 (3)	सुन्दरदासजी रा सवैया	,,
1230	22843 (2)	,,	
1231	22106 (9)	सुखसमाधि	
1232	22134 (268)	,,	
1233	22474 (3)	,,	,,
1234	22506 (11)	,,	खेमदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×18 21; 16	109–112	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×17.5 19; 19	14–15	"	19 वीं श.	
21.5×15.5 19; 17	77–84	"	19 वीं श.	
26×13 35; 26	562–563	"	1844	लि क. साधु शोभाराम लि स्था॰ पोकरण
12.5×15.5 11; 16	100–110	"	1780	
17×13 11; 17	1–34	"	19 वीं श	
12×10 11; 18	3–119	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भिक पत्र पर सुन्दर बॉर्डर है; पत्र संख्या 1–2 अप्राप्त
19×10 22; 14	117–153	पूर्ण	19 वीं श.	
14×9 10; 23	309–435	"	19 वीं श.	
22×15 21; 18	256–268	"	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	670–688	"	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	47–50	"	19 वीं श.	
17.5×8.5 10; 26	831–852	"	1886	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा 1235	22472 (2)	सुमरन कौ अंग	कबीरदास
1236	22472 (6)	सुरातन कौ प्रकरण	तुरसी
1237	22472 (29)	सूरदासजी कौ पद	सूरदास
1238	24429 (19)	सृष्टि-पुराण	गोरखनाथ
1239	22452 (1)	सेवादासजी वाणी	सेवादास
1240	22452 (2)	सेवादास के कवित्त	"
1241	22494 (7)	सेवादासजी की कुण्डलियाँ	"
1242	22460 (4)	सेवादासजी की कृति	
1243	22452 (34)	सेवादासजी की महिमा की कुण्डलियाँ	"
1244	22459 (23)	सेवादासजी की वाणी	
1245	22464 (1)	"	
1246	22452 (6)	सेवादासजी के पद	"
1247	24429 (11)	सोलह-तिथि	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11 18;14	4–9	अपूर्ण	1846	पत्र संख्या 5–6 अप्राप्त
14×11 18;14	1–13	पूर्ण	1846	अन्तिमांश अप्राप्त
14×11 18;14	127–129	,,	1846	
27×16 35;32	34 वां	,,	18 वीं. श.	
26×13 35;26	1–117	,,	1844	लि.क. साधु शोभाराम लि.स्था. पोकरण
26×13 35;26	117–118	,,	1844	,,
15×17 18;21	548–573	,,	1855	लि.क. साधु सहजराम लि स्था. खाटू ग्राम
19×15 22;25	116-143	,,	1876	
26×13 35;26	558 वां	,,	1844	लि.क. साधु शोभाराम लि.स्था. पोकरण
16.5×10.10 20;19	248–357	,,	19 वीं श.	
16×11 20;18	1–164	,,	19 वीं श	
26×13 35;26	126–172	,,	1844	,,
27×16 35;32	125-126	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1248	22475 (10)	स्नेह-लीला भ्रमर-गीता	मोहनदास
1249	22564 (13)	,,	
1250	22432 (8)	स्नेह-संग्राम	सवाई प्रतापसिंहदेव
1251	22474 (4)	स्वप्न-प्रबोध	सुन्दरदास
1252	22540 (2)	स्वामी कृपारामजी को कवित्त	
1253	22365	स्वामी दादूदयालजी की महिमा के कवित्त	
1254	22499 (2)	स्वामी सूरतराम की वाणी	
1255	22459 (30)	स्वामी सेवादास की परची	
1256	22494 (6)	स्वामी हरिदासजी को कृत	हरिदास
1257	22557 (3)	हंस-मुक्तावली	
1258	22464 (7)	हणवन्तजी का पद	
1259	22739	हनुमान-जाप	तुलसीदास
1260	22134 (14)	हरजस	परसराम तथा अनंतदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×11 5 15; 18	34-44	पूर्ण	1948	लि क. पूरणदास निरंजनी लि स्था. थोब ग्राम
15.5×16 14; 22	20-28	अपूर्ण	1871	पत्रांक 21, 23, 27 अप्राप्त तथा पत्रांक 1-12 तक कृतियां संस्कृत भाषा में है।
26×16.5 26; 24	54-61	पूर्ण	19 वीं श.	
15×12.5 14; 18	50-52	,,	19 वीं श.	
17×10.5 10; 27	138-139	,,	19 वीं श.	स्वामी कृपारामजी को परमधाम प्राप्त हुआ जिस समय का कवित्त
25×12 14; 38	1	,,	19 वीं श	
15.5×12 12; 25	10-13	,,	19 वीं श.	पत्र संख्या 10 का पुनरावृत्ति है
16 5×10.5 20; 19	430-456	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
15×17 18; 21	402-548	,,	1855	
12×21 5 21; 17	175-194	,,	19 वीं श	'कबीर-धर्मदास संवाद; पत्र त्रुटित एवं जीर्ण-शीर्ण; पत्र सं. 192-193 अप्राप्त ।
16×11 20; 18	242-243	,,	1825	पत्र त्रुटित
16 5×8.5 8; 19	1-10	,,	19 वीं श.	
16.5×19.5 29; 20	295-300	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7.भ.सा. 1261	22134 (18)	हरजस	स्वामी जैमलदास
1262	22134 (29)	,,	रामदास
1263	23919 (13)	,,	सहजराम, कबीर
1264	24443 (12)	,,	रामदास
1265	24468 (6)	,, (भजन-पद)	जन हरिराम, कबीर, रामदास जन धालबाल
1266	24471 (6)	,,	जन हरिराम
1267	22453 (11)	हरिचन्दसत-भाषा	
1268	22463 (2)	,,	ध्यानदास
1269	22482 (14)	,,	,,
1270	22504 (10)	,,	,,
1271	22532 (4)	,,	,,
1272	22463 (1)	हरिदासजी की वाणी	
1277	22464 (3)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×19.5 29;20	429–431	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×19.5 29;20	532–534	,,	19 वीं श.	
11×7.5 4;11	441–464	,,	19 वीं श	
13×8.3 6;11	248-265	,,	19 वी. श.	
11.5×8.5 7;11	107–123	,,	1934	लि.क. चतुरदास
10.5×7.5 8;15	38–53	,,	19 वीं श.	
24×16.5 27;16	73–85	,,	19 वीं श.	
15×12 12;19	154–185	,,	1895	
15×10 7;14	409–470	,,	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
17.5×8.5 10;26	795-831	,,	1886	
15.5×9.5 11;20	50–52	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×12 12;19	1–154	पूर्ण	1895	र.स्था. बेगमपुरा लि.क. साधु चिमनराम लि.स्था. नागौर
16×11 20;18	168-233	,,	1825	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा. 1274	22429 (25)	हरिदासजी की साखी	
1275	22479 (1)	हरिदासजी के जोग ग्रन्थ	हरिदास
1276	22474 (19)	हरिबोल चितावणी	सुन्दरदास
1277	22493 (11)	,,	सुन्दरदास
1278	24170 (5)	,,	
1279	22134 (19)	हररामदासजी महाराज की वाणी	हररामदास
1280	24449 (4)	हररामदासजी महाराज का छुटकर सबद	,,
1281	24443 (5)	हरिरामदासजी महाराज का पद	,,
1282	24465 (6)	,,	हरिरामदास
1283	24172 (1)	हरिरामदासजी महाराज की वाणी	
1284	23919 (5)	,,	,,
1285	24440 (2)	,,	,,
1286	24447 (3)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण / अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×16 35; 32	141–157	पूर्ण	18 वीं श.	
14.5×20.5 23; 19	1–80	"	1888	
15×12.5 14; 18	111–119	"	19 वीं श.	
13×18 21; 16	29–30	"	19 वीं श.	
13×9 10; 14	65–67	"	19 वीं श.	
16 5×19.5 29; 20	431–469	"	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
14.5×9.5 11; 21	38–49	"	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
13×8.3 6; 11	28–93	"	19 वीं श.	
17×12 12; 25	42–55	"	19 वीं श.	
10×6.5 6; 17	51–135	"	19 वीं श.	
11×7.5 4; 11	50–114	"	19 वीं श.	
10.5×7 5; 13	13–18	"	1930	
15.5×8.5 8; 19	9–37	"	1952	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भ. सा. 1287	24452 (3)	हरिरामदासजी महाराज की वाणी	हरिरामदास
1288	24454 (9)	,,	,,
1289	24468 (1)	,,	रामदास
1290	24471 (4)	,,	हरिरामदास
1291	24465 (2)	,,	,,
1292	22505 (7)	हरिहरबोल	
1293	24420	हिण्डोरों के कीर्तन	
1294	24444 (3)	हिण्डोरा के पद	कृष्णदास, गोविन्द, नन्द-दास, रसिक, गोपालदास, धमदास, सूरदास, विच्छल, गोविन्द, गदाधर, विठ्ठल, गिरिधर
1295	22240 (2)	हिण्डोलणा	
1296	22240 (6)	होरियां	चरणदास, ब्रह्मदास, मीरां, ब्रजनन्द
1297	24440 (16)	,,	कबीर, सूर, पोपा, राम-दास, नरसी, दादू, नन्ददास, उदय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.6×6.5 5;16	59-32	पूर्ण	1941	
21 5×15.5 19;17	90-100	,,	19 वीं श.	
11.5×8.5 7;11	1-77	,,	1934	
10.5×7.5 8;15	23-29	,,	19 वीं श.	
17×12 12;25	8 29	,,	19 वीं श.	
19×11.5 9;23	148-158	,,	19 वीं श	
25.5×17.5 16;14	1-46	,,	19 वीं श	ग्रन्थ के प्रारम्भ में अनुक्रमणिका है।
19 5×13.5 8;18	24-33	अपूर्ण	19 वीं श	अन्तिमांश अप्राप्त पत्र कीट-भक्षित
16×15 13;18	14-32	पूर्ण	19 वीं श.	
16×15 13;18	40-48	,,	19 वीं श	
10.5×7 5;13	211-227	,,	1930	लि.क. खिम्यादास लि.स्था. सवाई जयपुर

क्रमांक एव विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
7. भ. सा प. 1298	24418	होरी-पद-संग्रह	
1299	22137 (44)	होरी-संग्रह	सूरदास, चतुरदास, जन-हरिराम. सेवकराम; कबीरदास, दयालदास, मीरां, रामचरणदास
8. क. वार्त्ता 1300	22837 (2)	अजा-सोलंकी री वार्ता	
1301	24155 (2)	अनन्तराय सांखला री कथा-वार्ता	
1302	22532 (5)	चन्द्रकुंवर री वार्ता	
1303	22133 (4)	जलाल गाहांणी री वार्ता	
1304	24113	,,	
1305	22484 (1)	ढोला-मारवण री वार्ता	
1306	22544 (10)	,, (चौपाईबद्ध)	हरराज यादव रावल
1307	24158 (2)	पलक दरियाव री कथा	
1308	24106	पञ्चाख्यान कथा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×17 26;25	1–131	पूर्ण	19 वीं श.	विभिन्न रागों में निबद्ध होरियां।
24×17 24;21	402–406	,,	19 वीं श.	
27×17.5 26;23	11–24	,,	1938	
22×24 32;41	4–6	अपूर्ण	1823	र.का 1373 वि०; लि क. पं. सात्रसमुद्र; लि.स्था. लीलामा ग्राम। तृतीय पत्र अप्राप्त
15.5×9.5 11;20	53–83	पूर्ण	19 वीं श	
19.5×22 21;29	78–19	,,	1803	
25.5×10.5 15;38	19	,,	18 वीं श	
21×13 21;19	1–51	,,	1956	लि क सागरचन्द लि स्था. पीपलोदा
20.5×15.5 19;21	1–32	,,	1841	9वीं रचना संस्कृत में है। लि.क. अमरचन्द लि.स्था. सारूंडा ग्राम
18×14.5 12;20	22–76	,,	19 वीं श.	
25.5×10 19;64	16	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
8. क.वार्त्ता			
1309	22838	बहलीराम साहिब री बात	
1310	22133 (3)	मधुमालती की कथा	चतुर्भुजदास
1311	24417 (3)	,,	
1312	22839	रतना हमीर री बात	
1313	22548 (1)	राजा रिसालुकुमार री वार्ता	नरबद चारण
1314	22532 (1)	राजा रिसालु री वार्ता	,,
1315	24123	शाहजादा कुतुबुद्दीनसाही री वार्ता	
1316	22840	सदैवच्छ सावलिंगा री वार्ता	
1317	24201	सासू-जमाई नी कथा	
1318	24122	सिंघासन-बत्तीसी	मेघजा (उद्योतविजय शिष्य गुणविजय)
1319	23066 (14)	सुसीपना की वात	
1320	24489 (6)	सोरठ री वार्ता	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×17 22; 18	90	पूर्ण	1942	पत्र त्रुटित; कीटविद्ध व जलसिक्त
19.5×22 21; 29	44-77	,,	1803	पत्र त्रुटित व जलसिक्त; लि.क. भैंरूदास लि.स्था. देवली ग्राम
26×21 25; 29	35-61	,,	1825	पत्र त्रुटित व जलसिक्त। लि क. रामचन्द्र लि.स्था. जगत्तारणी
20×16.5 17; 15	47	,,	1935	लि.क. अर्जुनसिंहराय
10×12.5 13; 11	3-30	,,	1844	पत्र सं. 2 पर अन्य अपूर्ण रचना है।; लि.क. रामचन्द; लि.स्था. खीमेल नगर। पत्र सख्या 1 व 6 अप्राप्त।
15.5×9.5 11; 20	1-37	,,	1926	पत्र जलसिक्त व त्रुटित
25.2×10.5 15; 47	7	,,	1779	पत्र जलसिक्त; लि.क. ताराचन्द। लि.स्था. पाटोदी
25.5×17 19; 17	90	,,	19 वीं श	पत्र त्रुटित
25.5×10.8 13; 31	8	,,	19 वीं श.	
25×10.5 17; 42	31	,,	1788	लि.क. धर्मसुन्दरगणि लि.स्था. फलौदी
15.5×10 6; 19	242-275	,,	1793	पत्र जीर्ण-शीर्ण लि.क. जोधा
25.5×11.5 15; 40	101-108	,,	1834	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
8. क.वा. 1321	24155 (3)	हितोपदेश पञ्चाख्यान-भाषा	
1322	24301	"	
1323	23064 (19)	"	
1324	23064 (16)	"	
1325	244.7 (1)	"	
1326	24466 (2)	"	
1327	22551	"	
10 का.शा. 1328	24334 (2)	कृष्ण-राधिका	
1329	24338	छंद-रत्नावली	हरिरामदास निरंजनी
1330	23543	"	रामदास निरंजनी डीडवानिया
म. 1331	24164 (2)	नख-शिख वर्णन	बलिभद्र
म. 1332	23974 (2)	बिहारी-अलङ्कार (सतसैया-अलङ्कार)	
1337	23525 (2)	माणकुतूहल	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×24 32;41	7–33	पूर्ण	1824	लि.स्था. रायपुर
24×11 12;27	65	,,	1880	लि.क. पंडित गौडीचंद लि.स्था. आड ग्राम
16×12.5 17;24	33–34	,,	19 वीं श	
16×12 5 17;24	31 वां	,,	19 वीं श.	
26×21 25;31	1–47	,,	1825	लि.क. रामचन्द्र लि स्था. जगततारणी
18×14 15;27	5–110	,,	1884	पत्र कीटविद्ध
20×14 15;13	12–134	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1-11 व अन्तिमांश अप्राप्त
24 5×10 15;34	31–34	पूर्ण	1833	लि.क. पं. दौलतराम लि.स्था. मारोठ कोट
25×12 13;39	12	,,	1908	र का. 1795वि.; र.स्था डीडवाना। लि.क. मेहरचन्द; लि.स्था. इन्दौर
29.5×12.5 8;34	20	,,	1902	
13.5×11 9;13	1–20	,,	1832	स्वतन्त्र पत्रांकन; लि.क. चिरंजीव चन्द्रसेन
23×11 10;24	71–82	,,	19 वीं श.	
19.5×23 20;29	31–37	,,	1682	लि क. तिलक लि.स्था. वाल्ही ग्राम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
10 का.शा. 1334	24423 (1)	रसार्णव	सुखदेव मिश्र
1335	24075	रसिकप्रिया	केशवदास
1336	22646	रसिकप्रिया-टीका "जोरावर प्रकाश"	,,
1337	22558 (17)	रसिक-रत्नावली	नागरीदास
1338	24423 (2)	रसिक-शिरोमणी	रसिकनाथ
1339	22133 (1)	सुन्दर-शृंगार	सुन्दरदास महाकवि
1340	22450	,,	,,
1341	24334 (1)	,,	
11. व्याक 1342	24161 (5)	धातु-विभक्ति	
1343	22548 (13)	सिद्धोवर्ण	
1344	24159 (12)	,,	
12. कोष 1345	23187	अनेकार्थध्वनिमञ्जरी	नन्ददास
1346	23063 (1)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×15.5 17;17	1–47	अपूर्ण	19 वीं श.	लि.क. कनीराम पत्र संख्या 2–3 अप्राप्त
25×10.5 13;42	37	,,	18 वीं श	अन्तिमांश अप्राप्त
21×16 15;15	88	,,	19 वीं श.	ठाकुर जोरावरसिंह हेतु
25.5×17.5 19;19	24–26	पूर्ण	19 वीं श.	
23×15.5 17;17	1–84	,,	19 वीं श.	
19.5×22 21;29	5–26	अपूर्ण	1803	लि.क. भैरूदास लि.स्था. नागौर। पत्र 1–4 अप्राप्त
30×16 60;38	1	,,	19 वीं श	अंतिमांश अप्राप्त
24.5×10 15;34	1–31	पूर्ण	1833	
15×16 17;34	25 वां	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	62–65	,,	1844	
18×13.5 14;20	69–73	,,	19 वीं श.	
32×14.5 15;50	4	,,	1839	
17×11.5 17;10	1–15	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
12. कोष			
1347	24213	अनेकार्थमञ्जरी	नन्ददास
1348	23063 (2)	नाममाला	"
1349	23689	"	"
1350	23168	बाराखड़ी	सुदामा
13. आयु.			
1351	23042	अमृतसागर	सवाई प्रतापसिंह
1352	24436	"	"
1353	24153	आत्मप्रकाश	आत्माराम शिष्य दौलतराम
1354	23860 (10)	आयुर्वेद के स्फुट नुस्खे	
1355	24161 (1)	"	
1356	24442 (11)	"	
1357	22570 (31)	आयुर्वेद-ग्रन्थ	
1358	23664 (39)	औषध मर्दानगी री	
1359	22358	कोडीया-रसकरण-विधि	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×10.5 10; 27	9	पूर्ण	1932	
17×11.5 17; 10	1-30	,,	19 वीं श	
26.5×12.5 25; 45	4	,,	18 वीं श.	
25×13.5 11; 27	4	,,	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध
24.5×12 13; 34	2-53	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र तथा अन्तिमांश अप्राप्त।
26.5×13 12; 37	334	,,	1908	पत्र त्रुटित; पत्र सं. 161, 187, 286 अप्राप्त तथा पत्र संख्या 117 दो बार।
31.8×16 15; 48	167	अपूर्ण	1902	ग्रन्थ अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण लि.क. लक्ष्मणसिंह राठोड़
27.5×12.5 12, 34	1-2	,,	19 वीं श	
15×16 17; 14	1-3	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5×7.5 6; 10	293-294	,,	19 वीं श.	
20.2×12 25; 15	22-43	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17; 24	1	,,	19 वीं श.	र.का. 1902 वि.
25×10 39; 22	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
13. आयु. 1360	22358	चिन्तामणि रस व भैरवरस नी गोलो-विधि	
1361	22378	नेत्ररोग औषधि-विधि	
1362	22370	प्रमेहऔषधि-विधि	
1363	22381	प्रमेहरोग औषधि-विधि	
1364	24194	रामविनोद-भाषा	
1365	22480	वैद्यकसार	
1366	22581	,,	
1367	24486	वैद्यकसारोद्धार	
1368	22207	वैद्यमनोत्सव-भाषा	मू. नयनसुख पुत्र केशवराज
1369	23055	,,	,,
1370	23757	,,	,,
1371	24298	,,	
1372	22074 (44)	वैद्यलक्षणादिप्रास्ताविक	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10 11;40	1	पूर्ण	19 वीं श.	भैरव रस की गोली सन्निपात रोग की औषधि है।
22×8 35;16	1	"	19 वीं श.	
23×9.5 14;58	1	"	19 वीं श	पत्र कीटविद्ध
23×11 29;20	1	"	19 वी. श.	
25×10.5 11;37	123	"	1937	
16.5×15 12;16	117	"	1953	
32×15 13;43	40	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र जीर्ण-शीर्ण; प्रथम पत्र का चतुर्थांश प्राप्त।
25.5×10.5 17;42	22	पूर्ण	18 वीं श.	लि.क. भवनभद्र
22×13 10;33	33	"	19 वीं श.	पत्रों पर संख्या नहीं है।
25×12 11;22	351	अपूर्ण	20 वीं श.	जीर्ण-शीर्ण; पत्र संख्या 1, 2 5, 7-10 अप्राप्त; ग्रन्थ के अन्त में रोगों के उपचार हेतु यंत्र विधि।
27×13 12;34	14	"	20 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
25.3×10.5 16;55	11	पूर्ण	19 वीं. श.	र.का. 1649 वि. र.स्था. सोहेतन्द
25×11 15;45	53–55	"	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
13. आयु.			
1373	22208 (1)	वैद्यवल्लभ-भाषा	
1374	22393	,,	
1375	22485	शालिहोत्र-भाषा	भा. युसुफशानी पं. हरनाम
1376	24154 (2)	,,	मू. नकुल
1377	22357	सरस्वती चूर्ण विधि व मन्त्र	
1378	22505 (6)	स्फुट आयुर्वेद के नुस्खे व मन्त्रादि	
1379	23064 (28)	स्फुट आयुर्वेदिक नुस्खे	
1380	23064 (40)	,,	
1381	23341 (3)	,,	
1382	22505 (4)	,,	
1383	23744	,,	
1384	24161 (14)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22.5×15 14;26	1–20	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
22.5×10.5 13;37	7	,,	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
16.5×21 17;31	76	पूर्ण	1891	"उर्दू अनुवाद' र.स्था. काश्मीर; लि.क. बालाराम लि.स्था. जोधपुर
28×19 24;14	4–53	अपूर्ण	1929	तृतीय पत्र अप्राप्त
24×12 12;28	1	पूर्ण	1977	लि.क. लक्ष्मीचन्द
19×11.5 9;23	83–148	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	42–43	,,	19 वीं श.	26 व 27वीं कृति संस्कृत में है। तीसरा पत्र रिक्त है।
16×12.5 17;24	1–3	,,	19 वीं श.	स्वतन्त्र पत्रांकन
22×12 15;27	88 वां	,,	18 वीं श.	द्वितीय रचना प्राकृत भाषा में है।
19×11.5 9;22	70–71	,,	19 वीं श.	
27×12.5 31;87	1	अपूर्ण	18 वीं श.	अगली रचना प्राकृत में है।
15×16 17;14	130–133	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
13. आयु. 1385	23690	स्फुट वैद्यक	
1386	22344	हरड़े पाक विधि	
14. ज्योति 1387	22986 (4)	अंग स्फुरण कौ विचार	
1388	24159 (7)	"	
1389	22414	अबजदी-प्रकरण	
1390	24401	अबजदी	पण्डित सतीदास
1391	22019 (2)	अवधिज्ञान	
1392	22456 (4)	अष्टदोषशुद्धि	
1393	22456 (7)	कर्मविपाक-भाषा	
1394	24157 (6)	"	
1395	24162 (7)	"	
1396	22456 (6)	कालज्ञान	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26.5×12.5 26; 69	2	अपूर्ण	18 वीं श.	
21.5×10.5 13; 26	2	,,	19 वीं श	पत्र जलसिक्त
14×10.5 16; 23	13-14	पूर्ण	19 वीं श.	
18×13.5 14; 20	41-43	,,	1861	लि.क. अखैचन्द लि.स्था. बावड़ी ग्राम
25.5×11 10; 32	7	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.8 15; 55	7	पूर्ण	1844	लि.क. पं. जैतसीगणि लि.स्था. जैसलमेर दुर्ग
26×11.5 15; 63	5-6	अपूर्ण	1917	लि.क. पं. जुहारमल लि स्था. मोकलसर ग्राम; प्रथम रचना संस्कृत में है।
25.5×13.5 21; 18	23-40	पूर्ण	1792	पत्र परस्पर चिपके हुए। लि.क. हेमराज। लि.स्था. बनाड़
25.5×13.5 21; 18	46-51	,,	1792	
22×15 10; 19	169-177	,,	1874	लि.क. किसनचन्द्र लि.स्था. भाडवला
15.2×12.5 11	104-111	,,	19 वीं श.	
25.5 [illegible] 3.5 21; 18	42-46	,,	1792	"शिवप्रोक्त"

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
14 ज्योतिष 1397	22181	खेटभूषण	
1398	22058	ग्रहगति स्पष्टीकरण-भाषा	
1399	22548 (44)	घोड़ा कुतुहल	
1400	22986 (8)	चालीस शकुनोती	
1401	23909	चिरंजीव अमरसिंह की कुण्डली	
1402	22488 (2)	ज्यौतिष-ग्रन्थ	
1403	24247	"	
1404	24162 (6)	ज्यौतिष-ग्रन्थ-भाषा	
1405	22456 (3)	ज्यौतिषसार	मू. नारचद्र
1406	22456 (8)	ज्यौतिषसार जन्मपत्री	
1407	23342	ज्यौतिष रत्नमाला-बालावबोध	मू. श्रीपति भट्ट
1408	22955	ज्यौतिष-विचार	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवद्)	विशेष ज्ञातव्य
28×13 15;44	1–3	पूर्ण	1960	
21 5×12 21;49	1–11	,,	1849	लि क. ऋषि जसरूप लि.स्था. सुतरपुर
10×12.5 13;11	22–24	,,	19 वीं श.	नामावली सहित
14×10.5 10;23	27–40	,,	19 वीं श.	
21×16.5 12;25	1	,,	1960	फोटोकोपी
10.5×6.5 5;11	42–61	,,	19 वीं श.	
23×14 13;22	4–74	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1–3 अप्राप्त
15.2×12.2 14;24	66-104	पूर्ण	19 वीं श.	पांचवीं रचना संस्कृत में है।
25.5×13.5 21;18	1–23	,,	1792	पत्र कीटविद्ध व परस्पर चिपके हुए हैं; लि.क. हेमराज; लि स्था. बनाड़ ग्राम; स्वतन्त्र पत्रांकन।
25.5×13.5 21;18	52–59	,,	1792	अष्टोत्तर भेद दशा दिनसार सहित
30.5×18 21;37	1–41	,,	1870	लि.क. रणछोड़दास निरंजनी
22×16 13;23	9	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
14. ज्योतिष			
1409	23066 (20)	छानि बंधावा को मुहूर्त्त	
1410	22074 (10)	तिथि षोडषी	जती तुलसी
1411	24243	तुरतबोध	
1412	24232	दशा वर्ष इष्ट साधन	
1413	22300 (2)	दुघड़िया-ज्ञान	
1414	22548 (43)	पक्षी-कुतूहल	सुन्दर
1415	22986 (3)	पक्षी-परीक्षा	
1416	22986 (6)	पल्ली-विचार	
1417	24006	पाराशरी-भाषा	विष्णुदास
1418	22403 (1)	पाशाकेवली-भाषा	मू. गर्गाचार्य
1419	22537 (3)	"	"
1420	22986 (7)	"	"
1421	23066 (12)	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×10 6;19	313-314	पूर्ण	18 वीं श.	19वीं रचना संस्कृत भाषा में है।
25×11 15;45	39-40	,,	1690	
20.5×14.5 12;25	1-37	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
24×9.5 13;41	5	पूर्ण	19 वी. श.	
24.5×11 9;30	1	,,	19 वीं श.	रेखाचित्रित
10×12.5 13;11	19-21	,,	19 वीं श.	लि.क. हुकमीचन्द
14×10.5 16;23	8-13	,,	19 वीं श.	
14.5×10.5 10;23	18-19	,,	19 वीं श.	
26.5×12.7 9;27	17	,,	1942	लि.क. परसराम जोशी लि.स्था. जोधपुर
24×11 18;50	1-3	,,	1861	लि.क. कीर्तमल लि.स्था. पाली
22.5×13.5 6;27	66-78	,,	1972	पत्र संख्या 55-65 रिक्त; प्रथम व द्वितीय रचना संस्कृत में है
14×10.5 10;23	19-27	,,	19 वीं. श.	
15.5×10 6;19	223-240	,,	1793	11वीं कृति संस्कृत में है। लि.क. जोधा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
14. ज्योतिष			
1422	24405	पाशाकेवली-भाषा	गर्गाचार्य
1423	22537 (6)	पञ्चवायी की शकुनावली	
1424	23066 (16)	पञ्चशलाकाचक्र	
1425	22227	बादशाही-शकुनावली	
1426	23756 (2)	बारह महिने री पूनम रो विचार	
1427	22456 (9)	बालक जन्म लग्न-प्रमाण	
1428	23066 (18)	बृहस्पति-अतिचार	
1429	24056	भड्डली-पुराण	भड्डली
1430	23066 (5)	भद्राचक्र	
1431	23013	महादेवी-सारणी	
1432	23910	मुंहता करमसी मोहनदासजी वेरसीजी री कुण्डली	
म. 1433	23907	मुंहणोत नेणसो री जन्म कुण्डली व सुन्दरदासजी री जन्म कुण्डली	
म. 1434	23908	मुंहणोत सांवतसिंह (पुत्र) री जन्म कुण्डली	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 21; 63	3	अपूर्ण	18 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
22.5×12.5 6; 27	93–111	पूर्ण	19 वीं श.	
15.5×10 6; 19	303 वां	,,	18 वीं श.	
23×14.5 11; 32	2	,,	1937	लि.क. मुकुन्द खण्डेराव
26.5×13.5 20; 36	6-7	,,	1935	
25.5×13.5 21; 18	60–61	,,	1792	पत्र परस्पर चिपके हुए हैं।
15.5×10 6; 19	305–310	,,	18 वीं श.	
24.5×12.5 13; 43	8	,,	1807	
15.5×10 6; 19	61 वां	,,	18 वीं श.	
24.5×18.5 22; 27	17	,,	19 वीं श.	
21×16.5	1	,,	1690, 1698 1702	फोटो कोपी
21×16.5	1	,,	1667, 1670	फोटो कोपी
21×16.5	1	,,	1762	फोटो कोपी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
14 ज्योतिष			
1435	22564 (3)	मेघमाला	
1436	25537 (5)	रमल पाशा की पूजन विधि	
1437	22131 (2)	रमल-केवली	
1438	24137	रमल-वार्तिक	
1439	24086 (1)	रामाज्ञा	तुलसीदास
1440	24348	लग्न-दोषावली	
1441	23066 (17)	लग्न-फल	
1442	23066 (6)	लग्न-विचार	
1443	23777	विवाहपटल-भाषा	
1444	24157 (5)	,, (सटीक)	
1445	22537 (7)	विश्वम्भरा रो शुभाशुभ फल	
1446	24127	षटपञ्चाशिका-बालावबोध	
1447	23756 (1)	षष्ठी-संवत्सर-फल	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.5×16 13;19	37-43	पूर्ण	19 वीं श.	ब रह मास फल
22.5×13.5	83-93	,,	19 वीं श.	ग्रन्थ के अन्त में सोलह शक्ल जमीर का फ़लादेश अंकित है।
15.5×10.5 9;22	47-55	,,	1912	
23.5×10 18;42	23	,,	1822	लि.क. पंडित कान्तिकुशल गणि
23.5×10.5 11;43	1-17	,,	1860	द्वितीय रचना संस्कृत भाषा में है लि.स्था. कोटड़ा
24×11 15;49	3	,,	1827	लि.क. पण्डित पद्मरंग
15.5×10 6;19	304 वां	,,	18 वीं श.	
15.5×10 6;19	61 वां	,,	18 वीं श.	
26.3×11 13;52	1-7	,,	1793	
22×15 10;19	142-179	,,	1874	लि.क. किशनचन्द्र लि.स्था. भाडवला
22.5×13.5 6;27	111-116	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 15;48	20	,,	1857	लि.क पण्डित दीपचन्द लि स्था. राजपुरा
26.5×13.5 20;36	1-6	,,	1935	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
14. ज्योतिष			
1448	23779 (4)	षोडषतिथि	
1449	22537 (4)	शकुन-पञ्चाशिका	
1450	22537 (8)	शकुन-विचार	
1451	24059	,,	
1452	24429 (24)	,,	
1453	22137 (13)	शकुनावली	
1454	22203	,,	
1455	22986 (1)	शिवचक्र	
1456	22564 (2)	शुक्र, शनि, ग्रहफल-विचार	
1457	22488 (5)	सामुद्रिक-भाषार्थ	
1458	23066 (4)	सिंहजन्म-संताप	
1459	22208 (2)	संवत्सर-फल	
1460	22564 (1)	संवत्सरी (100 वर्षीय)	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.8×12 14;44	4 था	पूर्ण	1845	
22.5×13.5 6;27	78–83	,,	19 वीं श.	
22.5×13.5 6;27	116–149	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 14;51	6	,,	18 वीं श.	
27×17 35;32	136–140	,,	18 वीं श.	
24×17 24;21	80 वां	,,	19 वीं श	
25×12.5 11;28	5	,,	19 वीं श	पत्र जलसिक्त व कीटविद्ध
14×10.5 16;23	5–6	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 1-4 अप्राप्त
20.5×16 13;19	31–36	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
10×6 7;11	76–161	पूर्ण	1896	द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ कृति संस्कृत में है।
15.5×10 6;19	60 वां	,,	18 वीं श.	
22.5×15 14;26	1–4	अपूर्ण	19 वीं श	प्रारम्भांश अप्राप्त
20 5×16 13;19	1–29	पूर्ण	19 वीं श.	संवत् 1801 से लेकर 1900 तक; पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
14. ज्योतिष			
1461	22586	संवत्सरी	
1462	24162 (4)	समुद्ररेखा	
1463	22411	सूर्य-चन्द्र-ग्रहण	
1464	22456 (5)	स्फुट ज्योतिष-पत्र	
1465	22986 (5)	स्वप्न-विचार	
1466	22986 (2)	स्वरोदय (ज्ञान-स्वरोदय)	
15. गणित			
1467	22477 (7)	अंकपाटी	
1468	24159 (4)	एकावली	
1469	22264 (1)	पट्टी-पहाड़ा	
1470	24070	;;	
1471	22137 (11)	राजस्थानी स्वर-विचार	
1472	22009	लीलावती-भाषा	मू. भास्कराचार्य भा. लालचन्द
1473	22264 (2)	लेखाँ री ऊपरवाड़ी	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×11.2 16;36	12	पूर्ण	1860	संवत् 1801 से 1899 तक। लि.क. यति रामचन्द्र लि.स्था. श्री तीलावासणी ग्राम
15.2×12.2 14;24	30–53	,,	1974	लि.क. माणकचन्द लि स्था. बावड़ी ग्राम
24×11.5 18;46	2	,,	19 वीं श.	
25.5×13.5 21;18	40–42	,,	1792	
14×10.5 16;23	14–18	,,	19 वीं श.	
14×10.5 16;23	6–8	,,	19 वीं श.	
16.5×12.5 9;13	12–29	,,	19 वीं श.	
18×13.5 14;20	31–32	,,	1870	
16×10 12;16	23–35	अपूर्ण	20 वीं श.	प्रारम्भिकांश अप्राप्त। अंत में पहेलिकाएं हैं।
25.5×11.5 11;27	16	पूर्ण	19 वीं श.	ग्रन्थ में 100 तक पहाड़े पद्यमय
24×17 24;21	78–79	,,	19 वीं श.	स्वतन्त्र पत्रांकन
24×10.5 15;42	16	,,	1788	
16×10 12;16	36–56	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
16. संगीत 1474	23085 (2)	रागमाला	गिरधर मिश्र
म. 1475	22858	रागरत्नाकर-भाषा	राधाकृष्ण कवि
1476	22454 (1)	हियहुलास	सं. कविलाल
17. काम शा. 1477	22547 (9)	कोकशास्त्र	
1478	22554 (7)	कोकशास्त्र-व्याख्यान	आनन्द
20. मंत्र-तंत्र 1479	22566	इन्द्रजाल	
1480	24160 (7)	इन्द्रजाल-विद्या	
1481	23698	घंटाकर्णवृद्धि-कल्प	
1482	22466 (1)	द्रव्यलाभन-मन्त्र	
1483	23083	नाग-महामन्त्र	
1484	23064 (41)	पनरिया जंत्र की विधि.	
1485	24174	मन्त्र-पुस्तिका (सचित्र)	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10 17;50	3 रा	पूर्ण	1739	लि.क. पण्डित लक्ष्मीचन्द लि.स्था. सेत्रावा
21×9.5 10;26	17	,,	19 वीं श.	
28×18 17;15	1–7	,,	1909	लि.क. रामदीन तैली लि.स्था. पुरानी बाजार
14.5×11 9;18	1–36	,,	1811	लि.क. कोठारी बुधसिंह लि.स्था. ग्राम पनवाड़
15.5×10 13;33	8–17	,,	1765	जीर्ण-शीर्ण; लि.क. जीवण। लि.स्था. पीपाड़ (जोधपुर)
25×15.5 21;42	121	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र त्रुटित व जलसिक्त; सात पत्र अङ्क विहीन हैं। पत्र संख्या 2 5 7,12,20,21,24,25 31-33, 104,106,107,112-114,118, 119 अप्राप्त।
19.5×14.5 16;23	49 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
31.5×16 14;36	6	,,	19 वीं श.	
18×14 15;27	1-2	,,	1884	इस पत्र के अगले पत्र में एक खाका है।
25×11 18;59	4	,,	17 वीं श.	
16×12.5 17;24	4–5	,,	19 वीं श.	
15×17 7;17	1–34	अपूर्ण	19 वीं श.	चित्र 11; पत्र सं. 11 की पुनरावृत्ति; पत्र सं. 2 व 12वां अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
20 मंत्र-तंत्र			
1486	22467 (7)	मन्त्र-संग्रह	
1487	24464 (3)	रुद्राक्ष-मन्त्र	
1488	22380 (1)	शावरी-मन्त्र	
1489	22379	सोमलमारण-विधि	
21 स्तु.स्तो.			
1490	24470 (4)	अठ्ठाईस-नाम	
1491	22214 (11)	अन्नपूर्णा माताजी रो छन्द	
1492	22463 (27)	आरती	जन सेवादास, नामदेव
1493	22463 (29)	,,	
1494	23062 (4)	आरती रामजी की	स्वामी मुरारदास
1495	22452 (45)	आरती-संग्रह	
1496	22458 (3)	,,	
1497	22464 (2)	,,	सेवादास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×12 17; 19	26–33	पूर्ण	1943	
24×15 19; 16	163-164	"	19 वीं श.	
24 5×11 9; 30	1	"	19 वीं श.	
23.5×10.5 15; 36	1	"	19 वी. श.	
12 ×7.5 7; 14	13-14	"	19 वीं श.	
23.5×13.5 11; 24	25–26	"	1844	लि.क. अमरसागर भाट लि स्था. देलवाड़ा नगर
15×12 12; 19	433–435	"	1895	
15×12 12; 19	440 वां	"	1895	
15×11 10; 21	23–24	"	19 वीं श.	
26×13 35; 26	572 वां	"	1844	दत्तात्रेय सुखदेव व कल्याणदास की आरतियों का संग्रह है। लि.क. साधु शोभाराम लि स्था. पोकरण
20.5×15 17; 17	111–112	"	1854	
16×11 20; 18	164–168	"	19 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
21.स्तु.स्तो			
1498	22464 (17)	आरती-संग्रह	
1499	23062 (3)	आरती हनुमानजी की	तुलसीदास
1500	22132 (10)	गंगाजी रे प्रताप रा कवित्त	
1501	22132 (7)	गणेश-वन्दना	
1502	24156 (45)	गणेशजी री निसाणी	
1503	22562 (36)	गरीबदासजी की आरती	
1504	22474 (15)	गुरुदेव महिमा-स्तोत्र	सुन्दरदास
1505	24163 (2)	गोकुलाष्टक-भाषा	
1506	22166 (2)	चतुर्दशी-स्तुति	
1507	22452 (27)	दत्तस्तोत्र-भाषा	मू. शंकराचार्य
1508	22534 (88)	देवी-स्तुति	
1509	22554 (3)	भवानी छंद-स्तुति	सारंग कवि
1510	22554 (9)	भवानीजी रो छंद	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×11 20; 18	422-423	अपूर्ण	1825	
15×11 10; 21	22-23	पूर्ण	19 वीं श.	
14×13 12; 17	108-109	,,	1780	
14×13 12; 17	84-85	,,	1780	पत्र संख्या 81-82 तक रिक्त
21×14 13; 24	1-5	,,	19 वीं श.	
26×13 35; 26	561 वां	,,	1844	लि.क साधु सेवाराम लि.स्था. पोकरण
15×12.5 14; 18	92-93	,,	19 वीं श	
15.2×12.2 15; 14	62-72	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र संख्या 70-71 व अन्तिमांश अप्राप्त ।
23×10.5 11; 29	3 रा	पूर्ण	19 वीं श.	
26×13 35; 26	556 वां	,,	1844	लि.क. साधु शोभाराम लि.स्था. पोकरण
14×12.5 12; 17	165-167	,,	19 वीं श.	कालिकादेवी-स्तुति
15.5×10 13; 33	4-5	,,	18 वीं श	
15.5×10 13; 33	27-30	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
21.स्तु.स्तो.			
1511	22534 (76)	भैरूंजी रो छद	
1512	24171 (20)	,,	
1513	22558 (2)	भोजनानंद-अष्टक	नागरीदास
1514	24159 (3)	महादेवजी रो छंद	
1515	24467 (13)	महादेवजी की स्तुति	
1516	24055	माताजी रा कवित्त	
1517	24470 (2)	रघुनाथजी को मंगल	गोस्वामी तुलसीदास
1518	22474 (16)	रामजी अष्टक (रामाष्टक)	सुन्दरदास
1519	24454 (13)	रामरक्षा	गोरखनाथ
1520	22106 (5)	,,	,,
1521	22106 (4)	,,	रामानंद गोस्वामी
1522	22134 (16)	,,	,,
1523	22137 (23)	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12.5 12;17	144–147	पूर्ण	19 वीं श.	
11×8 5 7;11	34–43	,,	19 वीं श.	प्रथम रचना संस्कृत में है।
25.5×17.5 19;19	2 रा	,,	19 वीं श.	
18×13.5 14;20	26–31	,,	1859	लि.क. अखैचन्द लि.स्था. बावड़ी ग्राम
15×12 17;19	36 वां	,,	1943	
25×10.5 15;32	1–4	,,	18 वीं श.	पत्र जलसिक्त; लेख अस्पष्ट है।
12×7.7 7;14	3–10	,,	19 वीं श	प्रथम रचना शंकराचार्य कृत 'रामाष्टक' है।
15×12.5 14;18	93-107	,,	19 वीं श.	
21 5×15.5 19;17	114–115	,,	19 वीं श.	
20×15 21;18	211–212	,,	19 वीं श.	
20×15 21;18	210–211	,,	1831	
16.5×19.5 29;30	427–428	,,	19 वीं श.	
24×17 24;21	98-100	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एव विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
21.स्तु स्तो. 1524	22452 (21)	रामरक्षा	रामानन्द गोस्वामी
1525	22453 (18)	"	"
1526	22459 (18)	"	"
1527	22460 (18)	"	"
1528	22463 (31)	"	"
1529	22464 (10)	"	"
1530	22472 (11)	"	"
1531	23919 (2)	"	"
1532	24165 (10)	"	"
1533	24169 (4)	"	"
1534	24442 (9)	"	"
1535	24443 (1)	"	"
1536	24447 (1)	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×13 35; 26	364–365	पूर्ण	1844	लि.क. वैष्णव संतोषदास निरंजनी लि.स्था. पोकरण
24×16.5 27; 16	119–120	,,	19 वीं श.	
16.5×10.5 20; 19	239–241	,,	19 वीं श.	
19×15 22; 25	259–261	,,	1876	पत्र त्रुटित व कीटविद्ध
15×12 12; 19	493–496	,,	1896	
16×11 20; 18	272–273	,,	1825	
14×11 18; 14	28–31	,,	1846	पत्र जीर्ण-शीर्ण
11×7.5 4; 11	2–16	,,	19 वीं श.	
14.5×9 10; 16	19–23	,,	20 वीं श.	
13×9.5 8; 13	39–44	,,	19 वीं श.	
10.5×7.5 6; 10	287–290	,,	19 वीं श.	
13×8.3 6; 11	1–10	,,	19 वीं श.	
15.5×8.5 8; 19	1–5	,,	1952	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
21. स्तु.स्तो.			
1537	24454 (7)	रामरक्षा	रामानन्द गोस्वामी
1538	24471 (7)	"	"
1539	24065 (2)	शनिश्चरजी का छन्द	
1540	22534 (78)	"	
1541	22074 (23)	शारदाष्टक	
1542	22074 (15)	शिवपचीसी	
1543	22548 (29)	सरस्वती-अष्टक	
1544	24162 (2)	सरस्वती रो पाठ	
1545	22166 (1)	सरस्वती-स्तुति	
1546	22452 (26)	सिध-वन्दना	
1547	22074 (16)	सिन्धुचतुर्दशी-स्तुति	
1548	24159 (2)	सूरजजी रा छन्द	
1549	22387	सूर्यजी रो सिलोको	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.5×15.5 19;17	87–89	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5×7.5 8;15	54-58	"	19 वीं श.	तीन पत्र रिक्त
22.5×10.5 13;30	59 वां	"	1881	
14×15.5 12;17	148–150	"	19 वीं श.	
25×11 15;45	42–43	"	1690	
25×11 15;45	37–38	"	1690	
10×12.5 13;11	9–8	"	19 वीं श.	28वीं रचना संस्कृत में है।
15.2×12.2 14;24	1	"	1904	
23×10.5 11;29	1–3	"	19 वीं श.	
26×13 35;26	535-536	"	1844	जीर्ण; लि क. साधु शोभाराम लि.स्था. पोकरण
25×11 15;45	38–39	"	1690	
18×13.5 14;20	22–25	"	19 वीं श.	
24.5×10.5 13;33	1	"	1867	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
21.स्तु.स्तो. 1550	23167 (3)	हनुमान-चालीसा	तुलसीदास
1551	24166 (4)	"	"
1552	22467 (14)	हनुमानजी की स्तुति	
1553	24470 (3)	हनुमान-जेत	
1554	22132 (8)	हनुमानजी रे प्रताप रा कवित्त-दुहा	
22.(1) जैनागम 1555	23779 (2)	अध्यातम-बत्तीसी	बनारसीदास
1556	23064 (15)	अष्टकर्मबंधन	लक्ष्मीकीर्ति
1557	24389 (1)	अष्टकर्मभेद	
1558	23064 (13)	उपदेशमाला	
1559	24156 (33)	उपसर्गहरस्तोत्र-सबालावबोध	
1560	22074 (7)	कर्मप्रकृतिविधान	
1561	22563 (1)	कर्मादिभेद-संग्रह	
1562	23335	क्षेत्रसमासोद्धार	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×13 11;24	1–3	पूर्ण	19 वीं श.	ग्रन्थ की अन्य रचनाएं संस्कृत में है।
12×10 11;18	127–137	,,	19 वीं श.	
15×12 17;19	37–38	,,	1943	
12×7.5 7;14	10–13	,,	19 वी. श.	
14×13 12;17	85-91	,,	1780	
25.8×12 14;44	1–2	,,	1845	
16×12.5 17;24	31–32	,,	19 वीं श.	
24 7×11 14;46	1–7	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	29–30	,,	19 वीं श.	
21×14 13;24	72–73	,,	19 वीं श.	
25×11 15;45	23–29	,,	1690	
23×14 5 17;17	2–25	अपूर्ण	19 वीं. श	प्रथम पत्र अप्राप्त
26.5×11.5 17;57	1–7	पूर्ण	1529	ग्रन्थ अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण दशा में; लि.क. क्षमासुन्दर लि.स्था. सेनापुर महास्तम्भ

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22.(1) जैनागम 1563	23891	गौतमपृच्छा-बालावबोध	
1564	24130	जम्बूद्वीप-परिधि	
1565	24172 (10)	जम्बूसर को प्रसंग	
1566	24156 (38)	जीवविचार प्रकरण-बालावबोध	
1567	23764	”	
1568	24019	नयचक्र	
1569	24104	”	
1570	24156 (39)	नवतत्त्व प्रकरण-सबालावबोध	
1571	23751	नवतत्त्व-बालावबोध	
1572	23785	नवतत्त्वभेद-भाषा	
1573	24079	प्रश्नोत्तरसार्द्धशतक नौ बीज	
1574	23739	प्रश्नोत्तरी	
1575	22074 (41)	मिथ्यावाणी	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11.5 13;42	1-42	अपूर्ण	1784	द्वितीय पत्र अप्राप्त लि.क. कुशलरत्न लि स्था. भीनमाल
24×10 5 21;50	1-4	पूर्ण	18 वीं श.	
10×6.5 6;17	455-469	,,	19 वीं श.	
21×14 13;24	1-9	,,	1805	लि.क. पं. दलपतिविजय लि.स्था खीमेल नगर
26×11.5 16;43	1-8	,,	1848	पत्र जलसिक्त; लि.क.पं.किशनदास लि.स्था. तिलवाड़ा
25×12 5 15;42	1-11	,,	19 वीं श.	'सप्तनयविचार"
25 5×11.5 18;57	1-7	अपूर्ण	18 वीं श.	
21×14 13;24	10-16	पूर्ण	1807	लि.स्था. नाढ्पुरी
27×11.5 11;39	1-28	,,	1792	पत्र जलसिक्त; लि.क. शाहरतनचंद लि.स्था. ब्रह्मपुर महानगर
25.5×12.5 11;23	1-22	,,	1917	
25×9.5 16;42	1-23	,,	1870	ग्रन्थ का नाम अंत में 'मार्गणा-द्वारा' अंकित है। लि.क. ऋषभदास लि.स्था. अजीमगंज नगर
27×12.5 32;81	1-6	अपूर्ण	18 वीं श.	
25×11 15;45	51 वां	पूर्ण	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(1). जैनागम 1576	22074 (10)	मोक्षमार्ग-पैड़ी	
1577	24091	विचार-षट्त्रिंशती	
1578	22074 (4)	वेदनिर्णय-पञ्चाशिका	
1579	23655	शीलोपदेशमाला-बालावबोध	
1580	23796	,,	
1581	24482	,,	
1582	24357	,, -सबालावबोध	
1583	22562	सभासार-नाटक	रघुराम
1584	22074 (40)	समयसार-नाटक(पाठान्तर कवित्त)	
1585	22436	समयसार-नाटक-भाषा	बनारसीदास
1586	23376	,,	,,
1587	23961	समयसार-नाटक-भाषा-टीका "सुगमरूपराजमली"	,,
1588	24109	,, ,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 15;45	32–33	पूर्ण	1690	
21.5×9.5 11;30	1–9	,,	1893	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण दशा में है। लि स्था. बीकानेर
25×11 15;45	18–21	,,	1690	
25.5×10.5 15;41	1–125	,,	18 वीं श.	
25×11 14;35	1–19	,,	18 वीं श.	
25.5×10 14;46	1–44	अपूर्ण	17 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
26×10.5 11;34	1–18	पूर्ण	19 वीं श.	
28.5×20.5 15;20	1–37	,,	19 वीं श.	
25×11 15;45	51 वां	,,	1690	
31×15 17;44	1–9	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
25×10.5 11;52	1–58	पूर्ण	1760	र.का. 1693 वि. लि.क. उदयसौभाग्य लि.स्था. जैसलमेर महादुर्ग
26.5×10.5 13;38	51–60	,,	18 वीं श.	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण, कीटभक्षित; र.का. 1693 वि.; र.स्था. आगरा। लि.क. ठाकुरसी श्वेताम्बर
25.5×10 13;39	1–73	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(1). जैनागम 1589	24389 (2)	सिद्धान्तोक्त-बोल	
22(2) जैन प्रकरण 1590	23829	अठाई-व्याख्यान	
1591	22548 (31)	अठारह पापस्थानक नाम	सुन्दर
1592	22563 (6)	अष्टअंगुली व दण्डक	दौलतराम
1593	23779	आगमसारोद्धार	देवीचन्द
1594	24156 (32)	आवश्यकसूत्र-सबालावबोध	
1595	22323 (5)	ईशरशिष्या	
1596	23693	कल्पसूत्र-बालावबोध	
1597	22563 (2)	कुलकोडिव्यवरो तथा कुलकोडि-गाथा	
1598	24339	केसी प्रदेसी-संधि	
1599	22570 (2)	ग्यारह प्रतिमा रा नांव	
1600	23826	चातुर्मासिक-व्याख्यान	
1601	24337	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.7×11 14; 46	7-9	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध; लि.क. पं. विनय लि.स्था. जयतारणनगर
23.5×11 13; 24	1-12	,,	1930	लि.क. गोपाल लि.स्था. योधपुर
10×12.5 13; 11	11 वां	,,	19 वीं श.	
23×14.5 17; 17	64-66	,,	19 वीं श.	कृति सं. 4 व 5 संस्कृत में है।
25.5×11.5 13; 29	1-59	,,	1871	र.का. 1772, र.स्था. मारोठ लि.स्था. पाली
21×14 13; 24	1-71	,,	19 वीं श.	31वीं रचना प्राकृत में है।
13×15 12; 15	77-79	,,	16 वीं श.	
27.5×12.5 14; 43	48	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त।
23×14.5 17; 17	25 वां	पूर्ण	1833	
25×10.5 15; 41	1-4	,,	18 वीं श.	लि.क. ज्ञानप्रभ मुनि
20 2×12 25; 15	5 वां	,,	19 वीं श.	
24.5×10.8 12; 43	1-22	,,	18 वीं श	
25×11 15; 42	1-13	,,	1747	ग्रन्थ के अन्त में पट्टावली है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(2)जैन प्रकरण 1602	22548 (33)	चौदह गुणस्थानक नाम	सुन्दर
1603	24156 (35)	चौदह नियम गाथा	
1604	22548 (14)	चौबीस-तीर्थंकर	
1605	22548 (30)	चौबीस तीर्थंकर व सतियों के नाम	
1606	22074 (47)	चौभंगी को विचार	
1607	22263 (6)	चौरासी-बोल	
1608	23778	तीर्थंकर चौबीसी	
1609	22570 (29)	तीर्थंकरों की आयु	
1610	24390 (2)	तीन जिन चौबीसी	
1611	23779 (3)	तेरह काठिया	
1612	22160	तैतीसां रो थोकड़ो	
1613	24073	दस ठाणु (स्थानक)	
1614	22074 (29)	दशबोल	

आप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×12.5 13;11	11 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
21×14 13;24	88–97	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	65 वां	,,	1844	
10×12.5 13;11	10–11	,,	19 वीं श.	
25×11 15;45	58–60	,,	1690	
13.5×9.5 12;23	51–54	,,	19 वीं श.	
26×11.5 11;50	1–4	,,	19 वीं श	निबन्ध शोभनीय लिपि में है।
20.2×12 25;15	21 वां	,,	19 वीं श.	
23.5×9.5 13;59	8–10	,,	1835	पत्र कीटविद्ध
25.8×12 14;44	3-4	,,	1845	
14.5×12 16;44	1-8	,,	19 वीं श.	
25×11 12;36	1–20	,,	1760	लि.क. आर्या वाली लि.स्था. गमलोटोतरि
25×11 15:45	46-47	,,	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
22.(1) जैन प्रकरण 1615	24156 (46)	द्वादशभावना	
1616	24314	नवसमकित-विचार	
1617	22074 (39)	नवसेना-विधान	
1618	23729	नानाविधि-संग्रह	
1619	24241	नेमनाथजी रा चौबीस चौक	अमृत
1620	22074 (31)	प्रश्नोत्तरकथन	
1621	22074 (32)	प्रश्नोत्तर-मालिका	
1622	24377	बंधउदयउदीरणा सत्ता विचार	
1623	24366	बारहभावना	
1624	24155 (6)	बावनवीर-नाम	
1625	22548 (32)	बीस विहरमान शाश्वत नाम	सुन्दर
1626	23924	भगवतीसूत्र-बालावबोध	
1627	24224	लोकनालिद्वात्रिंशिका-बालावबोध	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×14 13;24	6–13	पूर्ण	1813	
24.5×11.3 18;49	1–3	,,	1877	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण व जलसिक्त; लि.क. केसरीचन्द लि.स्था. बीकानेर
25×11 15;45	50–51	,,	1690	
25.5×11 17;58	1–9	अपूर्ण	16 वीं श.	7 वां पत्र अप्राप्त
20.5×11.5 10;27	1–6	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 15;45	47 वां	;;	1690	
25×11 15;45	47–48	,,	1690	
26.2×10.8 13;46	1–17	,,	18 वीं श.	
24.5×10 9;36	1–6	;;	19 वीं श.	लि.क. पं. नयकमल गणि शिष्य जयमन्दिर
22×24 32;41	46वां	अपूर्ण	19 वीं श	इस ग्रन्थ में मात्र 51 नामों का वर्णन है।
10×12.5 13;11	11वां	पूर्ण	19 वीं श.	
29×14 21;51	1–138	;;	18 वीं श.	
25×10.5 9;30	1–5	;;	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(2) जैन प्रकरण 1628	24225	वन्दनक प्रतिक्रमणसूत्र	
1629	22317	विंशति-स्थानक-विचारसार	जिनहर्ष
1630	22570 (19)	श्रावक के 21 गुण	
1631	24156 (34)	श्रावक-प्रतिक्रमणसूत्र-बालावबोध	
1632	23064 (42)	संथारा पोरसी गाथा	
1633	22074 (9)	साधुवंदना-भाषा	
1634	24018 (1)	सिद्धान्त-गाथा	
1635	24326	सुदृष्टि-तरंगिणि	
22(3) जैनाचार 1636	24193	अष्टप्रकारीपूजा-कथानक	
1637	22538 (2)	अष्टप्रकारीपूजा	देवचंद
1638	23064 (38)	"	
1639	24206	अष्टप्रवचन-माला की पूजा	
1640	24335	आलोयण-विधि	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.5 9;28	1–52	पूर्ण	19 वीं श	पत्र जलसिक्त
24.5×12 15;36	1–121	,,	1928	
20.2×12 25;15	12 वां	,,	19 वीं श.	जीर्ण
21×14 13;24	73–88	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	6–7	,,	19 वीं श.	
25×11 15;45	31–32	,,	1690	
24.7×11.7 17;41	1–10	,,	19 वीं श.	लि.क. पूनमचन्द
27.5×13 13;34	1–33	,,	1913	पत्र जलसिक्त। लि.क. जती विजयचन्द लि.स्था. महेसर
24.5×11.5 13;33	1–76	,,	19 वीं श.	जीर्ण। अन्तिम पत्र अर्द्ध त्रुटित; लि.क. पण्डित धर्मरुचि
19×13 9;22	10–16	,,	1931	
16×12.5 17;24	28–29	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 10;35	1–7	,,	1940	पत्र परस्पर चिपके हुए हैं। लि.क. पण्डित पांचूलाल लि.स्था. बीकानेर
25.4×11.4 16;59	1–2	,,	18 वीं श.	लि.क. पण्डित विनयकुशल लि.स्था. बीकानेर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(3) जैनाचार 1641	24156 (1)	चैत्यवन्दन	
1642	22074 (27)	जिनपूजा अष्टप्रकारी	
1643	24107	जीर्ण मन्दिर प्रतिष्ठा; ध्वज कलश स्थापना विधि	उपाध्याय देवीचंद
1644	23610 (1)	तरेपन क्रिया-विधि	जिनदास
1645	22074 (28)	दशदान-विधान	
1646	23846	दशवैकालिक-योगविधि	
1647	22570 (10)	नमोकार-जपनविधि	
1648	22534 (51)	नवकार मन्त्र नो छन्द	कुशललाभ वाचक
1649	22538 (4)	नवपद की पूजा	
1650	22538 (5)	नवपद नी उलाना विधि	
1641	22538 (8)	नवपदजी की उली; उजमणे की विधि व पूजाविधि	
1652	23767	नवपद-पूजा	
1653	22534 (58)	नेमीनाथजी रो चोबीस चौक	अमृतविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×15 13;24	1–2	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 15;25	45–46	"	1690	
26×10.5 11;40	1–28	"	19 वीं श.	
13×16.5 17;17	1–160	"	1833	र.का.1795 वि.; र.स्था.उदयपुर; लि.क. शाह मनोहरदास; लि.स्था. उदयपुर
25×11 15;45	46 वां	"	1690	
22×10.5 11;28	1–22	"	1897	
20.2×12 25;15	7 वां	"	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	97–99	"	19 वीं श.	
19×13 9;22	18–32	"	1931	लि क. पण्डित भीमचन्द लि.स्था. मुल्तान नगर
19×13 9;22	33 वां	"	1931	
19×13 9;22	34–50	"	1934	ग्रन्थ के अन्त में 'सिद्धचक्रमंडल-उद्यापन पूजाविधि' नाम अंकित है।
25.8×11.8 6;24	1–20	"	1937	लि.क. वनेचन्द लि स्था. खीमेल
14×12.5 12;17	117–130	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(3) जैनाचार 1654	22373	परमेश्वरसिरिया-मंत्रविधि	
1655	22570 (18)	पूजा को अधिकार	
1656	22074 (21)	पञ्चपदविधान	बनारसीदास
1657	24349	बारह व्रतटिप्पणी	
1658	22074 (6)	बासठ मारग ना विधान	
1659	23824	बीस थानक पूजा	विजयलक्ष्मीसूरि
1660	22570 (11)	मुनिराज को ब्योरो	
1661	22323 (8)	लघु अतिचार-गाथा	
1662	23845 (1)	वीसस्थानक नी पूजा-स्तवनविधि	विजयलक्ष्मी सूरीश्वर
1663	24229 (3)	शाश्वती प्रतिमा संख्या	
1664	22534 (90)	शीलरा कड़ा	
1665	23609 (23)	श्रावक-अतिचार	
1666	24234	श्रावकराधना-बालाबोध	राजसोम उपाध्याय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 12;33	1	पूर्ण	19 वीं श.	
20.2×12 25;15	11-12	"	18 वीं श.	
25×11 15;45	42 वां	"	1690	
25×11.5 16;50	1-3	"	18 वीं श.	
25×11 15;45	22-23	"	1690	
24.5×12.5 13;49	1-11	"	1903	लि.क. सवाईसागर लि.स्था. जेसलमेर दुर्ग
20.2×12 25;15	7 वां	"	19 वीं श.	
13×15 12;15	81-82	"	16 वीं श	
21.5×10 13;29	1-13	"	1855	पत्र जलसिक्त व त्रुटित; लि.क पं हीरविजय लि स्था. नाणकपुर ग्राम
20×10 13;37	2रा	"	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	266-267	"	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	29-45	"	1937	22वीं कृति प्राकृत में है।
26×12 13;30	1-8	"	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(3). जैनाचार 1667	22534 (44)	श्रावक नी करणी	
1668	22544 (5)	,,	
1669	24156 (19)	,,	जिनहर्ष
1670	23609 (26)	,,	,,
1671	23812	सतरह प्रकारी-पूजा	साधुकीर्ति
1672	24156 (37)	सामायिकविधि-सबालावबोध	
1673	24018 (2)	संवत्सर-विचार	
1674	24260	सर्वजिनप्रतिमादि प्रतिष्ठा विधि भाषानुवाद	
1675	24156 (18)	साधुवंदना	
1676	24382	,,	
1677	24302	सिद्ध चक्र नवपद आराधन-विधि	
1678	22538 (1)	स्नात्रविधि	देवचंद
1679	23064 (37)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12.5 12;17	82–86	पूर्ण	19 वीं श.	
20.5×15.5 19;21	1–37	,,	1812	पत्र कीट-भक्षित, जलसिक्त व त्रुटित
21×14 13;34	44–46	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	72–74	,,	18 वीं श.	
24×11 12;25	1–10	,,	1927	र.का. 1618 वि.
21×14 13;24	97–99	,,	1805	लि.क. पं. दलपतिविनय लि.स्था. खीमेल
24.7×11.7 17;41	10–11	,,	19 वीं श.	लि.क. पूनमचंद
25×11 16;38	1–18	,,	1876	लि.क. लालचंद लि.स्था. बीकानेर
21×15 13;24	31–44	,,	19 वीं श.	
25.5×11 11;34	1–7	,,	18 वीं श.	
24.7×11.7 18;51	1-5	,,	1888	लि.स्था. बीकानेर
19×13 9;22	1–10	,,	1931	
16×12.5 17;24	24–28	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(3). जैनाचार 1680	23806	स्नात्र-विधि	देवीचंद
22(4) रा.च. 1681	24219	अंजनासुन्दरी-चउपई	भुवनकीर्ति
1682	24333	,,	,,
1683	24280	अजयकुमार-चउपई	भावप्रमोद पाठक
1684	22081	अजयपाल-चउपई	
म. 1685	22325	अजीतसेन-कनकावतीरास	
1686	23946	,,	जिनहर्ष
1687	23453	अम्बडचरित-चउपई	
1688	23832	आनन्दश्रावक-संधि	
1689	22534 (83)	आराधना-ढाल	
1690	24375	आषाढभूति ऋषीश्वर-चौपई	ज्ञानसागर
1691	24269	आषाढभूति-चउपई	मुनि माणकसागर
1692	22323 (3)	उत्तिमचरित्र राजर्षि-चउपई-रास	महिचन्द

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.5 9;23	1-9	पूर्ण	19 वीं श.	लि.स्था. सोजत
25×11 15;29	1-22	,,	1868	
24×10.5 13;42	1-28	,,	1825	लि.क. लक्ष्मीचन्द; लि.स्था. वडचवा
26×11 10;30	1-41	,,	1847	लि.क. उदैचन्द। लि.स्था. जैसलमेर
24.5×11 19;34	1-22	,,	1782	लि क कुनरणा; लि.स्था. काकानेर
19.5×10 15;26	1-36	,,	1757	लि.क. मुनि केसरविजय
25×11 14;37	1-25	,,	1823	र.का. 1751 वि.; र.स्था. पाटण; लि.स्था. वाल्हीनगर
27×10.5 15;44	1-20	,,	1650	पत्र त्रुटित व जलसिक्त; लि.क. कीर्तिमुनि
23.8×12.8 9;24	1-26	,,	20 वीं श.	
14×12.5 12;17	153-157	,,	19 वीं श.	
23.5×10 13;39	1-8	,,	18 वीं. श	र.का. 1724 वि.; र.स्था. वक्रापुरा ग्राम; लि.क. पं. इन्द्रविजयगरिण
25×10 15;55	1-6	,,	1746	र.का. 1724 वि.; लि.स्था. चक्रापुर; लि.क. माधवदास
13×15 12;15	48-74	,,	1605	कीटविद्ध; र.का. 1591 वि ; लि.क. गोरा; लि.स्था. तिजारा (अलवर राज्यान्तर्गत)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा च. 1693	23843	कयवन्ना साधु-चउपई	वाचक जयरंग
1694	22534 (2)	कान्हड़ कठियारा री चौपाई	
1695	24312	,, ,,	
1696	22548 (37)	क्रोधपरिहार-स्वाध्याय	भावसागर पण्डित
1697	24270	कृतकर्म-चउपई	
1698	24156 (7)	क्षमाछत्तीसी	समयसुन्दर
1699	23485	गजसिंह-चरित्र-चउपई	
1700	24402	गुणकरण्डक-गुणावली-चौपई	
1701	23351	गौतमपृच्छा-बालावबोध	शिवसुन्दर
1702	23851	गौतमराम	
1703	23609 (24)	गौतमस्वामीरास	
1704	22146	चन्दचौपई	मोहनविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.3×10 11;28	1–34	पूर्ण	1837	र.का. 1721; र.स्था. बीकानेर। लि.स्था. वाल्हीनगर
14×12.5 12;17	12–28	"	19 वीं श.	
22×10.5 18;39	1–7	"	1837	पत्र त्रुटित, जलसिक्त व कीटविद्ध; आरम्भ व अन्त के शोभन पत्र
10×12.5 13;11	13–14	"	19 वीं श.	
25.5×11 13;46	1–11	"	1674	लि.क चेला हरषा
21×15 13;24	14–16	"	19 वीं श.	
20.5×12.5 12:28	1–24	"	1687	पत्र कीटभक्षित व जलसिक्त; र.का. 1556 वि.; लि.क. ऋषि श्रीसंघजी; लि स्था अवन्ती
24 5×12 12;30	1–18	"	1890	र.का. 1757 वि.; र स्था. शिवपुर; लि.क. ऋषि हीरचन्द्र गुजराती। लि. स्था. सैहर सोड्याला
27×11.5 9;20	1–49	"	18 वीं श.	पत्र त्रुटित व जलसिक्त लि.क. सतीदास ऋषि
19×9 11;27	1–7	"	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	50–59	"	1932	
27×15 17;36	1–93	"	1939	चतुर्थ उल्लास पर्यन्त। लि.क. हजारीमल; लि.स्था. जैतारण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1705	23930	चंदचरित्र-चउपई	मोहनविजय
1706	22559	,,	,,
1707	22092	चंदनमलयागिरि-चउपई	
1708	24211	चंद्रलेखा-चउपई	मतिकुशल
1709	24124	चंद्रलेखाचरित्र-चउपई	,,
1710	23662	चंद्रसेण-लीलावती-चउपई	अमोलक ऋषि
1711	24318	चित्रसेन-पद्मावती-चउपई	
1712	24488	चौवीसी	देवचंद
1713	24160 (8)	चोबोली शीलवती री चउपई	
1714	24364	जाम्बवन्ती-चउपई	उदयसागर सूरि
1715	22548 (4)	ढाल	उदयरत्न
1716	22801	ढाल-सागर	
1717	24358	थावच्चा सुक सेलक चौपाई	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11 13; 37	1–107	पूर्ण	1882	र.का. 1783 वि.। पत्र त्रुटित व जलसिक्त
22.2×15.5 23; 21	1–142	,,	1871	लि.क. हीररत्न गणि; लि.स्था. खिमेल नगर
25×12 21; 42	1–7	,,	18 वीं श.	
23,5×9.7 14, 46	1–25	,,	1792	
25×9.5 13; 47	1–26	;;	1764	र का. 1729 वि., लि.क. कुशल-सुन्दर; लि.स्था. हरशोर गढ
26×12.5 31; 69	1–5	;;	1974	र.स्था. जोधपुर
25.5×11.5 15; 49	1–16	,,	1844	पत्र जीर्ण-शीर्ण व जलसिक्त; लि.क. उदयचंद; लि.स्था. जैसलमेर
26×11.5 28; 81	1-3	,,	1882	लि.क. दीपचंद
19.5×14.5 16; 23	49-58	अपूर्ण	19 वीं श.	
25-2×10.5 12; 40	1-9	पूर्ण	18 वीं श.	
10×12.5 13; 11	33-36	अपूर्ण	1845	
25×10.8 14; 39	1–112	,,	18 वीं श.	26 वां पत्र अप्राप्त
25.5×10 13; 43	1–18	पूर्ण	18 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1718	24221	दशार्णभद्र-राजहर्ष-चतुष्पदी	
1719	22534 (63)	दान-शील-तप-भावना गीत	
1720	22534 (1)	दान-शील-तप-भावना रो चौढालियो	समयसुन्दर
1721	22544 (2)	दान-शील-तप-भावना बोल	"
1722	24156 (5)	" रो चोढालिया	"
1723	24080 (2)	" संवाद शतक	"
1724	24217	" "	"
1725	24220	" "	
1726	24399	देवराज-वत्सराज, कीर्त्ति दुर्लभराजा नी चतुष्पदी	
1727	24264	द्रव्यगुण पर्यायरास-सटबार्थ	यशोविजय गणि
1728	22089	धनजी री चउपई	जिनविजय
1729	24235	धन्नाशालिभद्र-चउपई	
1730	22548 (15)	नेमीनाथजी रो बारहमासो	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.3×10.3 13;39	1–4	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12 5 12;17	135 वां	,,	18 वीं श.	
14×12.5 12;17	2–12	,,	18 वीं श.	
20 5×15.5 19;21	3–7	,,	1812	प्रथम रचना प्राकृत में।
21×15 13;24	6–13	,,	1813	
25×9.5 16;42	5–8	,,	1808	
24.2×11 10;28	1–7	,,	18 वीं श.	
24×10.3 16;50	1–6	,,	19 वीं श.	
25×10.3 13;44	1–18	,,	1686	
28×13 10;51	1–50	,,	1843	
24.5×11.5 18;40	1–27	,,	1877	लि.क. वृद्धिचंद लि.स्था. नागौर
25×12 12;32	1–123	,,	1836	लि.क. देवचंद
10×12.5 13;11	66–70	,,	1844	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. म 1731	22298	नलदमयंती-चउपई	समयसुन्दर
1732	22806	,,	,,
1733	22341 (5)	,, -रास	,,
1734	22323 (2)	नलदवदंतो-चउपई	
1735	22548 (2)	नवरासो	उदयरत्न
1736	24299 (36)	नर्वदासती-चउपई	
1737	22548	नेमिजिन-चौमासो	जिनेन्द्र
1738	22323 (11)	नेमीनाथ-राजीमती-चउपई	मुनि नय शेखर
1739	22323 (10)	नेमीनाथ रास-चउपई	पुण्यरत्न मुनि
1740	22548 (18)	नेमीनाथजी रो बारहमासो	
1741	22548 (22)	नेमीनाथजी रो ब्यावलो	
1742	22548 (41)	पंचेन्द्रिय विषय-चउपई	जिनहर्ष
1743	24067	पद्मावती रास	समयसुन्दर

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×10 13;44	1–37	पूर्ण	18 वीं श.	
25×10.5 15;50	1–27	,,	1696	र.का. 1673 वि. लि.स्था. मेड़ता
22×12 15;27	118–131	,,	18 वीं श.	
13×15 12;15	26–47	,,	16 वीं श.	
10×12.5 13;11	30-32	,,	1845	लि.क रामचंद र स्था. खीमेल
25×10.5 17;41	1–11	,,	1861	र.का. 1841 वि.; र.स्था. जोधपुर लि.क. पेमा; लि.स्था. जयपुर
10×12.5 13;11	1–13	,,	19 वीं श.	
13×15 12;15	88–91	,,	16 वीं श.	
13×15 12;15	83–88	,,	1599	लि.क. पारसचंद मुनि
10×12.5 13;11	75–76	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	82 वां	,,	19 वीं. श.	
10×12.5 13;11	16–17	,,	19 वीं श.	
24×12.5 13;28	1–11	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा च. 1744	23089	परदवरण-चउपई	आशाधर अग्रवाल
1745	24320	परदेशी राजा की चउपई	
1746	24268	परमात्म-प्रकाश-प्रबंध-चउपई	जिनधर्म सूरि
1747	24316	पुण्यसार-चउपई	
1748	24031	प्रत्येक बुध चतुष्पदी	समयसुन्दर
1749	24063	प्रियमेलक-चउपई	"
1750	22055	प्रियमेलक तीर्थ-प्रबंधक-चउपई	"
1751	24014	मच्छोदर-चतुष्पदी	जिनहर्ष
1752	23813	मतिसागर मंत्र-चउपई	
1753	22455 (1)	मधुमालती-चउपई	चतुर्भुज कायस्थ
1754	22074 (20)	मन-काया-रास	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
36×10 18;94	1–8	पूर्ण	18 वीं श.	र.स्था आगरा
25×10.5 20;46	1–20	,,	18 वीं श.	पत्र त्रुटित व जलसिक्त लि.स्था. जयपुर
26×10 15;57	1–22	,,	1780	र.का. 1742 वि. र.स्था. जैसलमेर लि.क. पंडित दुर्गादास गणि लि.स्था. खारवा ग्राम
24×10 17;44	1-6	,,	19 वीं श.	
25.8×10.8 20;60	1–16	,,	18 वीं श.	र.का. 1625 वि. र.था. आगरा
22×9 13:32	1–12	,,	18 वीं श.	
24×10.5 15;42	1–8	अपूर्ण	1686	प्रथम पत्र अप्राप्त लि.स्था. मेदनीपुर
25 5×11 15;49	1–20	पूर्ण	1784	र.का. 1706 वि.; र.स्था. बाडमेर लि.क. रघुनाथ गणि; लि.स्था. भटनेर कोट (वर्तमान हनुमानगढ)
24.5×11 14;46	1–18	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
17×21.5 13;24	1–97	पूर्ण	1844	
25×11 15;46	41–42	,,	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1755	22162	मयणरेहा-चरित्र-चउपई	
1756	22323 (14)	"	
1757	22548 (16)	महादेवजी रो बारहमासो	
1758	24281	महावीर-चरित्र-बालावबोध	जिनवल्लभसूरि
1759	22455 (2)	माधवानल-कामकन्दला-चउपई	कुशललाभ
1760	24135	"	"
1761	24479 (3)	"	"
1762	24258 (1)	मानतुंग-मानवती-चउपई	मोहनविजय
1763	24305	"	"
1764	24332	"	"
1765	22161	मानतुंग-मानवती-रास	"
1766	24024	मृगलेख्या-चउपई	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10.5 14; 34	1–8	पूर्ण	1925	लि क. हजारीमल; लि.स्था. जैतारण
13×15 12; 15	1–95	अपूर्ण	16 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
10×12.5 13; 11	70–74	पूर्ण	1842	
25.7×11.2 17; 49	1–8	"	1840	लि.क. दौलतराम; लि.स्था. लूणकरणसर
17×21.5 13; 24	97–131	"	1844	लि.क व्यास राधा; लि.स्था. देवगढ़
20.5×12.5 10; 34	1–30	अपूर्ण	1642	र.का. 1617; र.था. जैसलमेर; पत्रांक 13 17-23 अप्राप्त
25.5×11.5 15; 40	78–100	पूर्ण	1834	लि.क. कुशलदत्त; लि.स्था. मारोठ
25×11.7 11; 34	1–61	"	1915	र का. 1777 वि.; र.था पत्तनपुर (दुर्गादास राठौड़राज्य) लि.क पं. विजयचन्द्र; लि.था.इन्दौर
25×10 16; 50	2–27	अपूर्ण	1868	र का.1736 वि.; प्रथम पत्र अप्राप्त लि.स्था. जयपुर; अंतिम पत्र पर सुन्दर चित्रकारी है।
25×9 15; 48	1-31	पूर्ण	1847	र का.1760 वि.; र.स्था. अणहिल पुरपत्तन; लि.स्था. पत्तनपुर
24×10.5 14; 30	1–48	"	1852	पत्र 3 की पुनरावृत्ति; र.का. 1847 र.था. अणहलपुरपतन
25×10.5 19; 49	1–17	"	1868	लि.क. रामूजी; लि.स्था. गगराणा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1767	23375	मृगावती-चउपई	समयसुन्दर
1768	24080 (1)	मोतीकपासिया सम्बन्ध-संवाद	
1769	24390 (1)	मौनीएकादशी-चउपई	आलमचन्द
प्र. 1770	24200	यादवरास	मुनि पुण्यरत्न
1771	22098	रतनमुनि-चतुष्पदी	
प्र. 1772	24378	रामयशोरसायन (रामचरित्र)	केसरराज मुनीन्द्र
1773	22547 (1)	राजुलपच्चीसी	लालचन्द
1774	24071	रात्रिभोजन-चउपई	धर्मसमुद्र वाचक
1775	23440	वासुपूज्य जिनपुण्यप्रकाशप्रस्त	हीरविजय
1776	22085	विक्रमसेनकुमार-चउपई	
1777	22312	विक्रमसेन-चउपई	परमसागर
1778	24160	,,	
1779	22088	विक्रमसेन नरेन्द्र-चउपई	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10 13;40	1–30	पूर्ण	17 वीं श.	
24×9.5 16; 42	1–5	,,	1808	
23.5×9.5 13; 59	1–8	,,	1835	र.का. 1814 वि; र.स्था. मकसूदाबाद। लि.स्था. बीकानेर
25.5×10.5 9; 28	1–6	,,	19 वीं श.	ग्रन्थकार की हस्ताक्षरयुक्त प्रति
25.5×11 11; 31	2-40	अपूर्ण	1867	लि.स्था. देशनोक प्रथम पत्र अप्राप्त
24.5×11 16; 37	1–86	पूर्ण	1909	र.का 1680 वि.
14.5×11 9; 18	10–18	अपूर्ण	1811	लि.स्था. पनवाड़ मण्डी पत्र सं. 1-9 अप्राप्त
26×11 14;45	1–9	पूर्ण	17 वीं श.	
25.5×11 11; 28	1–32	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11; 36	1–41	,,	1838	
25×9.5 15; 62	1–36	,,	1762	र.का. 1724; लि.क. जोवन। लि.स्था. गोगुन्दा
19 5×14.5 16; 23	8–23	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×9.5 15; 46	1–33	पूर्ण	1871	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1780	24212	विक्रमनरेन्द्र-चउपई	
1781	24340	,,	
1782	24303	विक्रमादित्य व खापरया चौर-चउपई	लाभवर्धन
1783	24407	विक्रमादित्य व खापरिया चोर री चतुष्पदी	,,
1784	24143	विद्याविलास-चउपई	जिनहर्ष
1785	23976	विमलरास	लावण्यसमय
1786	22323 (1)	विल्हणपञ्चाशिका-चउपई	
1787	24485	वीसलदेव चउहाण राजीमति-रास	नाल्हकवि
1788	24244 (1)	वैदर्भी-चौबीसी	प्रेमराज
1789	24156 (26)	शत्रुञ्जय उद्धार-रास	नयसुन्दर
1790	23609 (25)	शत्रुञ्जय-रास	समयसुन्दर
1791	24368 (1)	शालिभद्र-धन्ना ऋषि मुनि-चउपई	
1792	22544 (4)	शालिभद्र-चउपई	

माप से मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.5 13;43	1–22	पूर्ण	1811	लि.क. कर्मचन्द्र शिष्य पं. प्रताप
25×10 13;35	1–35	,,	1853	लि.क. गुमानचन्द्र लि.स्था. जैसलमेर
24.5×11 18;48	1–17	,,	1863	लि.क. दौलत माणिक्य; लि.स्था. बीकानेर सूरतसिह राज्ये
25.3×12 24;48	1–11	,,	19 वीं श.	
21×10 15;31	1–30	,,	18 वीं श.	
22.5×10 15;39	1–39	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्र सं. 30-31 एवं अंतिमांस अप्राप्त
13×15 12;15	1–25	पूर्ण	16 वीं श.	
25.5×11 12;37	1–25	,,	1773	र.का. 1773 वि. लि.क. अभयधर्म
24.2×12 12;27	1–12	,,	1933	पत्र परस्पर चिपके हुए लि.स्था. बीकानेर
21×14 13;24	50–57	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;10	60–71	,,	1932	
25×10.5 17;33	1–19	,,	1856	लि.क. पंडित दौलतराम
20.5×15.5 19;21	4–36	,,	1812	लि.क. मलूकचंद लि.स्था. साकन्डा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1793	24195	शालिभद्र-चउपई	जिनराज
1794	24190	शालिभद्र ऋषि-चउपई	
1795	24237	शालिभद्र-धन्ना चतुष्पदी	मतीसार
1796	23766	शालिभद्र मुनि चरित्र-चउपई	मतिसार शिष्य जिनसिंह सूरि
1797	23341 (4)	शालिभद्र-रास	
1798	24156 (40)	शालिभद्र री चउपई	
1799	24367	शीयल-वेल	कवि वीरविजय
1800	24240	शील-रास	विजयदेव सूरि
1801	24061	शील रो रास	
1802	22548 (23)	श्री नेमनाथ राजीमति बारह मासी	जिनहर्ष
1803	24199	श्रीपाल नरेन्द्र चतुष्पदी	,,
1804	23610 (2)	श्रीपाल-रास	ब्रह्म जिनदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11 15; 37	1–19	पूर्ण	1853	लि.क. पंडित कुशलदत्त लि.स्था. श्री वाहलपुर
26×11.5 13; 31	1–20	,,	1847	पत्र परस्पर चिपके हुए; लि.क. पंडित उदयचंद
21.5×11.5 14; 31	1–25	,,	1771	लि.क. पंडित देवचंद
25.5×11.5 16; 30	1–30	,,	1905	र.का. 1678 वि. लि.क. मुनि गुलाबविजय
22×12 15; 27	90–117	,,	18 वीं श.	
21×4 13; 24	1–20	,,	1807	लि.क. गुणविजय लि.स्था. नाडूलाई
24×11.5 17; 38	1–8	,,	1981	र.का. 1662 वि. र.स्था. रामनगर लि.क. पंडित शिवविजय लि.स्था. विक्रमपुर
24.5×12.5 20; 36	1–6	,,	1858	
22×10.7 8; 22	1–10	,,	1883	लि.क. ऋषि जवानमल
10×12.5 13; 11	83–84	,,	1844	
26×11.5 13; 33	1–28	,,	19 वीं श.	
13×16.5 17; 17	161–191	,,	1834	लि.क. मनोहरदास शाह

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च. 1805	23911	श्रीपाल-रास	कवि परिमल
1806	23947	"	जसविजय
1807	23672	सम्यक्त्व कौमुदी-चउपई	
1808	23088	सवईया बावनी	
1809	24012	सागरदत्त-रास	हीरमुनि
1810	24203	सार सिखामण-रास	
1811	22084	साम्ब-प्रद्युम्न-चउपई	
1812	22096	"	
1813	22074 (2)	सिन्दूरप्रकर-भाषा	
1814	23337	सीताराम नी चउपई	समयसुन्दर
1815	24095	सिद्धाचलजी रो रास	नरसुन्दर

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
30.5×17 13; 26	1–123	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्र सं. 58 की पुनरावृत्ति पत्र सं. 47 वां अप्राप्त
24×11 11; 30	1–107	पूर्ण	1872	ग्रंथ के प्रथम व अंतिम पत्र पर सुन्दर चित्राकृति; लि क. फतेन्द्रसागर गणि लि.स्था. खीमेल
26×11.5 16; 40	1–122	,,	1934	र.का. 1822वि ; र.स्था. जैसलमेर आद्यन्त पत्रों पर सुन्दर कलाकृति
35.5×10 20; 103	1–4	,,	1649	
26×11 15; 38	1–18	,,	18 वीं श.	
26×10.5 15; 40	1–9	,,	19 वीं श.	
25.5×11 15; 38	1–17	,,	1717	लि.क. कमलनन्द
25×10.5 11; 36	1–29	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्तिमांश अप्राप्त
25×11 15; 45	5–13	पूर्ण	1690	
26×10.5 18; 64	1–53	,,	1705	लि.क. दुलीचन्द लि.स्था. गुजरात
20×10 10; 31	1–10	,,	1812	ग्रन्थ के अन्त में शत्रुञ्जय उद्धार नाम अङ्कित हैं; लि.क. क्षमासागर; लि.स्था. बडलग्राम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(4) रा.च 1816	24271	सुदर्शनसेठ-चरित्र	दौलतराम मुनि
1817	24202	स्थूलिभद्रचरित्र-रास	सिंघदत्तसूरि
1818	23888	हंसराज-बच्छराज-चउपई	जिनोदयसूरि
1819	24161 (10)	"	"
1820	24308	"	मानसुजस
1821	24319	"	जिनोदयसूरि
22(5) जै.क. 1822	24007 (10)	अष्टादश तीर्थंकर-कथा	
1823	22137 (33)	ऋषभदेव अवतार की कथा	रावोदास
1824	22548 (17)	काम्बेसर सरलोको	
1825	24238	केशीकुमार-सम्बन्ध	
1826	22805	गिरनार-तीर्थोद्धार-महिमा प्रबन्ध	
1827	24295	चन्दचरित्र-कथा	मोहनविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12 17;45	1-11	पूर्ण	1850	र.का. 1850 वि.; र.था. मारोट कोट लि.स्था. मारोट कोट रचना कालीन प्रति
26×10.5 13;31	1-6	,,	1582	
25.5×11.5 11;32	1-49	,,	1888	
15×16 17;14	65-115	,,	1881	लि.क. पं. रामचन्द्र
24.5×10 15;40	1-20	,,	1874	र.का. 1625 वि; र.स्था कोटड़ा नगर; लि.स्था. तलवाड़ा
24.5×10.5 22;46	1-20	,,	1861	लि.क. खेमा; लि स्था. जयपुर
26.5×12.5 14;35	8-9	,,	1889	
24×17 24;21	311-317	,,	19 वीं श.	'भागवत द्वादशस्कंधगत"
10×12.5 13;11	74वां	,,	1842	
16×11 13;28	1-3	,,	1841	लि.क. अमरविलास; लि.स्था. जसलमेर
28×13.5 16;46	1-7	,,	19 वीं श.	
23×10.7 13;42	1-118	,,	1837	र.का. 1783 वि.

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(5). जै.क. 1828	24159 (1)	चन्दनमलयागिरि री बात	
1829	24489 (8)	;;	
1830	23694	,,	
1831	24209	;;	
1832	24078	जम्बूकथा	
1833	22463 (20)	जम्बूसर की कथा	
1834	22482 (4)	जम्बूसर को प्रसंग	
1835	23780	जम्बूस्वामी चरित्र-कथा	
1836	22074 (5)	त्रिषष्ठिशलाका पुरुष-कथन	
1837	24439 (4)	निर्मोही राजा की वार्ता	
1838	23809	पाण्डवचरित्र-कथा	
1839	24013	पुरन्दर-कथा	मालदेव
1840	24362	भक्तामर-कथा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
18×13.5 14;20	1–21	पूर्ण	1859	लि.क. अखैचन्द। लि.स्था. बावड़ी ग्राम
25.5×11.5 15;40	111–117	,,	1834	लि.स्था. मारोठकोट
25×10.5 21;49	1–4	,,	1697	
25×10 13;39	1–8	,,	19 वीं श.	
24.7×10.5 16;39	1–14	,,	18 वीं श.	
15×12 12;19	388–394	,,	1895	
15×10 7;14	178–187	,,	19 वीं श.	पत्र जलसिक्त
25.5×10 14;41	1–14	,,	18 वीं श.	पत्र सं. 14 की पुनरावृत्ति
25×11 15;45	21–22	,,	1690	
25.5×11.5 15;40	100–101	,,	1834	
25×10.5 17;48	4–27	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्रांक सं. 1-3 एवं अतिमांश अप्राप्त
25.8×11 15;52	3–13	,,	18 वीं श.	पत्र सं. 1-2 अप्राप्त
25.5×11 16;40	1–10	पूर्ण	1690	लि क. लब्धिविजय गणि लि स्था. नवानगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
22(5). जै.क. 1841	24191	मौनी इग्यारस-कथा	
1842	24015	वंकचूल चरित-कथा	
1843	22812	शिवदत्त-कथा	सिद्धसूरि शिष्य देवगुप्त सूरि
1844	24087	शीलसुन्दरी नी शीलव्रत-कथा	
1845	23341 (1)	सदयवच्छसावलिगारी-कथा	
1846	22455 (3)	सदयवच्छसावलिगा री वार्ता	
1847	22835	सहकुमार-कथा	
1848	24489 (5)	सिंह-वानर की कथा	
1849	23080	हरिवाहन नृप-कथा	विजयशेखर
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1850	22534 (40)	अगोछा रो चाव	हर्षचन्द
1851	24054	अंजनासुन्दरी-सज्झाय	हेमविजय
1852	22534 (26)	अजित-स्तवन	
1853	22074 (36)	अजितनाथ के छंद	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 15; 36	1–6	पूर्ण	18 वीं श	
25×15 16; 42	4–18	,,	19 वीं श.	पत्र सं. 1–3 अप्राप्त लि. स्था. हालाकड़ी
25.5×10.5 16; 44	2–9	अपूर्ण	1660	पत्र-जीर्ण-शीर्ण व जलसिक्त प्रथम पत्र अप्राप्त; र.का. 1623
23.5×10.5 12; 35	1–46	पूर्ण	1889	लि.क. ऋषभसागर, लि.स्था. जोधपुर
22×12 15; 27	1–43	,,	18 वीं श.	
17×21.5 13; 24	132–168	,,	1844	पत्र कीटविद्ध व जलसिक्त लि क. ब्राह्मण राजा लि स्था. देवगढ
22×10 14; 45	1–2	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 15; 40	1–101	,,	1834	
26×11 16; 49	1–22	अपूर्ण	1675	ग्रंथ अत्यन्त जीर्ण लि.क. दयाकीर्ति
14×12.5 12; 17	77–78	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1832; र.स्था. सिरोही
24.5×10.5 9; 29	1–6	,,	19 वीं श.	र.का. 1683
14×12.5 12; 17	60 वां	,,	19 वीं श.	
25×11 15; 45	49 वां	,,	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जं.स्तु.स्तो. 1854	23828 (4)	अजितनाथ-नमस्कार	
1855	24223	अजितनाथ-सज्झाय	पुण्यसागर
1856	22074 (13)	अध्यात्म त्रिशतिका	
1857	22005	अध्यात्मसार बावनी-सवैया	जिनोदयसूरि
1858	23828 (16)	अनन्तनाथ-नमस्कार	
1859	23817 (7)	अनन्तवीर्य जिन-स्तवन	देवचन्द्र
1860	22003	अनाथी-संधि	
1861	24205 (1)	अभिनन्दन जिन-स्तवन	मानविजय वाचक
1862	24205 (4)	अभिनन्दन-स्तवन	
1863	22534 (24)	अभिनन्दन-स्तुति	समयसुन्दर
1864	24369	अवयन्ती सुकुमाल महामुनि-सज्झाय	जिनहर्ष शिष्य शांतिहर्ष
1865	22534 (11)	अरणक मुनिवर री सज्झाय	
1866	22363	अरणकमुनि-सज्झाय	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12.5 9;27	3 रा	पूर्ण	20 वीं श.	
25×11 11;34	1–5	,	1718	लि.क. दयाकुशलगणि, लि. स्था. लोदीपुर
25×11 15;45	36–37	,,	1690	
25 5×11 13;34	1–7	,,	18 वीं श.	लि.क. पं० प्रेमवृद्धि
24.5×12.5 9;27	8-9	,,	20 वीं श.	
24.5×12 13;43	3 रा	,,	18 वीं श.	
22.5×11 13;43	1–5	,,	1759	
25.8×11.5 11;31	1	,,	19 वीं श.	
24.8×10.5 11;31	2 रा	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	59 वां	,,	19 वीं श.	
25×10.5 15;39	1–4	,,	18 वीं श.	र.का 1741, र.स्था. राजनगर
14×12 5 12;17	42-43	अपूर्ण	19 वीं श	पत्र सं. 43 वां अप्राप्त
25×11 12;19	1	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1867	22548 (35)	अर्बुदाचल-स्तवन	विजयदेव
1868	23828 (37)	अर्बुदगिरि-माहात्म्य-स्तवन	
1869	22074 (33)	अवस्थाष्टक	
1870	22534 (52)	अष्टमीवृद्धि-स्तवन	
1871	23609 (13)	अष्टमी-स्तुति	
1872	23828 (38)	अष्टापदगिरि-माहात्म्यवर्णन-स्तवन	
1873	23799 (1)	अष्टापद-स्तवन	
1874	24218 (4)	आत्मशिष्या बत्रीसी-सज्झाय	खेम
1875	22548 (5)	आत्म-सज्झाय	पदमचन्द
1876	22534 (17)	आत्महित सुगुरु शिष्य-सज्झाय	
1877	24231	आदीश्वर-विनती	
1878	23609 (4)	आनन्दघन-चौइसी	ज्ञानविमल
1879	22538 (3)	आरती	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×12.5 13; 11	13–11	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	21–22	,,	20 वीं श.	
25×11 14; 45	48–49	,,	1690	
14×12.5 12; 17	99–102	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11; 18	12–18	,,	1937	9,10,11, तथा 12 वीं; कृतियां संस्कृत व प्राकृत भाषा में हैं।
24.5×12.5 9; 27	22–23	,,	20 वीं श.	
25.5×11.5 12; 31	1–5	,,	18 वीं श.	
24×10.5 10; 26	4–7	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13; 11	36–37	,,	1845	
14×12.5 12; 17	50-51	,,	19 वीं श.	
24.2×10 13; 41	1–5	,,	19 वीं श.	लि.क. मुनि मतिवर्धन
17.5×11.5 11; 18	3–5	,,	1937	
19×13 9; 22	16–17	,,	19 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो 1880	24156 (49)	आलोयण-स्तवन	
1881	24229 (2)	,,	
1882	22547 (3)	इलायचीपुत्र-गीत	
1883	24108 (21)	इलाचिपुत्र-स्वाध्याय	
1884	23817 (14)	ईश्वरजिन-स्तवन	देवचन्द्र
1885	23064 (34)	उपदेश-बत्तीसी	
1886	22006	उपदेश-बावनी	किसन
1887	23060 (1)	उपदेशी-सज्झाय	
1888	22534 (27)	ऋषभ जिन-स्तवन	रूपसागर
1889	22534 (66)	,,	जिनचन्द्र
1890	23828 (3)	ऋषभ जिन-स्तवन	
1891	24244 (2)	,,	
1892	22548 (9)	ऋषभ जिणेसर-स्तवन	नयविमल

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×14 13; 24	19–22	पूर्ण	19 वीं श.	
20×10 14; 36	1–2	"	19 वीं श.	
14.5×11 9; 18	19–20	"	1811	
25.5×10.5 15; 44	11–14	अपूर्ण	1 [illegible] वीं श.	पत्र सं. 12-13 अप्राप्त
24.5×12 13; 43	5 वां	पूर्ण	18 वीं श.	
16×12.5 17; 24	17–18	"	19 वीं श.	
25.5×11 15; 43	1–6	"	18 वीं श.	
17.5×13 10; 21	3 रा	अपूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	60–62	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	136 वां	"	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	2-3	"	20 वीं श.	
24.2×12 12; 27	12 वां	"	1933	
10×12.5 13; 11	39–40	"	1842	लि.क. रामचन्द्र

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1893	23828 (1)	ऋषभदेव-नमस्कार	
1894	22536 (32)	ऋषभदेवजी री लावणी	
1895	22534 (79)	ऋषभदेवजी रो स्तवन	जिनचन्द्र
1896	22534 (92)	,,	
1897	22547 (2)	,,	
1898	23828 (2)	ऋषभदेव-स्तुति	
1899	24379	ऋषभदेव-स्तवन	समयसुन्दर गणि
1900	22545 (11)	ऋषभदेव-स्तुति	
1901	23817 (6)	ऋषिभानन जिन-स्तवन	देवचन्द्र
1902	22074 (11)	कर्म-छत्तीसी	
1903	23064 (30)	कर्म-बतीसी	समयसुन्दर
1904	23779 (3)	,,	,,
1905	22534 (86)	कर्म री सज्झाय	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12.5 9;27	1–2	पूर्ण	20 वीं श.	
14×12.5 12;17	66-69	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	150–151	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	242 वां	,,	19 वीं श.	
14.5×11 9;18	18–19	,,	1811	
24.5×12.5 9;27	2 रा	,,	20 वीं श.	
24.5×10 15;46	1–2	,,	18 वीं श.	पत्र जलसिक्त लि.क. पं. हर्षकुशल
10×12.5 13;11	60 वां	,,	1844	
24.5×12 13;43	2 रा	,,	18 वीं श.	
25×11 15;45	33–35	,,	1690	
16×12.5 17;24	11 वां	,,	19 वीं श.	
25.8×12 14;44	2–3	,,	1845	
14×12.5 12;17	160–162	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1906	22362	कर्मोपरिस्वाध्याय	समयसुन्दर
1907	22074 (8)	कल्याणमन्दिर-भाषा	,,
1908	22534 (93)	कलजुग री निसाणी	
1909	23654	कवित्त-संग्रह	
1910	22534 (57)	काया ऊपरी संझाय	
1911	23828 (21)	कुंथुनाथ-नमस्कार	
1912	23609 (3)	कुंथुनाथ-स्तवन	
1913	22417	किसन जी रो सिलोको	
1914	22534 (18)	क्रोध री सज्झाय	
1915	24156 (20)	क्रोधपरिहारोपदेश-सज्झाय	भावसागर
1916	23917 (19)	गजसुकुमाल-सज्झाय	
1917	24156 (13)	,,	
1918	22074 (30)	गीत	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11 12; 36	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 15; 45	29–31	"	1690	
14×12.5 12; 17	273–277	"	19 वीं श.	
25×9.5 13; 56	1–6	"	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	113–117	"	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	11 वां	"	20 वीं श.	
17.5×11.5 11; 18	3 रा	"	1937	द्वितीय कृति संस्कृत में है।
24×10 13; 34	1–2	"	19 वीं श.	पत्र कीटभक्षित
14×2.5 12; 17	51–52	"	19 वीं श.	
21×14 13; 24	46वां	"	19 वीं श.	
24.5×12 13, 43	6–7	"	18 वीं श.	
21×15 13; 24	25–27	"	19 वीं श.	
25×11 15; 45	47 वां	"	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1919	24216	गीत स्तवन-संग्रह	
1920	22534 (69)	गौड़ी जिन पद	
1921	22534 (55)	गौडी पार्श्वजिन-स्तवन	
1922	22534 (64)	"	
1923	24156 (2)	"	विनयकुशल
1924	24156 (28)	"	
1925	24365 (1)	गौडी पार्श्वनाथवृद्धि-स्तवन	
1926	22534 (72)	गौडी-स्तवन	
1927	23791	गौतमस्तोत्र	
1928	23817 (10)	चन्द्रधरजिन-स्तवन	देवचन्द्र
1929	23817 (12)	चन्द्रबाहुजिन-स्तवन	"
1930	24156 (27)	चन्द्रप्रभुजिन-स्तवन	नयसागर
1931	23828 (10)	चन्द्रप्रभुजिन-नमस्कार	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.8 11;39	1-6	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध व जलसिक्त
14×12.5 12;17	139-140	,,	19 वीं श	
14×12.5 12;17	107-108	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	135-136	,,	19 वीं श.	
21×15 13;24	2-4	,,	19 वीं श.	पत्र परस्पर चिपके हुए व त्रुटित
21×14 13;24	65-68	,,	19 वीं श	
24.5×10.5 12;36	1-2	,,	18 वीं श.	
14×12 5 12;17	141-142	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;29	1-5	,,	18 वीं श.	
24.5×12 13;43	4 था	,,	18 वीं श.	
24.5×12 13;43	5 वां	,,	18 वीं श.	
21×14 13;24	57-65	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	6 ठा	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1932	23817 (11)	चन्द्रानन-जिन स्तवन	
1933	24475	चतुर्विंशतिका	आनन्दघन
1934	24287	चतुर्विंशति-जिनगीत	
1935	24351	,,	
1936	22031	चतुर्विंशति-जिनस्तवन	वाचकजस
1937	22323 (6)	चतुर्विंशति-जिनस्तुति	
1938	22011	चतुर्विंशति-स्तवन	आनन्दघन
1939	23692	चर्चाप्रश्नोत्तरी	
1940	24380	च्यार आहार-सज्झाय	धर्ममंदिर
1941	22547 (12)	चार गति की वैराग-बेली	
1942	22346	चिन्तामणि-पार्श्वनाथ जी रो स्तवन	
1943	24156 (15)	चैत्यवन्दन-जिनस्तवन	
1944	23609 (28)	चैत्यवन्दन	मानकवि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12 13;43	4-5	पूर्ण	18 वीं श.	
25×11 19;63	1-4	"	1897	
25×11 16;47	1-5	"	19 वीं श.	लि.क. कीर्तिचन्द्र लि. स्था. बदनीपुर नगर
25×11 13;48	1-6	"	18 वीं श.	
24×11 18;44	1-5	पूर्ण	19 वीं श.	
13×15 12;15	79-80	"	16 वीं श.	
25×11 16;49	1-6	"	19 वीं श.	
27×12.5 24;56	1-3	"	19 वीं श.	
24 5×11 15;54	1-2	"	19 वीं श.	
14.5×11 9;18	44-46	अपूर्ण	1811	
23×10 12;30	1-2	पूर्ण	19 वीं श.	
21×15 13;24	28-29	"	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	4-5	"	1937	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1945	23060 (6)	चौथो मंगल	
1946	23064 (7)	चौदहगुण-स्थानक-स्तवन	विजयहर्ष
1947	24156 (30)	चौबीसतीर्थंकर-जिनस्तवन	
1948	23060 (7)	चौबीसतीर्थंकरां ना स्तवन	
प. 1949	24007	चौबीसतीर्थंकर-प्रणाम चरित्र, कथा, सम्बन्ध संग्रह	
1950	23064 (31)	चौबींसतीर्थंकरां रा ग्रांत रा स्तवन	विजयहर्ष
1951	22548 (8)	चौबीसतीर्थंकर लंचन विनती	
1953	23774	चौबीसतीर्थंकर-स्तवन-संग्रह	
1952	23064 (10)	चौबीसदण्डक गति आगति स्तवन	
1954	22547 (5)	चौबीसीजी रो स्तवन (तवन)	आणन्द
1955	24156 (6)	जम्बूस्वामी री सज्झाय	
1956	24108 (25)	जम्बूस्वामी-स्वाध्याय	
1957	24228 (2)	जिन-स्तुति	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×13 10;21	94 वां	अपूर्ण	19 वीं श	प्रारम्भांश अप्राप्त
16×12.5 17;24	10–14	पूर्ण	19 वीं श.	
21×14 13;24	69–76	,,	1817	लिक.पं. गोकुलजी
17 5×15 10;21	94–113	अपूर्ण	19 वीं श	पत्रांक 96–97 तथा अंतिमांश अप्राप्त
26.5×12.5 14; 35	1–2	पूर्ण	1889	
16×12.5 17;24	12–14	,,	19 वीं श.	
10×12 5 13;11	38–39	,,	1845	
25.5×12.8 13;28	1–16	,,	1920	
16×12.5 17;24	25–28	,,	19 वीं श.	
14.5×11 9;18	24-30	,,	1811	र.का. 1562 वि; लि.क. गंगाराम; लि. स्था. पनवाड़
21×15 13;24	13–14	,,	19 वीं श	ग्रन्थ जीर्ण-शीर्ण दशा में
25.5×10.5 15:44	16 वां	,,	17 वीं श.	
22.2×90 14:35	5 वां	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1958	24156 (43)	जीव उतपत्ति री सज्झाय	
1959	24156 (50)	जीवोत्पत्ति-सज्झाय	रत्नहर्ष
1960	22360	जिरण गुरु गीत	
1961	24354	जिनगीत	
1962	23064 (29)	जिनरस	वेणीराम
1963	22353	जिनेश्वरगीत	
1964	22323 (9)	ज्ञानपंचमी-स्तवन	
1965	23609 (14)	ज्ञानपंचमी-स्तुति	
1966	22074 (14)	ज्ञानपचीसी	
1967	23779 (1)	"	बनारसी
1968	24368 (2)	झांझरियमुनीश्वर-सज्झाय	उदयसूरि
1969	24108 (14)	झुम्बक-स्वाध्याय	
1970	22534 (84)	ढंढरण ऋषि री सज्झाय	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×14 13;24	26 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
21×14 13;24	22–25	,,	19 वीं श.	
19×10 11;30	1	,,	19 वीं श.	
25×10.5 11;33	2–6	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्र जलसिक्त एवं अंतिमांश अप्राप्त
16×12.5 16;24	1–10	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1779 वि.
20.5×9.5 20;62	1	,,	18 वीं श.	
13×15 12;15	82–83	,,	16 वीं श	
17.5×11.5 11;18	13 वां	,,	1937	
25×11 14;45	37 वां	,,	1690	
25.8×12 14;44	1	,,	1845	पत्र जलसिक्त
25×10.5 17;33	19–20	,,	19 वीं श	
25.5×10.5 15;44	7 वां	,,	17 वीं श.	
14×12.5 12;17	157–158	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो 1971	24161 (11)	तवन मुक्तशिला रो	
1972	23705	तवन-संग्रह	ऋषि जैमल, रतनचन्द, भगन, लालचंद, जिनदास, गुणसागर, विनयचंद, ऋषि रायचंद, जिनचंद, कुशालचंद, अगरचद
1973	23735	"	उदयरत्न, अमीविजय, जिनदास, अश्वसेन, रायचद, रत्न, हरकचंद, जयमल
1974	24074	तीन चौबीसी	
1975	24278	तीर्थगीत	समयसुन्दर
1976	22534 (77)	तीर्थमाला-स्तवन	
1977	22534 (16)	तेरह काठिया रो सज्झाय	
1978	22570 (14)	"	
1979	22074 (19)	त्रयोदश काठिया री सज्झाय	
1980	24156 (3)	थम्भणपुरजी रो स्तवन	
1981	24108 (18)	दश दृष्टांत-स्वाध्याय	गुणविजय वाचक

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×16 17; 14	115–118	पूर्ण	1853	
26.6×12.5 25; 63	1–15	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 5 वां अप्राप्त
27×12.5 22; 62	1–25	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1862 वि. र. स्था. जोधपुर
		,,		
25.5×11.5 11; 30	1–20	अपूर्ण	18 वीं श.	अंतिम अंश अप्राप्त
25×16.3 13; 34	1	पूर्ण	18 वीं श.	
14×12.5 12; 17	147–148	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	48–50	,,	19 वीं श.	
20.5×12 25; 15	8-9	,,	19 वीं श.	
25×11 15; 45	40-41	,,	1690	
21×15 13; 24	4–5	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15; 44	9-10	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 1982	23761	दशविध यति-धर्माधिकरण-सज्झाय	कवि सुखसागर
1983	23783	दशवैकालिक-सज्झाय	जैतसी शिष्य पुण्यकलश
1984	24156 (44)	दशेदसा री सज्झाय	समुद्रविजय
1985	23811	दानकुलक-बालावबोध	
1986	24108 (12)	दानस्वाध्याय	लब्धिविजय
1987	24108 (3)	देवकी-स्वाध्याय	,,
1988	23817 (18)	देववश। जिन-स्तवन	देवचन्द्र
1989	22534 (4)	धन्नाजी की सज्झाय	
1990	22534 (19)	,,	
1991	22544 (6)	,,	
1992	23060 (9)	धन्नामुनिराजनी सज्झाय	
1993	23328 (17)	धर्मनाथ-नमस्कार	
1994	22074 (12)	ध्यानबत्तीसी	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11 11;35	1–10	पूर्ण	18 वीं श.	
25.8×12.5 12;37	1–6	,,	19 वीं श.	
21×14 13 24	26–27	,,	19 वीं श.	
24.5×11 15;37	1–27	अपूर्ण	18 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	6 ठा	पूर्ण	17 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	2–3	,,	17 वीं श.	
24.5×12 13;44	6 ठा	,,	18 वीं श.	
14×12.5 12;17	29–31	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	52–54	,,	19 वीं श.	
20.5×15.5 19;31	38–39	,,	1812	
17.5×13 10;21	140 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिम अंश अप्राप्त
24.5×12.5 9;27	9 वां	पूर्ण	20 वीं श.	
25×11 15;45	35–36	,,	16 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6). जै.स्तु.स्तो. 1995	22007	धर्मबावनी	धर्मसिंह
1996	23060 (4)	धर्मरुचि-सज्झाय	
1997	24080 (3)	धन्नाशालिभद्र-सज्झाय	समयसुन्दर
1998	22041	नन्दबहुत्तरी	
1999	22534 (47)	नन्दीषेण साधु की सज्झाय	
2000	23828 (24)	नमिनाथ-नमस्कार	
2001	23717 (15)	नमिप्रभुजिन स्तुति	देवचन्द्र
2002	22534 (41)	नवकार मंत्र रो स्तवन	
2003	22534 (22)	नवकार वाली सज्झाय	
2004	22534 (68)	नवकार-स्तवन	पद्मराज
2005	23064 (8)	नवपद-स्तवन	उत्तमविजय गणि शिष्य सुमतिविजय
2006	22570 (8)	नववाढ-छप्पय	
2007	22074 (3)	नासांकित बावनी सवैया	बनारसीदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 15;43	1–5	पूर्ण	1767	लि.क. पंडित विवेकप्रमोद मुनि लि. स्था. राधनपुर
17.5×13 10;21	41–42	,,	19 वीं श.	
24×9.5 16;42	8 वां	,,	1808	
24.5×11.5 17;56	1–2	,,	1824	लि.क. पंडित कुशलदत्त लि. स्था. तिवरी
14×12.5 12;17	90-93	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	12–13	,,	20 वीं श.	
24.5×12 13;43	5–6	,,	18 वीं श	
14×12.5 12;17	268–279	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	57 वां	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	138–139	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	14–23	,,	19 वीं श.	
20.2×12 25;15	6 ठा	,,	19 वीं श.	3 से 7 तक की रचनाएं अपभ्रंश में है
25×11 15;45	13–18	,,	1690	

क्रमांक एव विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2008	23845 (2)	निंदड़ली-स्वाध्याय	
2009	24108 (15)	निन्दा-स्वाध्याय	
2010	22534 (8)	नेमनाथ जी रो बारहमासो	
2011	24156 (16)	नेम-राजीमति-स्तवन	
2012	22534 (7)	नेम-राजुलगीत	
2013	24205 (2)	नेमिजिन-स्तवन	दानविजय
2014	24363	,,	कनक कुशल
2015	23828 (26)	नेमिजिन-स्तुति	
2061	23828 (27)	नेमिजिन-स्तवन	
2017	23828 (36)	,,	
2018	22477 (8)	नेमिजी री लावणी	
2019	22477 (10)	नेमि-लावणी	
2020	23828 (25)	नेमिनाथ-नमस्कार	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.5×10 13; 29	13 वां	पूर्ण	1855	
25.5×10.5 15; 44	7-8	"	17 वीं श.	
14×12.5 12; 17	35-38	"	19 वीं श.	
21×15 13; 24	29-30	"	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	34-35	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11.5 11; 31	1-2	"	19 वीं श.	
25.5×10.5 13; 31	1-4	"	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	13-14	"	20 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	14 वां	"	20 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	20-21	पूर्ण	20 वीं श.	
16.5×12.5 9; 27	30-32	पूर्ण	19 वीं श.	
16.5×12.5 9; 13	33 वां	"	19 वीं श	
24.5×12.5 9; 27	13 वां	"	20 वीं श	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जं.स्तु स्तो. 2021	22534 (82)	नेमिजी रो पद	
2022	22534 (80)	नेमिनाथजी री होरी	
2023	22532 (3)	नेमिनाथजी रो स्तवक	
2024	22534 (71)	नेमोपद	
2025	22534 (9)	नेमी-राजुल-बारहमासो	
2026	24245	नेमीश्वर-फागु	
2027	24108 (7)	नोकार वाली स्वाध्याय	
2028	22534 (54)	पंचतीर्थ-स्तवन	
2029	24352	पंचपरमेष्ठी-नमस्कार	
2030	22534 (53)	पंचमी वृद्धि-स्तवन	
2031	22384	पंचमी-स्तवन	
2032	23064 (5)	,,	
2033	23064 (33)	,,	गुणविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12.5 12; 17	152–153	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	151–152	,,	19 वीं श.	
15.5×9.5 11; 20	48–49	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	141 वां	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	38–40	,,	19 वीं श.	
25 2×11 9, 29	1–7	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15; 44	4–5	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	105–107	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 13; 38	1–4	,,	17 वीं श.	
14×12.5 12; 17	102–105	,,	19 वीं श.	
24×11 14; 33	1	,,	19 वीं श.	साथ में 'पार्श्वनाथ स्तवन' है ।
16×12.5 17; 24	5–9	,,	19 वीं श.	र. स्था. पाटन
16×12.5 17; 24	15–17	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2034	24156 (25)	पंचमी-स्तवन	समयसुन्दर
2035	22534 (75)	"	समयसुन्दर गरिण
2036	24108 (5)	पंचास पडिलेहरण-सज्झाय	लब्धिविजय
2037	23064 (24)	पद	
2038	23609 (29)	पद	
2039	23828 (8)	पद्मप्रभ-नमस्कार	
2040	22534 (25)	पद्मप्रभु-स्तवन	
2041	24156 (10)	"	
2042	22565 (2)	पद्मावती-ग्राराधना	
2043	22548 (24)	पनरेतिथि रा दूहा	
2044	22534 (21)	पर्युं सरण री सज्झाय	
2045	24161 (12)	पांचइन्द्रिय-सज्झाय	
2046	24156 (8)	पांच पाण्डव री सज्झाय	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×14 13;24	48–50	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	143-144	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	3–4	,,	17 वीं श.	
16×12.5 17;24	37 वां	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	5–6	पूर्ण	1937	
24.5×12.5 9;27	5 वां	,,	20 वीं श.	
14×12.5 12;17	59–60	,,	19 वीं श.	
21×15 13;24	20 वां	,,	19 वीं श.	
14.5×21.5 18;18	8–11	,,	19 वीं श.	
16×12.5 13;11	84–100	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	55–57	,,	19 वीं श.	
15×16 17;14	119–121	,,	19 वीं श.	
21×15 13:24	16–18	,,	19 वीं. श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2047	24189	पांच पाण्डव-सज्झाय	
2048	22544 (7)	पांचवीं-स्तवन	
2049	24053	पांच सुमति-सज्झाय	देवीचन्द्र
2050	24282	पापस्थानाष्टदशकवर्जन-स्वाध्याय	वाचक जसविजय
2051	22364 (3)	पार्श्वजिन-ध्रुपद	
2052	22534 (35)	पार्श्वजिन-स्तवन	
2053	22534 (39)	"	
2054	22323 (12)	पार्श्वनाथजिन-स्तुति	
2055	22418	पार्श्वनाथ निसाणी	जिनहर्ष
2056	22364 (1)	पार्श्वपुष्पाञ्जलि-स्तोत्र	
2057	24156 (12)	पार्श्वनाथजी री राजगीता	उदयविजय
2058	22570 (24)	पार्श्वनाथ तेसंतरी छंद	
2059	24218 (2)	पार्श्वनाथ-लघुस्तवन	धनराज

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवद्)	विशेष ज्ञातव्य
26×10.5 13;41	1–5	पूर्ण	18 वीं श.	पत्र जलसिक्त
20.5×15.5 19;21	40–42	,,	1812	
25.5×11.5 12;37	1–9	,,	19 वीं श	लि.क. लाभविजय; लि. स्था. पाली
26×11.5 11;27	1–12	,,	1790	
24×10 18;46	1	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	70–71	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	74–77	,,	19 वीं श.	
13×15 12;15	92–93	,,	16 वीं श.	"संगीतबद्ध स्तुति"
24×10.5 13;42	1–3	,,	19 वीं श.	लि.क. गोकुलचन्द्र
24×10 18;46	1	,,	19 वीं श.	
21×15 13;24	22–25	,,	19 वीं श.	
20.2×12 25;15	14–18	,	19 वीं श.	
24×10.5 10;26	3-4	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2060	23064 (23)	पार्श्वस्तवन	रामविजय शिष्य विमल-विजय
2061	23828 (39)	पार्श्वनाथ-स्तवन	
2062	23828 (28)	पार्श्वनाथ-नमस्कार	
2063	23828 (30)	पार्श्वनाथ-स्तवन	
2064	22544 (3)	पासचन्दसूरीश्वरजी रा छुन्द	
2065	23142	पुण्यप्रकाश आराधन-स्तवन	वाचक विनयविजय
2066	23837	पुण्यप्रकाश-स्तवन	,,
2067	22565 (1)	,,	,,
2068	22534 (20)	पुण्य री सज्झाय	
2069	22368	पूजनगाहा	
2070	24108 (17)	पौषध सामायिक नां फल उपरि सज्झाय	पं. सुमतिकमल
2071	23481	प्रबोध दोहा बावनी	साह जिरणदास
2072	24205 (5)	प्रभाति-सज्झाय	

नाप से॰ मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×12.5 17;24	36 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	15 वां	,,	20 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	14–15	,,	20 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	15–16	,,	20 वीं श.	
20.5×15.5 19;21	1–3	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र कीटविद्ध व जलसिक्त लि.क. मलूकचन्द
24×12 10;32	6	,,	19 वीं श.	र.का. 1729 वि. पत्र जलसिक्त
24×11 11;30	7	,,	1877	
14.5×21.5 18;18	1–7	,,	19 वीं श.	र.का. 1729 वि.
14×21.5 12;17	54–55	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;30	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	9 वां	पूर्ण	17 वीं श.	
20.5×11 14;28	12	,,	1681	
24.8×10.5 11;31	2–3	,,	19 वीं श.	6 ठी रचना संस्कृत की है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जं.स्तु.स्तो. 2073	22074 (42)	प्रास्ताविक कवित्त	
2074	22074 (52)	बनारसी-विलास	बनारसीदास
2075	22534 (28)	बारेमासियो	
2076	24156 (29)	बाहुबलि मुनिराज गीत	विमलकीर्ति
2077	24112	बाहुबलि-स्तवन	देवचन्द्र
2078	23817 (3)	बाहुस्तवन	,,
2079	23064 (32)	बीज रो स्तवन	
2080	23064 (4)	बीज-स्तवन	सिद्धिविजय
2081	23064 (12)	बीज-जिनवंदन	
2082	24365 (2)	भक्तामरगीत	सोम कुन्जर गणि
2083	22419	भक्तामरस्तोत्र	
2084	24228 (1)	भक्तामर-स्तोत्र का संक्षिप्त बालावबोध	
2085	24108 (2)	भरत बाहुबलि-सज्झाय	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 15;45	51–53	पूर्ण	1690	
25×11 15;45	65 वां	,,	1690	
14×12.5 12;17	62 वां	,,	19 वीं श.	
21×14 13;24	68 वां	,,	19 वीं श.	
25.5×11 15;48	6	,,	18 वीं श.	
24.5×12 13;43	1–2	,,	18 वीं श.	
16×12.5 17;24	14–15	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	4–5	,,	19 वीं श.	र.का. 1871 वि.
16×12.5 17;24	29 वां	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 12;36	3 रा	,,	18 वीं श.	
25.5×10.5 15;47	2	,,	19 वीं श.	
22 2×9 14;35	1–5	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	1–2	,,	17 वीं श.	पत्र जलसिक्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6). जै स्तु.स्तो. 2086	24108 (9)	भवदेव-स्वाध्याय	लब्धिविजय
2087	24350 (3)	भांग-अमल-संवाद	
2088	24236	भावनावेलि	
2089	23817 (13)	भुजंगजिन-स्तवन	देवचन्द
2090	24156 (12)	भ्रमरगीत	
2091	22390	भ्रमविध्वंसन अष्टक	
2092	22534 (13)	मृगा-पुत्र री सज्झाय	
2093	23609 (6)	मल्लिनाथ-गीत	देवचन्द
2094	23828 (22)	मल्लिनाथ-नमस्कार	
प. 2095	22809	मलूकचन्द री सज्झाय	
2096	23817 (17)	महाभद्रजिन-स्तवन	देवचन्द
2097	23828 (32)	महावीरजिन-स्तवन	
2098	23609 (30)	महावीरजी की थुई	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 15;44	5 वां	पूर्ण	17 वीं श.	
24.5×11.8 13;48	1-6	,,	19 वीं श	
22.3×9.7 12;29	6	,,	19 वीं श.	
24.5×12 13;43	5 वां	,,	18 वीं श.	
21×15 13;24	20-22	,,	19 वीं श.	
30×13 15;41	1	,,	19 वीं श.	
41×12.5 12;17	44-46	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	6-7	,,	1937	
24.5×12.5 9;27	11-12	,,	20 वीं श.	
24.5×10 13;40	4	,,	1852	र.का. 1852; र. स्था. बीकानेर रचनाकालीन प्रति
24.5×12 13;43	6 ठा	,,	18 वीं श.	
24.5×12.5 9;29	16-18	,,	20 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	6-7	अपूर्ण	1937	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2099	22534 (3)	महावीर-तपस्तवन	
2100	22534 (16)	महावीर-पद	
2101	22534 (46)	महावीरस्वामी-वृद्धिस्तवन	
2102	22156 (4)	महावीर-स्तवन	
2103	22477 (6)	माणभद्रजी रो छंद	उदयकुशल
2104	22548 (38)	माणपरिहार-स्वाध्याय	भावसागर पण्डित
2105	24156 (21)	माणपरिहारोपदेश सज्झाय	
2106	24156 (22)	मायापरिहारोपदेश-सज्झाय	भावसागर
2107	23609 (7)	मुनिसुव्रत-गीत	देवचन्द
2108	23828 (23)	मुनिसुव्रत-जिननमस्कार	
2109	22534 (12)	मूर्ख जीव री सज्झाय	
2110	23764	मौन एकादशी नो स्तवन	
2111	23817 (2)	युगमंधर-स्तवन	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12.5 12; 17	28–29	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	152 वां	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	88–90	,,	19 वीं श.	
21×15 13; 24	5–6	,,	19 वीं श.	
16.8×12.5 9; 13	7–11	,,	1942	
10×12.5 13; 11	14–15	,,	19 वीं श.	
21×14 13; 24	46–47	,,	19 वीं श.	पत्र परस्पर चिपके हुए हैं।
21×14 13; 24	47 वां	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11; 18	7–8	,,	1937	
24.5×21.5 9; 27	1–12	,,	20 वीं श.	
14×12.5 12; 17	43–44	अपूर्ण	19 वीं श.	
26.5×12 11; 40	4	पूर्ण	18 वीं श.	लि. क. धर्मचंद
24.5×12 13; 43	1	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2112	24114	योगदृष्टिसज्झाय-सस्तबक	यशोविजय
2113	22074 (49)	राग-पद-संग्रह	बनारसीदास
2114	23085 (1)	राग-पद-संग्रह	
2115	23064 (22)	राग-पद-संग्रह	धर्मसिंह मुनि व प्रेमविजय
2116	24218 (1)	राचा-बत्तीसो	
2117	22032	राजनगर-तीर्थमाला-स्तवन	
2118	22534 (85)	राजैमती री सज्झाय	चौथमल
2119	22548 (19)	राणकपुरजी को स्तवन	
2120	22534 (37)	,,	
2121	23323 (13)	रावण पार्श्वनाथजी-विनती	
2122	22534 (56)	रोहिणी-स्तवन	
2123	23064 (25)	,,	मुनिचंद्रवर
2124	22548 (3)	रुकमणी राणी सती री सज्झाय	राजा विजयरंग

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 16;44	21	पूर्ण	1789	लि.क. सुखसागर गणि लि. स्था. वेड़ नगरी
25×11 15;45	60-64	"	1690	
25×10 17;50	1–3	"	1739	
16×12.5 17;24	36 वां	"	19 वीं श.	
24×10.5 10;26	1–3	"	19 वीं श.	
25.5×11 10;40	6	"	20 वीं श.	
14×12.5 12;17	158–160	"	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	76–78	"	1844	र. का. 1647 वि.
14×12.5 12;17	73–74	अपूर्ण	19 वीं श.	
13×15 12;15	93-94	पूर्ण	16 वीं श.	
14×12.5 12;17	108–113	"	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	37–39	"	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	32–33	"	1845	लि.क. रामचन्द्र

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2125	22024	लावणी	
2126	22477 (3)	,,	जिनदास
2127	22477 (9)	,,	
2128	23736	लावणी-संग्रह	भोमपत, डावरसी, जिनदास रतनचन्द, कनीराम
2129	24273	लोद्रवपुर-पार्श्वनाथ-स्तवन	हर्षसुधनराज गणि
2130	22548 (39)	लोभ-परिहार-स्वाध्याय	भावसागर पण्डित
2131	24156 (23)	लोभपरिहारोपदेश-सज्झाय	,,
2132	22534 (29)	लोभ री सज्झाय	
2133	24108 (1)	वयरकुमार-स्वाध्याय	लब्धिविजय गणि
2134	22534 (43)	वर्द्धमान-स्तवन	
2135	23828 (14)	वासुपुज्य-नमस्कार	
2136	23828 (15)	विमलनाथ-नमस्कार	
2137	23817 (9)	विशालजिन-स्तवन	देवचन्द्र

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 12; 32	4	पूर्ण	1890	
16.5×12.5 14; 18	7–8	"	1938	
16 5×12.5 9; 13	32–33	"	19 वीं श.	
27×12 22; 62	8	"	18 वीं श.	
25.5×10.3 15; 38	4	"	19 वीं श.	
10×12.5 13; 11	15 वां	"	19 वीं श.	
21×14 13; 24	47–48	"	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	63 वां	"	19 वीं श.	
25.5×10.5 15; 44	1	"	17 वीं श.	
14×12.5 12; 17	82 वां	"	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	7–8	"	20 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	8 वां	"	20 वीं श.	
24.5×12.5 13; 43	4 था	"	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2138	24051	विषापहार-स्तोत्र	
2139	22547 (7)	विनती	
2140	22547 (4)	वीरजिणन्द मेघकुमार की वैरागी सज्झाय	
2141	23817 (16)	वीरसेनजिन-स्तवन	देवचन्द्र
2142	23064 (36)	वीर-स्तवन	विनयविजय शिष्य कीर्ति-विजय
2143	23609 (19)	वीस विहरमांण-स्तुति	
2144	24108 (4)	वीस स्थानक-स्वाध्याय	लब्धिविजय
2145	24489 (2)	वेताल-पचीसी	
2146	22534 (70)	वैराग्य-सज्झाय	
2147	24108 (8)	"	
2148	24108 (19)	"	विद्यानन्द
2149	24218 (5)	"	खेम
2150	24285 (2)	"	रूपचन्द

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×12 17;36	6	पूर्ण	19 वीं श.	
14.5×11 9;18	31–32	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र त्रुटित
14.5×11 9;18	21–24	पूर्ण	1811	
24.5×12 13;43	6 ठा	,,	18 वीं श.	
16×12.5 17;34	19–23	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	16 वां	,,	1937	16 से 81 तक की कृतियां प्राकृत में है।
25.5×10.5 15;44	3 रा	,,	17 वीं श.	
25.5×11.5 15;40	42–78	,,	1834	लि. क. कुशलदत्त लि. स्था. मारोठ
14×12.5 12;17	140–141	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	5 वां	,,	17 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	10–11	,,	17 वीं श.	
24×10.5 10;26	7–8	,,	19 वीं श.	
25×11.7 11;34	61 वां	,,	1915	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2151	24108 (23)	वैराग्य-स्वाध्याय	
2152	22534 (38)	शत्रुञ्जय रो स्तवन	हर्षचन्द
2153	24156 (9)	"	"
2154	22388	शत्रुञ्जय-स्तवन	
2155	24291	"	भावविजय
2156	24229 (1)	"	उदयसूरि
2157	22534 (50)	शान्तिजिन-पद	
2158	22534 (73)	शान्तिजिन-स्तवन	
2159	23828 (18)	शान्ति-नमस्कार	
2160	23609 (21)	शान्तिनाथ जिन-स्तवन	गुणसागर सूरि
2161	22534 (59)	शान्तिनाथजी-स्तवन	
2162	22074 (37)	शान्तिनाथ-छन्द	
2163	22074 (38)	शान्तिनाथ-त्रिभंगीछन्द	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10.5 15;44	14–15	पूर्ण	17 वीं श.	
14.×12.5 12;17	74-75	,,	19 वीं श.	
21×15 13;24	18–20	,,	19 वीं श.	
25×10 12;46	1	,,	19 वीं श	
24×8.7 19;60	6	,,	19 वीं श.	
20×10 13;36	1	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	95–96	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	142 वां	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	9 वां	,,	20 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	22–23	,,	1937	20 वीं स्तुति प्राकृत में है।
14×12.5 12;17	130–132	,,	19 वीं श.	
25×11 15;45	49–50	,,	1690	
25×11 15;45	50 वां	,,	1690	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6). जै.स्तु.स्तो. 2164	23828 (20)	शान्तिनाथ-नमस्कार-स्तवन	
2165	22477 (11)	शान्तिनाथ-स्तवन	रूपविजय
2166	22534 (60)	”	
2167	24239	”	जिनेन्द्रसागर
2168	22548 (26)	”	रतनलाल गणि
2169	23060 (8)	”	
2170	23828 (19)	शान्तिनाथ-स्तुति	
2171	24108 (22)	शान्तिस्वाध्याय	
2172	22477 (2)	शालिभद्र-सिलोको	विनीतविमल
2173	23828 (33)	शाश्वत अशाश्वत जिन-नमस्कार	
2174	23828 (34)	शाश्वतजिन-स्तुति	
2175	22548 (42)	शिक्षा-स्वाध्याय	
2176	24108 (24)	शिवकुमार-सज्झाय	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12.5 9;27	10–11	पूर्ण	20 वीं श.	
16.5×12.5 9;13	33–34	,,	19 वीं श.	
14×12 12;17	132–133	,,	19 वीं श.	
21×10.5 15;33	3	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13;11	3–4	,,	1844	
17.5×11 10;21	140 वां	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भिक अंश अप्राप्त
24.5×12.5 9;27	9–10	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	14 वां	,,	17 वीं श.	
16.5×12.5 14;18	3–6	,,	1939	
24.5×12.5 9;27	18–19	,,	20 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	19 वां	,,	20 वीं श.	
10×12.5 13;11	17–18	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	15–16	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2177	22534 (36)	शीतलजिन-स्तवन	
2178	24205 (3)	,,	जिनविजय
2179	23828 (12)	शीतलनाथ-नमस्कार	
2180	24108 (16)	शीलबत्रीसी	गुणविजय वाचक
2181	24222	शीलव्रत-सज्झाय	चन्द्रकीर्ति सूरि शिष्य हर्षकीर्ति सूरि
2182	24156 (17)	श्रावक प्रतिमा-स्वाध्याय	जिनहर्ष
2183	23828 (6)	श्रीअभिनन्दन-नमस्कार	
2184	23609 (5)	श्री अरहंतनाथ गीत	देवचन्द्र
2185	22534 (41)	श्री गोडीजी-स्तवन	
2186	23609	श्री चउवीस जिन-स्तुति	
2187	22534 (49)	श्री पार्श्वजिन-स्तवन	
2188	22534 (31)	श्री पार्श्वनाथजी रो गीत	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12.5 12;17	71–73	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र सं. 72 व 73 अर्द्ध त्रुटित
24.8×10.5 11;31	2 रा	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	6–7	,,	20 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	8-9	,,	17 वीं श.	
24.5×11.5 13;36	8	,,	19 वीं श.	
21×15 13;34	30–31	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	4 था	,,	20 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	5–6	,,	1937	
14×12.5 12;17	78–79	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	13–14	,,	1937	
14×12.5 12;17	94–95	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	64 वां	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै स्तु.स्तो. 2189	24218 (3)	श्रीफलवर्धी पार्श्वनाथ लघु-स्तवन	धनराज
2190	22534 (61)	श्रीमहावीरजी-स्तवन	उदयरत्न
2191	24156 (47)	,,	देवीदास सेवक
2192	22534 (33)	श्रीमेघकुमार री सज्झाय	
2193	24156 (36)	श्रीवर्द्धमानकुमारजी री स्तुति	
2194	23828 (31)	श्रीवर्द्धमानस्वामी-नमस्कार	
2195	22547 (6)	श्रीशीतलनाथजी रो स्तवन	
2196	23064 (3)	श्रीसमवसरण विवरण स्तवन	पाठक धर्मवर्धन
2197	22534 (30)	श्रीसमेतशिखरजी-स्तवन	
2198	23828 (13)	श्रेयांस जिन-नमस्कार	
2199	20074 (34)	षट्दर्शनाष्टक	
2200	23064 (6)	षट्द्रव्यनिर्णय-स्तवन	लक्ष्मीकीर्ति
2201	22534 (62)	संखेश्वर पार्श्वजिन-स्तवन	जिनचंद

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.5 10; 26	4 था	पूर्ण	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	133–134	,,	19 वीं श.	
21×14 13; 24	13–17	,,	1813	लि.स्था. चाणोद नगर
14×12.5 12; 17	69 वां	,,	19 वीं श.	
21×14 13; 24	97 वां	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	16 वां	,,	20 वीं श.	
14.5×11 9; 18	30–31	अपूर्ण	1811	31 वां पत्र अप्राप्त
16×12.5 17; 24	2–4	पूर्ण	19 वीं श.	द्वितीय कृति संस्कृत भाषा में है।
14×12.5 12; 17	63–64	,,	19 वीं श.	
24.5×11.5 9; 27	(?)	,,	20 वीं श.	
25×11 15; 45	49 वां	,,	1690	
16×12.5 17; 24	9–10	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	134–135	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2202	22323 (4)	संखेसरा पारसनाथ गाथा	विद्याचंद
2203	22534 (74)	सम्भवजिनवर-विनती	जसराज वाचक
2204	22534 (67)	संभवजिन-स्तवन	
2205	23828 (5)	सम्भवनाथ-नमस्कार	
2206	24108 (11)	सच्चित्तचित्त-स्वाध्याय	लब्धिविजय
2207	22477 (4)	सज्झाय	जिनहर्ष तथा समयसुन्दर
2208	22534 (14)	,,	
2209	22534 (32)	,,	
2210	22548 (27)	,,	समयसुन्दर
2211	23064 (17)	,,	विजयदेवसूरि
2212	23064 (18)	,,	लालविजय
2213	23064 (20)	,,	पद्मतिलक
2214	23064 (21)	,,	समयसुन्दर

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13×15 12; 15	74–76	पूर्ण	16 वीं श.	
14×12.5 12; 17	142–143	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	136 138	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	4 था	,,	20 वीं श.	
25.5×10.5 15; 44	6 ठा	,,	17 वीं श.	
16 5×12.5 14; 18	8–11	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	46–47	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12; 17	49–82	,,	19 वीं श.	
10×12.5 13; 11	4–7	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17; 24	32 वां	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17; 24	32–33	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17; 24	34 वां	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17; 24	34–35	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6). जै.स्तु.स्तो. 2215	23064 (35)	सज्झाय	विनीतसागर
2216	24108 (20)	,,	आनंदविजय
2217	23828 (29)	समेतशिखर-स्तवन	
2218	23064 (11)	सप्त-व्यसन-सज्झाय	जयरंग शिष्य पुण्यकुशल
2219	23064 (14)	सलील-विलास	मुनि धर्मदास
2220	23737	सवैया-संग्रह	
2221	22074 (1)	सहस्रआठोत्तरी	
2222	22534 (34)	सातवार री सज्झाय	
2223	24156 (14)	साधु गुण-सज्झाय	
2224	22534 (23)	साधुचक्र-स्तवन	
2225	22060 (2)	साधुवंदना	जैमल
2226	24489 (1)	सिंघासन बत्तीसी	
2227	22570 (17)	सिन्दूर प्रकरण छप्पय	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×12.5 17;24	18	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1788 वि०, र.स्था. बीकानेर
25.5×10.5 15;44	11 वां	,,	17 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	23 वां	,,	20 वीं श.	
16×12.5 17;24	29 वां	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17;24	30	,,	19 वीं श.	र.स्था. उदयपुर
27×12.5 23;54	1–7	,,	19 वीं श.	
25×11 15;45	1–5	अपूर्ण	1690	पत्र 1-2 अप्राप्त
14×12.5 12;17	69–70	पूर्ण	19 वीं श.	
21×15 13;24	27–28	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	57–59	,,	19 वीं श.	
17.5×13 10;21	26–31	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारंभ अंश अप्राप्त
25.5×11.5 15;40	1–14	पूर्ण	1834	लि.स्था. मारोठ कोट
20.2×12 25;15	10–11	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2228	22534 (10)	सिद्धचक्रस्तवन	
2229	22534 (48)	,,	
2230	23064 (9)	,,	लक्ष्मीकीर्त्ति शिष्य केसरकीर्त्ति
2231	23828 (35)	सिद्धाचल-स्तवन	
2232	23609 (27)	सिद्धचैत्य-वंदना	ज्ञानविमल
2233	22534 (5)	सिखामणि री सज्झाय	
2234	24108 (13)	सीता-सज्झाय	विद्याचंद
2235	22534 (15)	सीता सतीरी सज्झाय	
2236	23060 (5)	सीमन्धरजिन-स्तवन	पद्मविजय
2237	22544 (8)	सीमन्धर स्वामी का गीत	जिनराज
2238	23817 (1)	सीमन्धर-स्तवन	
2239	22323 (7)	सीमन्धरस्वामी-स्तुति	
2240	22364 (2)	सीहानगर-स्वाध्याय	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×12.5 12; 17	40–42	पूर्ण	19 वीं श.	
14.×12.5 12; 17	54–94	,,	19 वीं श.	
16×12.5 17; 24	23-24	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9; 27	19-20	,,	19 वीं श	
17.5×11.5 11; 18	1–8	,,	1937	स्वतंत्र पत्रांकन
14×12.5 12; 17	31 32	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15; 55	6–7	,,	17 वीं श.	
14×12.5 12; 17	47–48	,,	19 वीं श.	
17 5×13 10; 21	42–43	,,	1948	लि.स्था. जोधपुर
20.5×15.5 19; 21	42 वां	,,	1812	
24.5×12 13; 43	1 (प्रथम)	,,	18 वीं श.	
13×15 15; 12	80–81	,,	16 वीं श.	
24×10 18; 46	1	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2241	23609 (8)	सुजात-स्तवन	
2242	23817 (4)	,,	देवचन्द्र
2243	23828 (9)	सुपार्श्वनाथ नमस्कार	
2244	24204	सुबाहु ऋषीश्वर संधि	पुण्यसागर
2245	22074 (22)	सुमतिदेवी-शतक	
2246	23828 (7)	सुमतिनाथ-नमस्कार	
2247	24156 (24)	सुलसामहासती-सज्झाय	
2248	23828 (11)	सुविधिनाथ-नमस्कार	
2249	23817 (8)	सूरजिन-स्तवन	देवचन्द्र
2250	22534 (45)	सोलहसती-स्तवन	
2251	24156 (48)	सोलहसती री स्वाध्याय	उदयरत्न
2252	23609 (1)	सोलहसती-सज्झाय	
2253	23060 (3)	स्तवन	रतनचन्द

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17.5×11.5 11;18	8 वां	पूर्ण	1937	
24.5×12 13;43	2 रा	,,	18 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	5–6	,,	20 वीं श.	
25.5×10.5 13;40	6	,,	18 वीं श.	पत्र जलसिक्त र.का. 1674; र.स्था जैसलमेर
25×11 15;45	42 वां	,,	1690	
24.5×12.5 9;27	4–5	,,	20 वीं श.	
21×14 13;24	48 वां	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 9;27	6 ठा	,,	20 वीं श.	
24.5×12 13;43	3–4	,,	18 वीं श.	
14×12.5 12;17	86–88	,,	19 वीं श.	
21×14 13;14	18–19	,,	19 वीं श.	
17.5×11.5 11;18	1–2	,,	1937	पत्र जलसिक्त
17.5×13 10;21	31–40	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2254	22477 (5)	स्तवन	चन्द्रकुशल
2255	22548 (7)	,,	
2256	24446 (8)	,,	रतनचन्द
2257	22534 (6)	स्थूलिभद्र मुनिवर नी सज्झाय	
2258	24108 (6)	स्थूलिभद्र-स्वाध्याय	लब्धिविजय
2259	22548 (6)	स्फुट कवित्त	
2260	22343	स्फुट गाथा	
2261	22570 (9)	स्फुट छप्पय, चौपई श्लोक, कवित्त, सवैया आदि	
2262	23817 (5)	स्वयंप्रभुजिन-स्तवन	देवचन्द्र
2263	22548 (34)	स्वार्थ ऊपर स्वाध्याय	सुन्दर
2264	22534 (89)	हंसराज-बच्छराज री सज्झाय	
2265	24108 (10)	हरिकेशी मुनि-स्वाध्याय	लब्धिविजय
2266	22548 (40)	हरियाली-सज्झाय	गुणविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×12.5 9;13	7 वां	पूर्ण	19 वीं श.	11 अतिरिक्त पत्रों के पश्चात् 6 पत्रों में "लघुचाणक्य" संस्कृत भाषा में।
10×12.5 13;11	38 वां	,,	1845	
12.5×8 8;20	212–219	,,	19 वीं श.	र.का.-1872, र. स्था. देवगढ़
14×12.5 12;17	32-34	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;44	4 था	,,	17 वीं श.	
10×12.5 13;11	38 वां	,,	1845	
22×11 15;45	9–11	अपूर्ण	18 वीं श.	
20.2×11 25;15	6–7	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×12 13;43	2–3	,,	18 वीं श.	
10×12.5 13;11	12 वां	,,	19 वीं श.	
14×12.5 12;17	167–265	,,	1931	लि.क.-पं. लक्ष्मीविजय लि. स्था- विसलपुर
25.5×10.5 15;44	5-6	,,	17 वीं श.	
10×12.5 13;11	16 वां	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
22(6) जै.स्तु.स्तो. 2267	23661	होली को गीत	विनयचन्द
23 विविध 2268	22216	आर्या-भारत	रामानंद मयूरेश्वर
2269	22219	"	"
2270	22465 (10)	खर्चे का रुक्का	नरसिंह
2271	22214 (2)	घोड़ा रा बखान	
2272	22467 (10)	चौदह रत्न	
2273	22467 (9)	चौदह विद्या	
2274	24159 (8)	चौदह विद्या वर्णन एवं विवाह-वर्णन	
म. 2275	22674	दासबोध	समर्थरामदास स्वामी
2276	23916	नुस्ख-ए-रौज़-वहिश्त मकाम माधो विनोद नाटक	अनु. गोवर्द्धन सूर्यध्वज ब्राह्मण
2277	22352	पकवान एवं आभूषण-सूची	
2278	23741	पट्टावली	
2279	22534 (87)	पोथी प्रशस्त	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×16 16;46	1–2	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. जोशी हरिराम लि. स्था- जोशीवाड़ा
45.5×16.5 38;25	1–24	अपूर्ण	1943	प्रथम पत्र अर्द्ध त्रुटित; मराठी भाषा में।
32×14.5 13;32	1–38	पूर्ण	1775	"अनुशासनपर्व" लि.क. गोपाल भट्ट; लि.स्था-महाकालेश्वर उज्जैन
12.5×15.5 11;16	111 वां	"	18 वीं श.	र.का. 1774; लि.क. दामोदर स्वामी
23.5×13 5 11;24	11–12	"	1844	
15×12 17;19	34 वां	"	1943	
15×12 17;19	34 वां	"	19 वीं श.	
18×13.5 14;20	43-47	"	19 वीं श.	
21×15 13;25	279	"	20 वीं श.	मराठी भाषा में।
14×24 21;18	140	"	1900	समकालीन प्रति; महाराजा ब्रजेन्द्र सवाई बलवंतसिंह की आज्ञा से भवभूतिकृत 'मालती-माधव' का उर्दू भाषा में किया गया अनुवाद।
24.5×11.5 16;32	1	"	19 वीं श.	
27×11.5 25 58	1–3	"	18 वीं श.	
14×12.5 12;17	163–165	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
23. विविध			
2280	22235	सोलह सोमवार की कथा	
2281	22214 (1)	हाथियां रा बखान	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20 × 13.5 11; 22	8	पूर्ण	1899	मराठी भाषा में।
23 × 13.5 11; 24	8-11	अपूर्ण	1844	

ग्रन्थकर्ता एवं टीकाकारानुक्रमणिका

परिशिष्ट

(ल)

(व)